THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

चीन हो या पाकिस्तान, पैनी नजर रखेगा भारत

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन-पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की सीमा के पास हरकतों पर नजर रखनी हो या अपने देश के अंदर सुविधाओं का विस्तार करना हो, सैटलाइट्स की भूमिका लगातार बढ़ रही है। यही वजह है कि भारत सरकार अंतरिक्ष आधारित निगरानी मिशन (एसबीएसएम) के तहत आधुनिकतम इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने की दिशा में जी-जान से जुटी है। इसी के तहत मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी (एसबीएस) मिशन के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है।

वर्ष-29 अंक : 201 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.10 2081 शनिवार, 12 अक्टूबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

आसियान देशों में एकता जरूरी : मोदी

यह हमारे इंडो-पैसिफिक विजन का हिस्सा, सम्मेलन में चीन-अमेरिका भी शामिल

वियनतियान, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने में ईस्ट एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। यहां बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत हमेशा से ही आसियान देशों के बीच एकता को सपोर्ट करता रहा है। आसियान भारत के इंडो-पैसिफिक विजन और क्वाड को-ऑपरेशन के केंद्र में है।

पीएम मोदी ने कहा, दुनिया भर में जारी अलग-अलग जंग का सबसे बुरा असर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा है। ऐसे में दुनिया में शांति बहाल करना बेहद जरूरी है। मैं बुद्ध की धरती से आता हूं। हमने हमेशा यही कहा है कि यह जंग का युग नहीं है।

दुनिया के नेताओं को मोदी ने दिए गिफ्ट :

प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस में ईस्ट एशिया समिट के बाद दुनिया के कई नेताओं को गिफ्ट भी दिए। इनमें न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, जापान के प्रधानमंत्री इशिबा, थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनवात्रा, लाओस के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और उनकी पत्नियां शामिल हैं। लाओस के राष्ट्रपति सिसोउलिथ को तमिलनाडु की बुद्ध की मूर्ति, उनकी पत्नी को एक बॉक्स में पाटन पटोला स्कार्फ दिया। साथ ही प्रधानमंत्री सिफानडोन को कदम की लकड़ी से बनी बुद्ध की मूर्ति और उनकी पत्नी को राधाकृष्ण की तस्वीर वाला एक बॉक्स गिफ्ट किया।

लाओस के प्रधानमंत्री के साथ पीएम मोदी ने की मुलाकात
अर्थव्यवस्था और रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर बनी सहमति

21वीं सदी भारत और आसियान देशों की सदी :

ईस्ट एशिया समिट शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की। उन्होंने मिल्टन तूफान में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने में इंडिया-आसियान समिट में हिस्सा लिया। इस दौरान मोदी ने इंडिया-आसियान समिट को संबोधित भी किया था। समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा था- मेरा मानना है कि 21वीं सदी इंडिया और आसियान देशों की सदी है। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव की स्थिति है, भारत और आसियान की मित्रता, संवाद और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि, मैंने भारत की एक्ट-ईस्ट नीति की घोषणा की थी। पिछले एक दशक में इस नीति ने भारत और आसियान देशों के संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है।

साथ ही मोदी ने लाओस में भारत और ब्रुनेई के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की। पीएम मोदी लाओस में 10वीं बार इंडिया-आसियान समिट में शामिल हुए। इससे पहले लाओस पहुंचने पर बौद्ध भिक्षुओं ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने वियनतियाने में लाओस की रामायण भी देखी।

जापान और न्यूजीलैंड के साथ द्विपक्षीय बातचीत की :

पीएम मोदी ने वियनतियाने में आज शाम जापान के प्रधानमंत्री इशिबा के साथ द्विपक्षीय बातचीत की है। बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जापानी पीएम इशिबा से मिलकर उन्हें खुशी हुई। दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसके बाद पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। मोदी ने क्रिस्टोफर लक्सन को भारत आने का न्यौता भी दिया मीटिंग के दौरान दोनों के बीच व्यापार, निवेश, डिफेंस, डेयरी, स्पेस और टूरिज्म जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। बैठक के बाद न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर ने कहा कि वो भारत के फैन हैं, ये ऐसा देश है जिससे उन्हें बहुत प्यार है। इन बैठकों के बाद मोदी लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानडोन के निमंत्रण पर गाला डिनर में शामिल हुए।

नामपल्ली के दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़

देवी की मूर्ति का हाथ टूटा, पुलिस बोली- आरोपियों ने दान पेटी हटाई, जिससे प्रतिमा खंडित हुई

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नामपल्ली में कुछ लोगों ने दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़ की। आरोपियों ने दुर्गा देवी का हाथ भी तोड़ दिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह लगी, जब आयोजक पूजा करने पहुंचे।

आयोजकों ने बताया कि गुरुवार रात डांडिया कार्यक्रम होने तक पुलिस वहां मौजूद थी। घटना कितने बजे की है, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अज्ञात व्यक्तियों ने हुंडी (दान पेटी) को एक तरफ रख दिया, जिससे देवी दुर्गा की मूर्ति का हाथ गिर गया। नवरात्रि समारोह के हिस्से के रूप में एग्जीबिशन सोसाइटी के रहवासी और कर्मचारी हर साल देवी की मूर्ति बनाते हैं।

पहले बिजली काटी, फिर सीसीटीवी तोड़े

पुलिस और आयोजकों ने बताया कि आरोपियों ने पंडाल में घुसने से पहले वहां की बिजली काट दी। इसके बाद उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। इससे घटना के समय का कोई भी फुटेज अभी सामने नहीं आ सका है। आरोपियों ने बैरिकेडिंग हटाई और पूजा का सामान फेंक दिया।

2 साल पहले खैरताबाद में 2 महिलाओं ने तोड़ी थी देवी प्रतिमा

हैदराबाद के खैरताबाद में भी 2 साल पहले मां दुर्गा की प्रतिमा को तोड़ने का मामला सामने आया था। तब बुर्का पहनकर दो महिलाएं पंडाल में घुसीं और तोड़फोड़ शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने पंडाल में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने दोनों महिलाओं को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। महिलाओं ने विरोध करने वालों पर भी हमला किया था।

अगस्त में रक्षापुरम के भूलक्ष्मी मंदिर में हुई थी तोड़-फोड़

इससे पहले 26 अगस्त को भी हैदराबाद के रक्षापुरम इलाके में कुछ लोगों ने भूलक्ष्मी मंदिर की मूर्ति तोड़ दी थी। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग रात में ही मंदिर में जमा हो गए थे। मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दो और लोगों के नाम सामने आए थे।

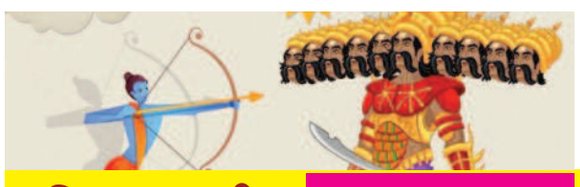

अवकाश सूचना

विजय दशमी के उपलक्ष्य में 12 अक्टूबर को स्वतंत्र वार्ता कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 14 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

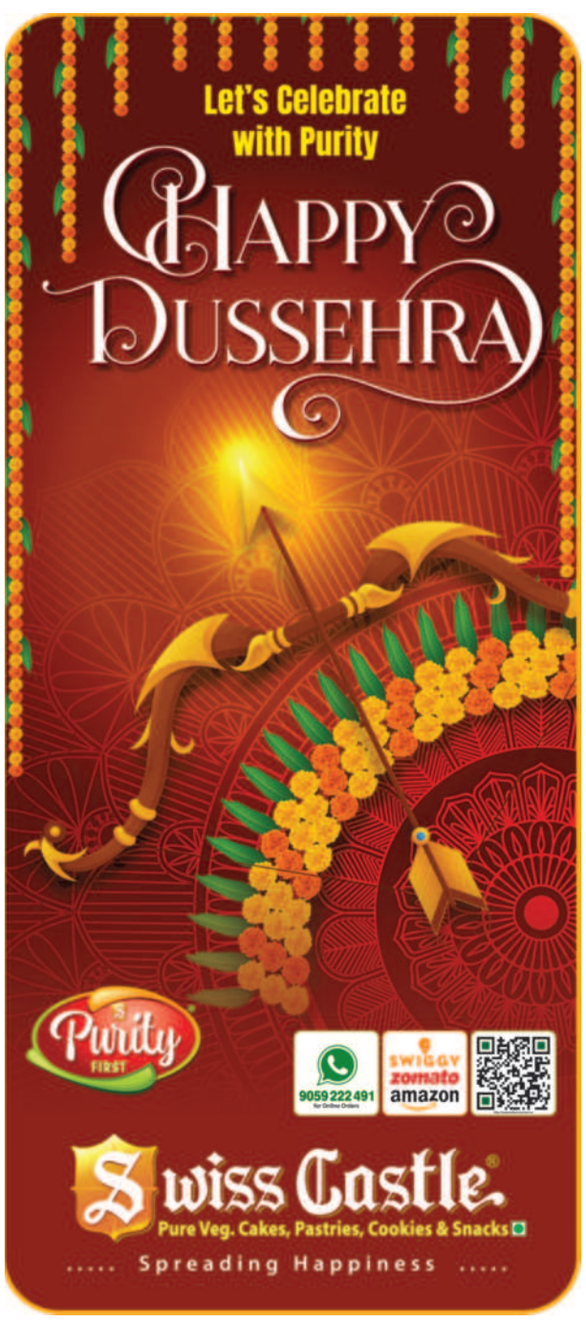

नोएल टाटा बने टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन

रतन टाटा के सौतेले भाई है

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। 66 साल के नोएल टाटा अब 'टाटा ट्रस्ट' के अध्यक्ष होंगे। वे रतन टाटा सौतेले भाई हैं। 9 अक्टूबर को रतन के निधन के बाद नोएल इकलौते दावेदार थे। हालांकि उनके भाई जिम्मी का नाम भी चर्चा में था, लेकिन वे पहले ही रिटायर हो चुके हैं। मुंबई में ट्रस्ट की मीटिंग में नोएल के नाम पर सहमति बनी। इसका आधिकारिक ऐलान बाद में किया जाएगा।

टाटा ग्रुप के साथ करीब से जुड़े पारसी समुदाय में ज्यादातर का कहना यह था कि चेयरमैन उसे बनाया जाए, जिसके नाम में टाटा जुड़ा हो। इसलिए नोएल को एकमत से चुन लिया गया। नोएल टाटा ग्रुप से 40 साल से ज्यादा समय से जुड़े हुए हैं। नोएल टाटा सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रनत टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। इन ट्रस्ट का टाटा संस में मेजॉरिटी शेयर है। टाटा ग्रुप के साथ लंबे समय से जुड़ाव और इन ट्रस्ट में अपने रोल की वजह से नोएल चेयरमैनशिप के लिए फ्रंट रनर थे। नोएल 2014 से ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन हैं। ट्रेंट जुडियो और वेस्टसाइड की ओनर है। इनकी लीडरशिप में पिछले 10 साल में कंपनी के शेयरों में 6,000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है।

बोर्ड ने रतन टाटा के अंतिम संस्कार के अगले ही दिन मीटिंग में उन्हें श्रद्धांजलि दी और ट्रस्ट के चेयरमैन पर फैसला लिया। यह फैसला रतन टाटा की फिलॉसफी पर ही लिया गया, जो कहती है कि चलते रहना है। यानी लीडरशिप में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। नोएल को इस जिम्मेदारी के लिए कई साल से तैयार किया जा रहा था।

नोएल नवल टाटा की दूसरी पत्नी सिमोन के बेटे हैं। वहीं रतन टाटा और जिम्मी टाटा नवल और उनकी पहली पत्नी सूनी की संतान हैं। नोएल ने यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स से पढ़ाई की है। उनकी पत्नी आलू मिस्त्री हैं और दोनों की 3 संतानें हैं। नोएल ने टाटा इंटरनेशनल से अपने करियर की शुरूआत की। 1999 में वे ग्रुप की रिटेल शाखा ट्रेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर बनाए गए। इसे उनकी मां सिमोन ने शुरू किया था।

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में बागमती एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर

8 कोच पटरी से उतरे

चेन्नई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक ट्रेन हादसा सामने आया है। पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी में टक्कर हुई है। जानकारी के अनुसार मैसूर दरभंगा एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकरा गई। हादसे के बाद बागमती एक्सप्रेस के आठ कोच नीचे उतर गए। इस ट्रेन को बागमती एक्सप्रेस के तौर पर जाना जाता है। ट्रेन के मालगाड़ी से टकराने के बाद घटनास्थल पर आग लग गई। हादसे में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। तिरुवल्लूर पुलिस ने एक बयान में कहा है कि मैसूर से दरभंगा होते हुए पेरम्बूर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन तिरुवल्लूर के पास कवारप्पेट्टई रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई। रेलवे अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

रेलवे ने की घटना की पुष्टि :

रेलवे पुलिस के अनुसार कथित तौर पर एक एक्सप्रेस ट्रेन तमिलनाडु के कावरपेट्टई में एक खड़ी ट्रेन से टकरा गई। जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए। इस घटना के कारण घटनास्थल पर आग भी लग गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि यह घटना ट्रेन संख्या 12578, मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी से जुड़ी है। घायलों की सीमा और दुर्घटना की परिस्थितियों के बारे में रेलवे अधिकारियों से आगे की जानकारी का इंतजार है। तिरुवल्लूर के जिला कलेक्टर टी प्रभुशंकर ने बताया कि बचाव कार्य जोरों पर है।

अजित पवार के कदमों से महाराष्ट्र में सनसनी

अटकलों के बीच डिप्टी सीएम ने क्या कहा?

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अगले हफ्ते विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष और उप-मुख्यमंत्री अजित पवार के कदमों ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। दरअसल, आज अजित पवार राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के रुख को लेकर चल रही अटकलों पर अपना रुख साफ करेंगे।

एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और राज्य अध्यक्ष सुनील तटकरे भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। एनसीपी ने शुक्रवार (11 अक्टूबर) को कहा, अजित पवार आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में एक बड़ी घोषणा करेंगे। महाराष्ट्र में ऐसी अटकलें हैं कि पवार सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन से बहुत खुश नहीं हैं।

सूत्रों ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस किसी बड़े राजनीतिक नेता के पार्टी में शामिल होने से संबंधित हो सकती है।

अजित पवार का बड़ा बयान

इससे पहले अजित पवार ने नासिक में एक कार्यक्रम में कहा, "महायुति की सरकार लानी है। जहां घड़ी निशान दिखे वहां घड़ी, जहां तीर धनुष बटन (शिवसेना चुनाव चिह्न) रहे वहां तीर धनुष और जहां कमल निशान बटन हो, वहां कमल बटन दबाकर महायुति को जिताना है।"

उन्होंने कहा, "हम जीतकर आए तो योजनाएं जारी रहेगी। मैं देखता हूं, कौन योजना का लाभ रोकता है। विरोधियों को मुझे जो गाली देनी है मुझे दीजिए, लेकिन लाड़ली बहना योजना से बहनों को लाभ मिल रहा है। कृपया करके भ्रम और अफवाह नहीं फैलाएं।"

क्या है अटकलें?

महाराष्ट्र में अटकलें हैं कि अजित पवार बीजेपी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हाथ मिलाए बिना विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र रूप से लड़ सकते हैं। दावा है कि पवार और शिंदे के बीच पिछले कुछ समय से तनाव चल रहा है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में मिली हार के बाद कई मौकों पर बीजेपी नेताओं ने स्वीकार किया कि अजित पवार की वजह से उन्हें नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि वह पार्टी के लिए वोट नहीं जोड़ सके।

सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्री अजित पवार ने राज्य सरकार से फंडिंग या लोन गारंटी मांगने वाले कई कैबिनेट प्रस्तावों पर नकारात्मक टिप्पणी की है। सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को शिंदे कैबिनेट की बैठक से अजित पवार जल्दी निकल गए। इस बैठक में 38 महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

कैफे में कई केबिन, अंदर चल रहा था डर्टी गेम, पर्दा हटते ही घबरा गए स्टूडेंट

इंदौर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक कैफे का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें दिखा कि कैसे कैफे के अंदर कई सारे केबिन बने हुए हैं। हर केबिन के अंदर कपल्स अश्लील हरकतें करते पकड़े गए। सभी कॉलेज स्टूडेंट हैं। पुलिस ने मामले में एक्शन लिया है। वीडियो और कैफे की जांच करवाई जा रही है। वायरल वीडियो मल्हारगंज थाना क्षेत्र के एक कैफे का है। यहां कुछ लोगों ने अचानक से कैफे में वीडियो बनाते हुए छापा मारना शुरू कर दिया। वहां का नजारा देख वो लोग भी दंग रह गए। 50 सेकेंड के वीडियो में दिखा कि कैफे के अंदर कई सारे केबिन बने हुए थे। हर केबिन के बाहर पर्दा लगा था। जैसे ही पर्दों को एक-एक करके हटाया गया, अंदर बैठे कपल्स घबरा गए। सभी लड़के-लड़कियां आपत्तिजनक हालत में दिखे।

नासिक के आर्टिलरी सेंटर में विस्फोट दो अग्निवीरों की मौत, एक घायल

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले के आर्टिलरी सेंटर में प्रशिक्षण सत्र के दौरान एक तोप का गोला अचानक फट जाने से दो अग्निवीरों की मौत हो गई। इस घटना में एक अग्निवीर गंभीर रूप से घायल हो गया, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले की ंच देवलाली कैंप पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार देश में अग्निपथ योजना शुरू होने के बाद से अग्निवीर इसी क्षेत्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

जवानों के एक बैच को अभ्यास के लिए शिंगवे बहुलाला फायरिंग रेंज में लाया गया था। इस स्थान पर दो अग्नि वीरों को तोप के गोले लोड करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा था लेकिन उसी समय अचानक जबरदस्त धमाका हो गया। विस्फोट की तीव्रता इतनी तेज थी कि बम का गोला दोनों जवानों के शरीर में घुस गया और एक जवान झुलस गया। इस घटना के बाद तीनों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने अग्निवीर गोहिल सिंह (उम्र 20) और सैफत शित (उम्र 21) को मृत घोषित कर दिया। इस घटना में झुलसे एक जवान का इलाज अस्पताल में जारी है। इस घटना की प्रारंभिक जांच पुलिस कर रही है, लेकिन मामले की जांच सेना की ओर से की जाएगी।

दिल्ली में खाकी पर दाग! 50 हजार रिश्वत लेने के आरोप में कांस्टेबल गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आये दिन यह सुनने को मिलता है कि पुलिस वाले बिना पैसा लिए कोई काम नहीं करते हैं, लेकिन नियमों से परे जाकर वसंत कुंज इलाके की हाउसवाइफ से 50 हजार रुपये रिश्वत मांगना एक कांस्टेबल को महंगा पड़ गया। दिल्ली पुलिस की सतर्कता शाखा (विजिलेंस ब्रांच) ने इस मामले की प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, वसंत कुंज इलाके की महिला (हाउसवाइफ) ने दिल्ली पुलिस की सतर्कता शाखा से पुलिस हेल्पलाइन पर एक शिकायत की थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि एक कांस्टेबल ने रंगपुरी पहाड़ी इलाके में निर्माण कार्य जारी रखने के लिए उससे 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की है। दिल्ली पुलिस उपायुक्त (सतर्कता) अन्येश रॉय ने बताया कि कांस्टेबल अमित को एक गृहिणी द्वारा 9 अक्टूबर को सतर्कता हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी के अनुसार महिला की शिकायत की पुष्टि करने के बाद सतर्कता शाखा की टीम ने जाल बिछाया। आरोपी कांस्टेबल ने रिश्वत की पहली किस्त के लिए जो जगह मुकर्रर की, वहां पर पहले से ही सादी वर्दी में विजिलेंस की टीम तैनात हो गई। फिर, महिला द्वारा वहां पहुंचकर रिश्वत देते वक्त घात लगाकर बैठे विजिलेंस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

2.75 लाख कर्मचारियों को तमिलनाडु सरकार की बड़ी सौगात

चेन्नई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कार्यबल को पुरस्कृत करने और प्रेरित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और वैधानिक बोर्डों के तहत काम करने वाले लगभग 2.75 लाख कर्मचारियों को बोनस और अनुग्रह राशि जारी करने की घोषणा की है। यह घोषणा कर्मचारियों के लिए एक वरदान के रूप में आई है, खासकर दिवाली के त्यौहार के मौसम के साथ, जो राज्य के आर्थिक विकास और सार्वजनिक सेवा के लिए अपने कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और उनकी सराहना करने के सरकार के प्रयास को उजागर करता है। इस वित्तीय प्रोत्साहन के लाभार्थियों में विभिन्न क्षेत्रों के कई कर्मचारी शामिल हैं। खास तौर पर, तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन (टैनजेडको), राज्य परिवहन उपक्रमों, तमिलनाडु नागरिक आपूर्ति निगम और सहकारी दुग्ध उत्पादकों के संघ से जुड़े श्रमिकों और कर्मचारियों को 20 प्रतिशत बोनस और अनुग्रह राशि मिलने वाली है। इस बीच, तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड और चेन्नई मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड में ग्रुप सी और डी के तहत काम करने वालों को 10 प्रतिशत बोनस और अनुग्रह राशि का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, तमिलनाडु वाटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत बोनस दिया जाएगा और नागरिक आपूर्ति निगम के कर्मचारियों को 3,000 रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी।

वित्तीय निहितार्थ और वितरण विवरण

बोनस और अनुग्रह राशि भुगतान के वित्तीय विवरण से पता चलता है कि समूह सी और डी के अंतर्गत वर्गीकृत लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रमों के सभी पात्र कर्मचारियों को न्यूनतम 8,400 रुपये और अधिकतम 16,800 रुपये का बोनस मिलेगा। इस भुगतान संरचना में 8.33 प्रतिशत बोनस और 11.67 प्रतिशत अनुग्रह राशि शामिल है। दूसरी ओर, सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारी जिनके पास स्वीकार्य अधिशेष नहीं है, उन्हें 8.33 प्रतिशत का बोनस और 1.67 प्रतिशत की अनुग्रह राशि दी जाएगी। तमिलनाडु सरकार द्वारा उठाए गए इस वित्तीय कदम से लगभग 369.65 करोड़ रुपये का व्यय होने वाला है। 10 अक्टूबर को घोषित मुख्यमंत्री के इस निर्णय का उद्देश्य दिवाली से पहले राज्य के कुल 2,75,670 पीएसयू कर्मचारियों को बोनस और अनुग्रह राशि वितरित करना है, जो कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले कर्मचारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए यह कदम उठाया है, ताकि देश के उत्थान और आर्थिक विकास में उनकी भूमिका को मान्यता दी जा सके। यह कदम न केवल कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण को पुरस्कृत करता है, बल्कि त्यौहारी सीजन के दौरान उनके मनोबल और वित्तीय कल्याण को बढ़ावा देने का भी लक्ष्य रखता है।

मंत्री विजयवर्गीय बोले

योगी ने कहा है बंटोगे तो कटोगे, हरियाणा की जनता ने बता दिया नहीं बंटेंगे

इंदौर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक गरबा आयोजन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने सही कहा है कि बंटोगे तो कटोगे, लेकिन हरियाणा की जनता ने बता दिया कि वे नहीं बंटेंगे। विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि आने वाले 25 साल हमारे बच्चों के लिए बहुत खतरे वाले है। इस बात पर गंभीरता से विचार करे,क्योकि जिस तरह देश की डेमोग्राफी बदल रही है।जिस प्रकार कुछ राजनीतिक दल तुष्टीकरण की राजनीति के कारण देश में अंशाति फैलाने वाले लोगों को सरंक्षण दे रहे है, इसलिए बहुत जरुरी है कि हम सनातन धर्म के साथ चले। नागपुर से लौटने के बाद गुरुवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कई गरबा आयोजनों में शिरक्त की। उन्होंने यहां भजन गाए। उनके भजन पर युवक-युवतियों ने गरबा भी किया। भजन गाने के दौरान ही विजयवर्गीय ने यह बयान दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा धर्म विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। हमारी पंरपरा, संस्कृति सदियों पुरानी है। उसे कोई मिटा नहीं सकता, लेकिन उसे कमजोर करने की कोशिश होती है। भारत ही विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है। कट्टरवाद कई देशों में युद्ध के जरिए अशांति और अराजकता फैला रहा है। विजयवर्गीय ने पांडाल में देवी दुर्गा की आरती भी की।

बंगला-बंगला खेलने से लाभ नहीं

दिल्ली वालों की समस्याओं पर ध्यान लगाना चाहिए: पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में तकरार जारी है। कांग्रेस इस बारे में क्या सोचती है? इस सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सभी को नसीहत दी। इसके साथ ही हरियाणा चुनाव, जम्मू कश्मीर की सियासत पर भी अपनी राय रखी। पवन खेड़ा ने आईएएनएस से कहा, दिल्ली की लोगों की प्राथमिकताएं और उनकी समस्याएं, इन सब विवादों से कहीं हटकर, विकराल और बड़ी है। सभी को वहां अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आपस में बंगला-बंगला खेलने से कोई लाभ नहीं होगा। वहीं, हरियाणा चुनाव के बाद हुई मीटिंग में राहुल गांधी नाराज बताए जा रहे हैं, राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी हित में नहीं बल्कि व्यक्तिगत हित का ध्यान रखा। इस पर पवन खेड़ा ने कहा, पार्टी के भीतर की मीटिंग की बात, मुझे नहीं लगता किसी को चर्चा करनी चाहिए। कम से कम मैं तो चर्चा नहीं करूंगा। केरल विधानसभा में वन नेशन वन इलेक्शन के विरोध में प्रस्ताव पास हुआ है। इस पर पवन खेड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए नए नारों से देश का ध्यान भटकाने का प्रयास करते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का कोई औचित्य नहीं है। इस तरह की बाते करना संवैधानिक व्यवस्थाओं के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश में जयप्रकाश नारायण की जयंती पर विवाद हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें योगी सरकार जाने नहीं दे रही है। इस पर जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र की यह स्थिति है कि कोई अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करने जाए तो उसे रोक दिया जाए। पुलिस द्वारा उनके घर के बाहर घेराबंदी कर दी जाती है। ऐसे प्रतीत हो रहा है कि जैसे उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया है। उमर अब्दुल्ला को चार निर्दलीय विधायकों ने अपना समर्थन दिया है। क्या कांग्रेस सरकार में शामिल होगी। इस पर पवन खेड़ा ने कहा, यह फैसले मीडिया बाइट के दौरान नहीं लिए जाते हैं। निर्णय के लिए प्रक्रिया होती है।

जीएसटी घोटाले के 2 मास्टरमाइंड, 700 करोड़ की फर्जी बिल बरामद!

लुधियाना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के फर्जी जीएसटी बिलिंग घोटाले में शामिल दो मास्टरमाइंड को अरेस्ट किया है। आरोपियों की पहचान मनीष और उसके भाई अमित निवासी गुरमुख सिंह कॉलोनी, मंडी गोबिंदगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी कथित तौर पर धोखाधड़ी से फर्जी फर्म बनाते थे। इस विस्तृत घोटाले में फर्जी चालान और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाए गए। जिससे सरकार को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का टैक्स नुकसान हुआ है। अफसरों के मुताबिक, दोनों आरोपी फर्जी फर्मों का एक मजबूत नेटवर्क चलाते थे, जो फर्जी तरीके से आईटीसी को मध्यस्थ कंपनियों तक पहुंचाते थे।

धोखाधड़ी वाली धनराशि सात एपीएमसी खातों में स्थानांतरित की गई, जहां से दोनों भाइयों ने एक ही बैंक शाखा से 717 करोड़ रुपये से अधिक निकाल लिए। उनके आवासों और आधिकारिक स्थानों पर छापे के दौरान, डीजीजीआई ने 11 मोबाइल फोन, 7 पेन ड्राइव, 2 लैपटॉप, विभिन्न बैंक खातों से जुड़ी 56 चेक बुक, 27 पहचान दस्तावेज, 7 टिकट और विभिन्न व्यक्तियों के 46 एटीएम कार्ड सहित महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए। बरामद किये गये। दोनों भाइयों ने कथित तौर पर धोखाधड़ी में शामिल होने की बात कबूल कर ली है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच जारी रहने के कारण उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीजीजीआई लुधियाना अब फर्जी बिलिंग और कर चोरी से संबंधित ऐसी धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल अधिक डमी संस्थाओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अधिकारियों ने क्षेत्र में फर्जी बिलिंग के बढ़ते खतरे से निपटने के प्रयास तेज कर दिए हैं और निकट भविष्य में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

दूसरे ब्रांड का आटा देखते ही भड़क उठा पति का गुस्सा, पत्नी पर चाकू से हमला, उससे पहले पीटा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दूसरे ब्रांड का आटा मंगवाने पर दंपत्ती में विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। घटना यमुनापार के वेलकम इलाके की है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने 62 वर्षीय पति हाशिम अली के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। 60 वर्षीय चमन आरा परिवार के साथ बाबरपुर में रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति ने विवाद करके उनके तीनों बेटों को घर से निकाल दिया था। दंपती कई माह से अकेले ही रहे हैं। आरोप लगाया कि वह अपने मोबाइल से अपने बच्चों व रिश्तेदारों से बात करती थी, नाराज होकर एक सप्ताह पहले उनके पति ने उनसे मोबाइल छीन लिया। पीड़िता ने अपनी एक घरेलू सहायिका से आटा मंगवाया था। आरोप है कि जब महिला के पति की नजर आटे पर पड़ी तो वह भड़क गया और कहने लगा कि वह जिस ब्रांड का आटा खाता है यह उसका नहीं है।

नाइजीरिया से लाकर दिल्ली-एनसीआर में बेचते थे करोड़ों की 'कोकीन' के साथ 2 अफ्रीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स को लेकर एक ऑपरेशन में अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाइजीरियन नागरिकों और उनके ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से 563 ग्राम कोकीन बरामद की है जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 3.3 करोड़ रुपये है। दरअसल, 27 सितंबर को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि एक नाइजीरियाई नागरिक दिल्ली-एनसीआर में ड्रग्स की सप्लाई करता है। इसी सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाकर एक नाइजीरियाई नागरिक जोशुआ अमरचुक्वा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने टैक्सी ड्राइवर को भी पकड़ा। जोशुआ अमरचुक्वा की तलाशी के दौरान उसके पास से 257 ग्राम कोकीन बरामद की गई। क्राइम ब्रांच की पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि माइक नाम के एक नाइजीरियाई नागरिक ने उसे भारी मात्रा में कोकीन दी थी और वो इस ड्रग्स को दिल्ली-एनसीआर में बेचता था। जांच में ये भी खुलासा हुआ कि आरोपी विनीत उसका ड्राइवर है जो हर डील में उसके साथ रहता था। आरोपी जोशुआ अमरचुक्वा की निशानदेही पर क्राइम ब्रांच ने एक और नाइजीरियाई नागरिक कोने एन गोलो सेयडू उर्फ माइक को गिरफ्तार किया और उसके पास से 306 ग्राम कोकीन बरामद की गई। क्राइम ब्रांच के एडिश्नल सीपी संजय भाटिया ने बताया कि आरोपी जोशुआ अमरचुक्वा 2021 में मेडिकल वीजा पर भारत आया था और तब से दिल्ली के आश्रम इलाके के सन लाइट कॉलोनी में रह रहा था। जल्द पैसा कमाने के लालच में वो माइक के संपर्क में आया। आरोपी माइक ने पूछताछ में बताया कि वो दो महीने पहले नाइजीरिया से बिजनेस वीजा पर भारत आया था और वो अपने साथ 2 किलो कोकीन लाया था।

'अमेरिका में भी फ्री रेवड़ी'

डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान पर अरविंद केजरीवाल हुए खुश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मी चरम पर है, लेकिन उसकी गूंज अब दिल्ली में भी सुनाई देने लगी है। दरअसल, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के मदाताओं से वादा किया है कि अगर वो इस बार राष्ट्रपति का चुनाव जीते तो बिजली की दरें आधी कर देंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान के बाद दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने लपक लिया। उन्होंने एक्स पोस्ट पर ट्रंप के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अब अमेरिका में भी 'फ्री की रेवड़ी'।

ये है डोनाल्ड ट्रंप का बयान

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी कैंपेन के दौरान कहा था, मैं चुनाव जीतने के 12 महीनों के अंदर ऊर्जा और बिजली की कीमत आधी कर दूंगा। अपने पर्यावरण संबंधी वादों को गंभीरता से लेंगे और उससे संबंधित परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। अमेरिका में पावर जनरेशन क्षमता को जल्दी से दोगुना कर देंगे। इससे मुद्रास्फीति कम होगी। अमेरिका और मिशिगन फैक्ट्री बनाने के लिहाज दुनिया में सबसे अच्छी जगह बनेंगे।

'दुनिया देती है फ्री रेवड़ी पर ध्यान'

अमेरिकी चुनाव में बिजली बिल हाफ करने को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के बयान का जिक्र आप सांसद राघव चड्ढा ने भी शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट में किया है। उन्होंने लिखा है, ट्रंप द्वारा बिजली बिलों पर 50 प्रतिशत छूट देने से पता चलता है कि कैसे अरविंद केजरीवाल ने विश्व स्तर पर शासन के लिए मानक स्थापित किए हैं! उनका शासन मॉडल सस्ती बिजली, मुफ्त पानी, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और निशुल्क विश्व स्तरीय शिक्षा सही मायने में लोक कल्याण का एक शानदार उदाहरण है। दुनिया इस पर ध्यान देती है।

'लड़कियों को नेतृत्व के मिले समान अवसर' अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बोले खड़गे

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज पूरे दुनिया भर में बालिका दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि लड़कियों को नेतृत्व करने के समान अवसर मिलें और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। केवल नारे लगाने से वास्तविकता में बदलाव नहीं आ सकता है। खड़गे ने कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रगति हासिल करने के लिए लैंगिक समानता और न्याय आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुव खगड़े ने कहा कि इस साल

#डेऑफदगर्ल का थीम भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण है, जो लड़कियों की आवाज़ और भविष्य के लिए दृष्टिकोण की शक्ति से प्रेरित तत्काल कार्रवाई और निरंतर आशा दोनों की आवश्यकता को दर्शाता है।

केवल नारे लगाने से नहीं होगा बदलाव- खड़गे

मल्लकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लड़कियों को बदलाव की अग्रिम पंक्ति में रखकर, उनकी आवाज़ को बुलंद करके, उनकी ज़रूरतों पर प्रतिक्रिया देकर और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करके नेतृत्व करने का समान अवसर मिलें।

उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाने से वास्तविकता में बदलाव नहीं आ सकता है। लड़कियों की बात सुनना, सिद्ध समाधानों में निवेश करना महत्वपूर्ण है, जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देगा, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता को पूरा कर सके।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस क्यों है खास?

चलिए आपको बताते है कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस क्यों खास है और इसकी शुरूआत कैसे हुई। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस हर साल 11 अक्टूबर को मनाया जाता है। बालिका दिवस मनाने का लक्ष्य लड़कियों के अधिकारों और उनकी स्थिति में सुधार लाने के लिए समर्पित है। इसके साथ ही लड़कियों के मुद्दों पर जागरूकता के साथ-साथ इस दिवस का उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के अधिकारों पर प्रकाश डालना है। बता दें कि इसकी शुरुआत 2012 में की गई थी।

बीजेपी विधायक के कहने पर एसएचओ ने दर्ज नहीं की एफआईआर तो दे दिया इस्तीफा, बोले- 'ऐसी विधायकी मुझे नहीं करनी', बाद में पलटे

सागर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के देवरी से भाजपा विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने अपनी विधानसभा के एक थाने से नाराज होकर पार्टी अध्यक्ष को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने इस्तीफा देने की बात कही है। यही नहीं बीजेपी विधायक ने पुलिस थाने में धरना दिया। इस दौरान थाने में उनके समर्थकों की भीड़ भी जुट गई। बीजेपी विधायक घटनाक्रम के कुछ घंटे के अंदर ही इपने बयान से पटल गए और कहा कि आक्रोश में आकर उन्होंने यह कदम उठाया। अब इस्तीफा जैसी कोई बात नहीं है। जानकारी के अनुसार, देवरी विधानसभा से भाजपा विधायक बृज बिहारी पटेरिया गुरुवार शाम एक पीड़ित पक्ष की शिकायत पर केसली थाने पहुंचे और एक डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करने लगे। विधायक के कहने पर जब थाना प्रभारी ने एफआईआर दर्ज नहीं की तो वह नाराज होकर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। इसके साथ ही उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। इस संबंध में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा भेज दिया है। विधायक का इस्तीफा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कांग्रेस का दावा, 'ड्रग्स तस्कर से नजदीकियां उजागर होने पर बीजेपी ने सदस्यता के लिए बदला नियम'

भोपाल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने सदस्यता अभियान में नियम बदले हैं. अब मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा के बाद ही सक्रिय सदस्यता दी जाएगी. इस निर्णय के बाद कांग्रेस ने बीजेपी की सदस्यता अभियान पर तंज कसा है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केके मिश्रा ने एक्स पर लिखा कि ड्रग्स तस्करी में बीजेपी नेता हरीश आंजना और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा की पाई गई स्पष्ट संलिप्तता के बाद मध्य प्रदेश बीजेपी, अब मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा पर ही सक्रिय सदस्यता देगी.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 3

युविचार

थोड़ी फिकर थोड़ी कदर
कभी-कभी खैर खबर
इन छोटी-छोटी बातों का
होता है बड़ा असर!

राज्यपाल ने दशहरा की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 12 अक्टूबर को विजय दशमी उत्सव के अवसर पर एक संदेश में कहा, विजया दशमी के खुशी के अवसर पर, मैं तेलंगाना के लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। नवरात्रि का त्योहार हमें खुशी और उल्लास की भावना से भर देता है। त्योहार का मुख्य विषय बुराई पर अच्छाई की जीत है, जिसकी हमेशा प्रासंगिकता है।

सत्य की ही जीत होती है हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है और इसलिए त्योहार मनाते समय, हमें सामूहिक रूप से बीमारियों, पर्यावरणीय खतरों सहित सभी बुराइयों से लड़ने का प्रयास करना चाहिए और साथ ही एक हरियाली और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना चाहिए। मैं प्रार्थना करता हूं कि देवी मां दशहरा के सुखद और उत्सवी उत्सव के अवसर पर अपना आशीर्वाद बरसाएं।

मुख्यमंत्री रेवंत ने दशहरा की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दशहरा उत्सव के अवसर पर तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरा ने तेलंगाना की सांस्कृतिक जीवनशैली में एक विशेष स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव पूरे देश में जीत के प्रतीक 'विजयादशमी' के रूप में मनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव मनाने के लिए सभी परिवार के सदस्यों का एकत्र होना सभी तेलंगाना समुदायों की एकता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि तेलंगाना क्षेत्र में दशहरा उत्सव पर शमी पूजा करना और अलई बलाई में सोने के रूप में जम्मी के पत्तों का आदान-प्रदान करना विशेष है। रेवंत रेड्डी ने देवी दुर्गा से तेलंगाना में हर सफलता और लोगों के खुशहाल जीवन के लिए प्रार्थना की।

एकीकृत आवासीय विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे : भट्टी

खम्मम, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि एकीकृत आवासीय विद्यालय आने वाले दिनों में तेलंगाना शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को खम्मम जिले के मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के बोनाकाल्लु मंडल के गोविंदपुरम में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल कॉम्प्लेक्स निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इन एकीकृत विद्यालयों की संकल्पना कांग्रेस की मूल विचारधारा के साथ की गई थी, ताकि जाति, धर्म के आधार पर विभाजन और असमानताओं के बिना समाज को आगे बढ़ाया जा सके और समाज को एक बड़े संयुक्त परिवार के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा, भविष्य की पीढ़ियों को गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम और सुविधाओं पर विचार-विमर्श के साथ एकीकृत आवासीय विद्यालयों पर काम शुरू किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि एकीकृत आवासीय विद्यालयों के निर्माण से मौजूदा एससी, एसटी, अल्पसंख्यक, सामान्य आवासीय विद्यालय बंद नहीं होंगे जैसा कि कुछ लोग सोच रहे थे और विभिन्न समुदायों के लिए मौजूदा आवासीय विद्यालय जारी रहेंगे और उनके लिए स्थायी भवन बनाए जाएंगे। यह स्पष्ट करते हुए कि विपक्ष की नकारात्मक टिप्पणियों से विकास कार्यक्रमों पर असर नहीं पड़ेगा, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक तेलंगाना में समतावादी समाज प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए काम करेगी।

क्रिकेट मोहम्मद सिराज ने कैंसर पीडित बच्चों से की बातचीत

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने शुक्रवार को सद्भावना के तौर पर बाल कैंसर पीडित बच्चों को प्रेरित करने के लिए रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का दौरा किया और बच्चों से बातचीत की, उन्हें प्रोत्साहित किया तथा बाद में उपहार वितरित किए। सिराज ने जानलेवा बीमारी से लड़ने में बच्चों के साहस की सराहना की। उन्होंने आग्रह किया कि क्रिकेट मैच में, कैच छोड़ने से कभी-कभी हमें खेल से हाथ धोना पड़ सकता है। इसी तरह, जीवन में, आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन खोने से कैंसर जैसी चुनौतियों के खिलाफ आपकी लड़ाई प्रभावित हो सकती है, लेकिन जिस तरह हम क्रिकेट में लड़ते हैं, मैं सभी को मजबूत बने रहने और उम्मीद न खोने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

बैंक अधिकारियों और पुलिस के समय पर हस्तक्षेप से दो धोखाधड़ी रोकी गईं

19.5 लाख रुपये बचाए गए

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (एनएसएस)। नौ अक्टूबर, 2024 को, साइबर क्राइम यूनिट, हैदराबाद सिटी के एचसी फिरोज ने आईसीआईसीआई बैंक, नल्लाकुंटा शाखा, हैदराबाद की उप प्रबंधक सलेहा बेगम की सहायता से कुल 19,50,000 की राशि वाले दो अलग-अलग धोखाधड़ी वाले लेनदेन को सफलतापूर्वक रोका। वारिसगुडा के एक सादुला श्रीनिवास, 9 अक्टूबर, 2024 को स्टॉक ट्रेडिंग धोखाधड़ी में भुगतान के लिए आरोपी/लाभार्थी के खाते में नौ लाख रुपये की राशि स्थानांतरित करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक गए थे। उप प्रबंधक को संदेह हुआ और उन्होंने एचसी फिरोज को सतर्क किया, जिन्होंने फिर पीड़ित को परामर्श दिया और उसे घोटालेबाज के खाते में भुगतान करने से रोक दिया। पीड़ित ने पहले ही धोखेबाजों को 3,00,000 का भुगतान कर दिया था। एचसी फिरोज ने उन्हें साइबर क्राइम यूनिट को घटना की सूचना देने की सलाह दी। एक अन्य घटना में, हैदराबाद के आदिकमेट के नवीन कुमार संध्याला 9 अक्टूबर को एक डिजिटल गिरफ्तारी/मनी लॉन्ड्रिंग धोखाधड़ी के तहत आरोपी/धोखेबाज के खाते में 11,50,000 की राशि ट्रांसफर करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक गए थे। एक बार फिर, उप प्रबंधक को संदेह हुआ और उन्होंने तुरंत एचसी फिरोज से संपर्क किया। उन्होंने पीड़ित को सलाह दी और उसे घोटालेबाज के खाते में भुगतान करने से रोका। एचसी फिरोज ने उन्हें साइबर क्राइम यूनिट को घटना की सूचना देने की भी सलाह दी। दोनों घटनाएं बैंक कर्मचारियों और साइबर क्राइम यूनिट द्वारा की गई सतर्कता और त्वरित कार्रवाई को दर्शाती हैं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि पीड़ितों को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान से बचाया जा सके। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर ने धोखाधड़ी को रोकने और पीड़ितों को बचाने में बैंक अधिकारियों और साइबर क्राइम कर्मचारियों के प्रयासों और सक्रिय प्रतिक्रिया की सराहना की। उन्हें सीपी, हैदराबाद द्वारा अच्छे नागरिक प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त ने बैंक अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे संदिग्ध लेनदेन और धोखाधड़ी करने वाले जमाकर्ताओं, चालू खाताधारकों पर नज़र रखें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नज़र आती है, तो इसकी सूचना साइबर अपराध इकाई, हैदराबाद को दी जा सकती है या 1930 पर कॉल किया जा सकता है।

तेलंगाना सरकार पर छह गारंटी देने का दबाव

हरियाणा चुनाव के नतीजों के बाद बढ़ने लगा दबाव

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा में चुनावी हार और कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के एमयूडीए घोटाले को लेकर मचे घमासान के कारण तेलंगाना में कांग्रेस सरकार मुश्किल में फंसती नजर आ रही है, क्योंकि मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इसकी आलोचना तेज कर दी है। कांग्रेस के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने लोगों को छह गारंटियों का वादा करके चुनावी वादों को खूब भुनाया, जबकि कर्नाटक में उनके समकक्ष ने 5 गारंटियों का वादा करके चुनावी जंग जीत ली। हरियाणा में कांग्रेस ने सात गारंटियों का वादा किया था, लेकिन चुनावी मैदान में उसे मुंह की खानी पड़ी। हरियाणा के लोगों द्वारा 7 गारंटियों पर विश्वास न करने के बाद अब ध्यान तेलंगाना की ओर जा रहा है, जहां कांग्रेस ने अपने चुनावी वादों का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही पूरा किया है।

कर्नाटक और तेलंगाना में चुनावी वादों के क्रियान्वयन में देरी ने हरियाणा में भी भूमिका निभाई, जहां मतदाताओं ने वादों पर विश्वास करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही कर्नाटक में कांग्रेस के लिए हालात प्रतिकूल होते जा रहे हैं।

क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने डीएसपी की भूमिका संभाली

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने शुक्रवार को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को रिपोर्ट करने के बाद आधिकारिक तौर पर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) की भूमिका संभाल ली है। मोहम्मद सिराज के साथ एम. अनिल कुमार यादव, सांसद और मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी, उपाध्यक्ष और टीजीएमआरईआईएस के अध्यक्ष भी थे। मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने पहले घोषणा की थी कि सिराज को एक प्रतिष्ठित ग्रुप-I सरकारी पद मिलेगा। यह वादा तब पूरा हुआ जब मोहम्मद सिराज ने आज सेवाओं को ज्वाइन किया। मुख्यमंत्री ने भविष्य के सितारों को पोषित करने की योजनाओं के साथ राज्य में खेल और एथलीटों का समर्थन करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मोहम्मद सिराज ने इस सम्मान के लिए सीएम के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा और आभार व्यक्त किया। एम. अनिल कुमार यादव और मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी ने इस भाव के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री के समर्पण को उजागर किया, तेलंगाना में एथलीटों को विकसित करने के लिए एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने के दृष्टिकोण का उल्लेख किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य भर में खेल सुविधाओं को एकीकृत करने के लिए चल रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया और कहा कि यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना का काम भी तेज गति से चल रहा है।

कोर्ट से अब ऑनलाइन मोबाइल पर जारी होगा वारंट

45 कुल कोर्ट की संख्या,नगर में 2.5 से 3.0 लाख केस,इनमें पेंडिंग 1284 वारंट,समन ऑनलाइन भेजे 02 अक्टूबर से शुरु हुई थी व्यवस्था

कानपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब कोर्ट से जारी वारंट और समन नहीं मिलने या समय से न मिलने के कारण जेल नहीं जाना पड़ेगा। क्योंकि वारंट और समन पुलिस के हाथ या डाक से आने के बजाए ऑनलाइन सीधा आपके मोबाइल पर मिलेगा। ये बीच में गायब नहीं होंगे। जिससे व्यक्ति समय पर कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराएगा। इसके लिए कमिश्नरेट पुलिस ने एक एप तैयार किया है। यूपी में इस एप का यूज पहली बार कानपुर में हो रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत पैरोकारों और कोर्ट मुहर्रिरों को एप पर काम करने की ट्रेनिंग दी गई है।

जाना पड़ता था जेल

दरअसल अभी तक कोर्ट से सम्मन और बेलेबल व नॉन बेलेबल वारंट जारी होने के बाद पुलिस की लापरवाही से वारंट कानपुराइट्स को नहीं मिल पाते थे। धीरे धीरे प्रक्रिया होते होते नॉन बेलेबल वारंट जारी हो जाता था। जिसका तामीला कराने पर पुलिस को संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लेकर जेल भेजना पड़ता था। इस तरह से छोटे छोटे मामलों में वारंट जारी होने पर लोगों को बेवजह जेल जाना पड़ता था। कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद इनकी मॉनीटरिंग भी नहीं होती थी। वहीं सीएम डैशबोर्ड पर भी पुलिस की रैंकिंग खराब हो रही थी।

15 बिंदुओं पर हो रही फीडिंग

कमिश्नरेट पुलिस ने ऑनलाइन वारंट और समन के लिए जो एप तैयार किया है उसमें जिले की सभी कोर्ट का डेटा फीड कराया जा रहा है। इस डेटा में कोर्ट संख्या और नाम, कोर्ट मुहर्रिर और पैरोकार का नाम, कितने केस चल रहे हैं? किसके नाम चल रहे है? किस धारा में चल रहे हैं? नामजद की जमानत लेने वाले का नाम क्या है? कौन सी तारीख है? कौन व्यक्ति कितनी तारीखों में कोर्ट में नहीं आया है? किस व्यक्ति का कौन सा वारंट जारी हुआ है? समेत 15 बिंदुओं की फीडिंग करनी है।

ट्रायल में नहीं होगा देरी

एप के माध्यम से ऑनलाइन जानकारी होगी कि किस कोर्ट से कितने वारंट जारी हुए हैं। ये सारे वारंट ऑनलाइन संबंधित व्यक्ति के मोबाइल पर पहुंच जाएंगे। जिस व्यक्ति के पास मोबाइल नहीं होगा उसके पास थाने का पुलिसकर्मी या बीट पुलिसकर्मी जानकारी देकर वारंट का तामीला कराएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसका फॉलोअप एसीपी स्तर के अधिकारी से कराया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि जानकारी न होने की वजह से संबंधित व्यक्ति गवाही या बयान में कोर्ट नहीं पहुंच पाता था, जिसकी वजह से केसेस की पेंडेंसी बढ़ रही थी। व्यवस्था लागू होने के बाद से सीएम डैशबोर्ड पर जिले की रैंकिंग भी सुधर जाएगी।

पति को मारकर रातभर बगल में सोती रही पत्नी

मुरादाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में एक महिला अपने पति की हत्या करने के बाद रातभर उसकी लाश के बगल में सोती रही। सुबह उठकर पति की मौत पर खूब रोना चिल्लाना भी किया। लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे उसकी सारी नौटंकी धरी रह गई। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो महिला ने बताया कि पति शराब पीकर रात में मारपीट कर रहा था। वो आए दिन ऐसा ही करता था। बर्दाश्त नहीं हुआ तो उसी के गमछे से उसका गला घोंट दिया। हालांकि महिला ने कहा कि उसका इरादा पति को जान से मारने का नहीं था। वो सिर्फ अपना बचाव करना चाहती थी। लेकिन गमछा जोर से कस गया और पति की मौत हो गई। पुलिस महिला को पति की गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक्सीडेंट में दिव्यांग हुई लड़की को 19 साल बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिलाया मुआवजा

प्रयागराज, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोटर वाहन दुर्घटना दावे का निपटान करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 17 साल बाद एक लड़की को देय मुआवजा 22 लाख रुपये तक बढ़ा दिया है। कोर्ट ने कहा कि दुर्घटना के बाद 100 प्रतिशत दिव्यांग होने से लड़की के विवाह की संभावना को नुकसान पहुंचा है। जस्टिस विपिन चंद्रा ने 19 साल पुराने एक मामले की सुनवाई करते हुए मुआवजे की राशि 1,08,875 रुपये से बढ़ाकर 23,69,971 रुपये करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दुर्घटना के समय नाबालिग रही कुमारी चीनू के विवाह की संभावना को बेहद नुकसान पहुंचा और वह निराश तथा हताश हो गई। विवाह की संभावना के नुकसान के लिए अदालत ने तीन लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया। अदालत ने कहा, ''दावा अधिकरण यह विचार करने में विफल रहा कि 100 प्रतिशत दिव्यांग होने के कारण दावाकर्ता के विवाह की संभावना को काफी नुकसान पहुंचा और मामले में उसे मुआवजा देने के लिए कुछ नहीं किया गया।'' इसने कहा कि दावा अधिकरण ने कमाने की क्षमता 75 प्रतिशत घटने के बारे में विचार करने में भी गलती की क्योंकि दावाकर्ता द्वारा अधिकरण के समक्ष पेश साक्ष्य के मुताबिक, वह 100 प्रतिशत दिव्यांग हो गई है। बता दें कि यह दुर्घटना 2005 में हुई थी जब चीनू दो साल की थी। वह अपने परिवार के साथ एक वैन में यात्रा कर रही थी, जिसे एक तेज़ रफ़्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में वह 75 प्रतिशत तक स्थायी रूप से दिव्यांग हो गई। उसकी मां ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में 36,05,000 रुपये के मुआवजे का दावा किया था। अधिकरण ने अपने आठ अगस्त 2007 के आदेश में उस दुर्घटना के लिए दोनों वाहनों के चालकों को जिम्मेदार ठहराया था क्योंकि वैन के चालक के पास वैध लाइसेंस नहीं था। कुल मुआवजे की राशि का आकलन 2,17,715 रुपये किया गया। हालांकि, 50 प्रतिशत कटौती के बाद ट्रक के बीमाकर्ता को 1,08,875 रुपये मुआजवा के भुगतान का आदेश दिया गया।

डुमरियागंज विधायक सैयदा खातून के फलहार बांटने पर विवाद

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

डुमरियागंज, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। वटवासनी मंदिर गालापुर में सुबह 10 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने फलाहार कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून ने उपस्थित भक्तों में फलाहार वितरित किया। कार्यक्रम के बाद जब वह वापस जाने लगी तो भाजपा नेता लवकुश ओझा अपने समर्थकों के साथ आकर विधायक सैय्यदा खातून के फलाहार कार्यक्रम का विरोध करने लगे। ओझा ने कहा की महाकाली मां वटवासिनी के पवित्र मंदिर में विधायिका सैय्यदा खातून और उनके मुस्लिम समर्थकों ने सुनियोजित ढंग से बिना किसी अनुमति के फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया। सनातनी बंधुओ ने मुझे सूचना दी। तत्काल भाजपा व हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर इसका विरोध किया गया।

इसके संबंध में इटवा पुलिस को शिकायती पत्र भी दिया गया है। इस संबंध में विधायक ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुवार को फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें श्रद्धालुओं में सेब व केले का वितरण किया गया। भाईचारा बिगाड़ने के लिए कुछ आसामाजिक तत्वों ने वितरण बाद विरोध किया। वितरण कार्यक्रम में हमारे साथ सुरेंद्र शुक्ला, बीके ओझा, सूर्य प्रकाश उपाध्याय सहित तमाम हिंदू भाई शामिल थे। फलाहार कार्यक्रम का आयोजन हमारे साथी बहरैची प्रेमी ने किया था। इसमें मैं भी शामिल हुई। इंस्पेक्टर श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है।

जांच की जा रही है। फालाहार जैसे कार्यक्रम सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। धर्म कोई भी हो सभी धर्मों का सार यही है कि उपवास रखने वालों की सेवा की जाए उनको फल और जल अर्पित किया जाय। ऐसा करके मनुष्य अनंत पुण्य का भागीदार बनता है। उक्त बातें डुमरियागंज विधायक सैय्यदा खातून गुरुवार को शारदीय नवरात्र के अष्टमी तिथि पर वटवासिनी मंदिर गालापुर धाम परिसर में आयोजित फलाहार कार्यक्रम में कही। कहा कि इस वर्ष भी अपने सहयोगियों के साथ श्रद्धालुओं को फलाहार वितरित किया जा रहा है।

डायल 112 के पुलिसकर्मियों ने युवक को बेरहमी से पीटा फिर गाड़ी में जबरदस्ती ठूंसा

औरैया, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के औरैया जिले में खाकी की दबंगई एक बार फिर सामने आई है। यहां डायल 112 के पुलिसकर्मियों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। वहां मौजूद किसी शख्स ने पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद पुलिस के इस कार्य से लोगों में आक्रोश भड़क उठा है। वहीं, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने तीनों पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है और सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। वीडियो औरैया सदर कोतवाली क्षेत्र के फफूंद रोड स्थित जगदीश वाटिका गेस्ट हाउस के पास का बताया जा रहा है। डायल 112 पुलिसकर्मियों ने युवक के साथ मारपीट कर जबरन डायल 112 की गाड़ी में डालने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में पकड़े गए युवक का पुलिस कर्मियों का विरोध करता हुआ दिखाई पड़ रहा है। किसी ने डायल 112 के पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वहीं वीडियो को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने डायल 112 पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। औरैया सीओ सिटी महेंद्र प्रताप सिंह को जांच सौंपी है। सीओ सिटी महेंद्र प्रताप सिंह ने मीडिया को बताया कि पीआरवी 5362 के पुलिस कर्मियों फरीदपुर गांव से वापस आते समय 3 युवक नशे की हालत में आपस में झगड़ा करते नजर आ रहे थे।

सीएम नीतीश ने बाढ़ पीड़ितों के बैंक खातों में 225.25 करोड़ रुपये किए ट्रांसफर

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के 18 जिलों के बाढ़ प्रभावित 3.21 लाख परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए उनके खाता में कुल 225.25 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि ट्रांसफर की। पटना के एक अणे मार्ग स्थित संकल्प भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आज द्वितीय चरण के तहत बाढ़ प्रभावितों को अनुग्रह राशि अंतरित की। पहले चरण में 4.38 लाख परिवारों के खाते में 306.97 करोड़ रुपये अंतरित किए गए थे। दोनों चरणों में कुल 7.60 लाख परिवारों को 532.22 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस दौरान एक बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव साहिला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में आपदा प्रबंधन मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप उचित कदम उठाए गए हैं और प्रभावितों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है कृषि विभाग के विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव ने बताया कि फसलों के नुकसान पर अनुग्रह राशि के तौर पर 490 करोड़ रुपये के भुगतान का आकलन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के लिये 229 करोड़ रुपये की राशि विभाग को प्राप्त हो गयी है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिये सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा, ''आपदा पीड़ितों की सहायता के लिये हमलोग लगातार तत्पर रहते हैं।'' उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की फसलों की जो क्षति हुई है, उसकी राशि दीपावली के पूर्व अवश्य उनके खातों में अंतरित कर दें। बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, आपदा प्रबंधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदय कांत मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कड़वे अनुभव के बाद मायावती का एलान- अब किसी से गठबंधन नहीं करेगी बसपा

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा के इनेलो के साथ हुए गठबंधन को मिली असफलता के कड़वे अनुभव के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने एलान किया है कि आने वाले चुनाव में बसपा अब किसी से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि यूपी सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बसपा का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने, लेकिन उनका वोट बसपा को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने के कारण अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा व उससे होने वाले मूवमेन्ट की हानि को बचाना जरूरी है। इसी संदर्भ में हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम व इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर शुक्रवार को हरियाणा व पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से भी अब आगे गठबंधन नहीं करने का निर्णय लिया गया है, जबकि भाजपा, एनडीए व कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी। देश की एकमात्र प्रतिष्ठित अम्बेडकरवादी पार्टी बसपा व उसके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के कारवां को हर प्रकार से कमजोर करने की चौतरफा जातिवादी कोशिशें लगातार जारी हैं,

ट्रेलर से टकराई कार, दो महिलाओं की मौत

मऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मऊ के हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा स्थित डीह तिलक ठाकुर के पास शुक्रवार की सुबह करीब 6:15 पर गाजीपुर की तरफ से बलिया जा रही बोलेरो के चालक को झपकी आने से वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से भिड़ गया। स्थानीय लोगों की मदद से पांच घायलों को सीएचसी पर लाया गया। जबकि तीन को वहीं से जिला अस्पताल भेजा गया। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, बलिया जनपद के नगर थाना क्षेत्र के गोठाई बलुआ और चकरा गांव निवासी पांच महिलाएं, दो बच्चियों एक चालक के साथ गाजीपुर में किसी मठ में गए थे। शुक्रवार की सुबह को सभी गाजीपुर से मऊ होते हुए बलिया जनपद के नगर जा रहे थे। करीब सुबह 6:15 बजे अभी बोलेरो हलधरपुर थाना क्षेत्र के डीह तिलक ठाकुर गांव के पास पहुंची थी कि अचानक कार चालक धनंजय यादव को झपकी आ गई। जिससे बोलेरो सड़क किनारे खड़ी एक ट्रेलर में पीछे से जाकर टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

ज्योति बिंद को सपा ने मझवां सीट से बनाया प्रत्याशी, पिता का बीजेपी से रहा है कनेक्शन

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने दस में से छह सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। सपा ने भदोही की मझवां सीट से अखिलेश यादव ने पूर्व बीजेपी सांसद रमेश बिंद की बेटी ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया है। 25 साल की ज्योति बिंद पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। ऐसे में सबकी नजरें उन पर टिकी हैं। सपा प्रत्याशी ने कहा कि अगर वो चुनाव जीतती है तो वो अपने क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगी। ज्योति बिंद सियासी परिवार से ताल्लुक रखती है। भदोही में उनके पिता रमेश बिंद बड़े नेता रहे हैं। मझवां सीट से वो बसपा के टिकट पर तीन बार विधायक रह चुके हैं। 2019 में वो बीजेपी के टिकट पर सांसद बने। ज्योति बिंद का जन्म इटवा में हुआ है और उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई लखनऊ के गोमतीनगर से की है। जिसके बाद उन्होंने मुंबई से एमबीबीएस की पढ़ाई की और अब वो सियासत में अपना हाथ आजमा रही हैं।

सपा प्रत्याशी बनाने पर कही ये बात

मझवां सीट से सपा का उम्मीदवार बनाए जाने पर ज्योति बिंद ने ख़ुशी जताई और कहा कि वो यहां के विकास के लिए काम करेंगी ताकि महिलाएं आगे बढ़ें और आत्मनिर्मभर बनें। उन्होंने कहा कि वो मझवां के बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करेंगी। वो राजनीति में इसलिए आई हैं ताकि अपने समाज के लोगों की मदद कर सकें। वो महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी ताकि वो अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। सपा प्रत्याशी ने कहा कि इस इलाके में पहाड़ी क्षेत्र पर हैं जहां वो विशेष तौर पर काम करेंगी।

मुस्लिम कलाकारों ने बनाया केदारनाथ पंडाल, बना हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

बेगूसराय, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय जिले की तंत्र-मंत्र नगरी कही जाने वाली बखरी क्षेत्र इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। बखरी में स्थित मां दुर्गा का मंदिर आस्था के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मंदिर को केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर सजाया गया है। साथ ही इसकी सजावट करने वाले करने वाले सभी कलाकार मुस्लिम हैं। मुस्लिम कलाकारों के द्वारा इस मंदिर की सजावट करना चर्चा का केंद्र बन गया है। बखरी में स्थित दुर्गा मंदिर के प्रति लोगों की बहुत ज्यादा आस्था है। मंदिर कितना पुराना है, इस बात की कोई प्रमाणिकता नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर का इतिहास करीब 600 साल पुराना है। लोगों का ऐसा मानना है कि राजा भोज एवं परमार वंश के राजाओं ने इम मंदिर निर्माण करवाया था। उसी दौर से इस मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही है। मंदिर को लेकर श्रद्धालुओं का कहना है कि इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना सदैव पूरी होती है। बखरी के दुर्गा मंदिर में नवरात्रि की अष्टमी को बिहार, यूपी, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा सहित नेपाल के भक्त दर्शन के लिए आते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि जिस जगह आज मंदिर है उस जगह कभी कमला नदी की धारा बहती थी। राजा भोज ने इस मंदिर की स्थापना कमला नदी की धारा को मोड़कर की थी।

शिवदीप लांडे के नाम बन गया एक खराब रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बिहार के पहले आईपीएस अधिकारी बने

पूर्णिया, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने शिवदीप लांडे का तबादला कर दिया है। ऐसे में वह अब आईजी प्रशिक्षण (पटना का पद संभालेंगे। हालांकि, उन्होंने तबादले से पहले ही बिहार सरकार को अपना इस्तीफा भेज दिया है। इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं हुआ है। इन सब के बीच जाते-जाते शिवदीप लांडे के साथ एक खराब रिकॉर्ड भी जुड़ गया। तो आइए बताते हैं आखिर क्यों बना यह खराब रिकॉर्ड। सिंघम व सुपरकॉप जैसे उपनाम से जाने वाले पूर्णिया परिक्षेत्र के आइजी शिवदीप वामनराव लांडे की पदस्थापना व तबादले में महज 33 दिन का ही फासला रहा। वे अब पूर्णिया परिक्षेत्र के सबसे कम दिन वाले आईजी बन गए हैं। अल्प दिन के कार्यकाल में ही वे सूर्खियां झोला भर-भरकर बटोरी। इस दौरान वे लगातार इंटरनेट मीडिया पर भी छाए रहे। कभी नाव तो कभी जुगाड़ गाड़ी की सवारी का फोटो भी खूब वायरल होता रहा। शिवदीप लांडे ने छह सितंबर को पूर्णिया के आइजी के रुप में अपना पदभार संभाला था। पदस्थापना के साथ ही रेंज में पड़ने वाले किशनगंज, कटिहार व अररिया का दौरा भी उन्होंने किया और लोगों की उत्सुकता बढ़ने लगी। इसी बीच पदस्थापना को 13 दिन भी पूरे हुए थे कि लांडे ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा देने की सूचना देकर महकमे के साथ आम लोगों को भी चौंका दिया।

पलक झपकते ही इस्तीफे के चलते वे मीडिया की सुर्खियां बन गए। तरह-तरह के कयास लगने लगे। खुद लांडे ने ही इस्तीफे के कारणों को लेकर लग रहे अटकलों पर विराम लगा दिया। इसी बीच पत्नी के जन्मदिन पर इस्तीफे के प्रति प्रतिबद्धता दोहरा कर फिर सूर्खियों में आ गए। इस्तीफा मंजूर होगा या नहीं, इस पर इंटरनेट मीडिया पर तर्क-वितर्क चल ही रहा था कि नौ अक्टूबर को उनके तबादले की अधिसूचना जारी हो गई। इससे महकमे के साथ-साथ आम लोग भी हैरान रह गए। पूर्णिया से उनकी अचानक विदाई पर भी अटकलों का बाजार गर्म है। इधर, महज 33 दिन के अंदर उन्होंने दो बड़े एक्शन के चलते भी सूर्खियों में रहे।

बिहार में चुनाव से पहले यात्रा कर हिंदुओं को जागरूक करेंगे गिरिराज सिंह

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हिंदुओं से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा, "मैं 18 से 22 अक्टूबर तक यात्रा करूंगा। इस यात्रा का नाम 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' होगा। इस यात्रा के अंतर्गत, मैं हिंदुओं को जागरूक करूंगा, क्योंकि राहुल गांधी जैसे नेता हिंदुओं को जातियों के नाम पर बांटने की कोशिश करते हैं, जबकि मुसलमानों की जाति नहीं बताते हैं। ये लोग कोशिश करते हैं कि मुसलमानों का एकतरफा वोट अपने हिस्से में ले लें, इसलिए मैं अब हिंदुओं को यही संदेश देना चाहता हूं कि बंटोगे तो कटोगे, हम लोगों ने पाकिस्तान की स्थिति देख ली, बांग्लादेश की स्थिति देख ली। ऐसे अब हम सभी हिंदू भाइयों-बहनों के लिए समय आ चुका है कि हम एकजुट रहें, ताकि इन लोगों से लड़ सकें। अगर हम आपस में ही विभाजित हो जाएंगे, तो इन लोगों से लड़ना मुश्किल हो जाएगा।"

जानिए यात्रा कार्यक्रम

बीजेपी नेता गिरिराज सिंह 18 अक्टूबर को भागलपुर से यात्रा की शुरुआत करेंगे, फिर 19 अक्टूबर को कटिहार, 20 अक्टूबर को पूर्णिया, 21 अक्टूबर को अररिया, और 22 अक्टूबर को किशनगंज जाएंगे। बता दें कि जिन जिलों में बीजेपी नेता जायेंगे वो सभी मुस्लिम बहुल जिलें हैं।

अगर बंटोगे तो कटोगे- गिरिराज सिंह

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "अगर बंटोगे, तो कटोगे, इसलिए मैं सभी हिंदू भाइयों से यही अपील करता हूं कि वे एकजुट रहें। हमने देख लिया है कि अलग होने का हश्र क्या होता है। लिहाजा हम सभी के लिए यही उचित रहेगा कि हम एकजुट रहें। हम सब जानते हैं कि आजादी के बाद देश के विभाजन के परिणामस्वरूप पाकिस्तान अस्तित्व में आया, जहां हिंदुओं के ऊपर बहुत अत्याचार हुए। वहां हरिजनों को मारा गया। जबरन धर्मांतरण कराया गया।"

हिंदुओं को जगाने का काम करूंगा-गिरिराज सिंह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कहा, "आज बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार को देखकर असहनीय पीड़ा हो रही है। इस बीच, भारत में भी कुछ ऐसे लोग सामने आएं, जिन्होंने यह कहने से कोई गुरेज नहीं किया कि भारत में भी बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा होगी। यह सुनने के बाद मुझे अत्यंत पीड़ा हुई। इसके बाद, मैंने फैसला किया कि मैं हिंदुओं को जगाने का काम करूं।"

जेपीएनआईसी को सील करने पर गरमायी सियासत जेपी की मूर्ति लेकर अखिलेश निकले बाहर

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयप्रकाश नारायण की जयंती पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की निर्धारित यात्रा से पहले जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को सील कर दिया गया है। बैरिकेडिंग की गई है और पुलिस बल तैनात किया गया है। अखिलेश के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। इससे सपा नेता आक्रोशित हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पुलिस बल और बैरिकेडिंग की मौजूदगी के बीच पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आवास पर इकट्ठा होने लगे हैं। बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज जयप्रकाश नारायण की जयंती पर गोमती नगर स्थित जेपीएनआईसी का दौरा करने वाले हैं। अखिलेश यादव से बात करने पुलिस अधिकारी उनके उनके निजी आवास के अंदर गए हैं। अखिलेश यादव कुछ ही देर में अपने आवास से बाहर निकलेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को देर रात गोमती नगर स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) पहुंचे थे। जहां पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में बयान दिया कि ये टीन शेड लगाकर सरकार कुछ तो छिपाना चाह रही है। कहीं ऐसा तो नहीं कि बेचने की तैयारी हो, किसी को देना चाहते हो। बता दें कि समाजवादी विचारधारा के प्रतीक लोकनायक जय प्रकाश नारायण की 11 अक्तूबर (शुक्रवार) को जयंती है। उनको श्रद्धांजलि देने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जेपीएनआईसी जाना है। इसके पहले, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जेपीएनआईसी के मेन गेट पर लगाई जा रही टिन का वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि किसी को नमन करने या श्रद्धांजलि देने से रोकना सुसभ्य लोगों की निशानी नहीं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता माता प्रसाद पांडेय ने कहा, जयप्रकाश नारायण आजादी की लड़ाई में हमारे बड़े नेता थे, स्वतंत्रता सेनानी थे और उन्हें सभी पार्टियों के नेताओं का सम्मान प्राप्त है।

साइबराबाद पुलिस ने ऑनलाइन पुलिस अनुमति प्रबंधन प्रणाली शुरू की

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेगी कई सुविधा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता) साइबराबाद पुलिस ने 'राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी)' के साथ साझेदारी में 'साइबराबाद पुलिस अनुमति प्रबंधन प्रणाली (सीपीपीएमएस)' शुरू की है। एक वेब पोर्टल जिसका उद्देश्य पुलिस सेवाओं को डिजिटल बनाना और अनुमति अनुमोदन की दक्षता में सुधार करना है।

यह नई प्रणाली मैनुअल प्रक्रिया की जगह लेती है, देरी को कम करती है और जनता के लिए तेज, अधिक पारदर्शी सेवाएं सुनिश्चित करती है। यह पहल बेहतर सेवा वितरण, जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने और परेशानी मुक्त नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में साइबराबाद पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने बताया कि सीपीपीएमएस की मुख्य विशेषताएं और लाभ है। अभी तक सभी प्रकार की पुलिस अनुमतियां मैन्युअल रूप से जारी की जाती रही हैं, अब जनता की सुविधा के लिए साइबराबाद के एसीएसपी (एलएंडओ), डीसीएसपी (एलएंडओ और ट्रैफ़िक), संयुक्त सीपी (ट्रैफ़िक) को विभिन्न श्रेणी की इवेंट अनुमति जारी करने की शक्तियां सौंपकर प्रक्रिया की पुनः इंजीनियरिंग की जाती है। सभी इवेंट-संबंधी अनुमतियां एक ही ऑनलाइन पोर्टल के ज़रिए लागू की जा सकती हैं, जिससे कई दफ़्तरों में जाने की ज़रूरत नहीं होगी।

इवेंट आयोजकों को सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 10 दिन या 7 कार्य दिवस पहले आवेदन करना होगा। अनुमति भी समयबद्ध आधार पर दी जाएगी। देरी होने की स्थिति में, आवेदन स्वचालित रूप से उच्च अधिकारियों को भेज दिए जाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई अनावश्यक रुकावट न हो।

उन्होंने कहा कि पोर्टल पिछले इवेंट, आयोजन स्थल की क्षमता और अन्य प्रमुख विवरणों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है, जिससे इवेंट की योजना बनाना अधिक कुशल हो जाता है। आवेदक अपने आवेदन की स्थिति को रीयल-टाइम में ट्रैक कर सकते हैं, सभी प्रक्रियाएं अत्यधिक सुरक्षित और पारदर्शी हैं। पोर्टल नेट बैंकिंग के ज़रिए ऑनलाइन शुल्क भुगतान का समर्थन करता है।

भारत और बांग्लादेश के बीच आज रात होने वाले तीसरे अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच की तैयारी पूरी

भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रहेगी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीसरा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच 12 अक्टूबर, 2024 (रात्रि मैच) को भारत और बांग्लादेश के बीच उप्पल स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। स्टेडियम में लगभग 39,000 लोगों के बैठने की क्षमता है। मैच के दिन किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के सुचारू संचालन के लिए उप्पल क्रिकेट स्टेडियम में कई अभूतपूर्व उपाय किए गए। सुरक्षा विंग (250), यातायात (400), कानून एवं व्यवस्था (1662), टीएसएसपी 14 प्लाटून, सशस्त्र बल (छह प्लाटून), ऑक्टोपस दो टीमें, घुड़सवार पुलिस-10, वज्र-10, तथा अन्य विंग एसबी, सीसीएस स्टाफ, एसओटी, तथा अग्निशमन दस्ते के साथ दो दमकल गाड़ियों जैसे विभिन्न विंगों के समन्वय से विस्तृत बंदोबस्त व्यवस्था की जा रही है। बंदोबस्त के लिए कुल लगभग 2,600 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। स्टेडियम के अंदर और आसपास कुल 300 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनमें पूरे क्षेत्र को कवर करने के लिए वाहन जांच बिंदु, पार्किंग स्थल शामिल हैं। तत्काल कार्रवाई करने के लिए सभी सीसीटीवी फुटेज की निगरानी के लिए जी-6 बॉक्स के दक्षिण की ओर एक संयुक्त कमांड एवं नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। मैच पूरा होने तक बी.डी. टीमों की मदद से तोड़फोड़ विरोधी जांच चौबीसों घंटे जारी रहेगी। त्वरित प्रतिक्रिया के लिए प्रत्येक उपनिरीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों को वीएचएफ सेट आवंटित कर प्रभावी संचार व्यवस्था कायम की जा रही है और एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। स्टेडियम में लगाए गए स्कैनर पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मियों को आयोजन स्थल के अंदर विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री का पता लगाने में सक्षम बनाएंगे। स्टेडियम और पार्किंग स्थलों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बम निरोधक दल और खोजी कुत्तों की सेवाएं ली जा रही हैं। स्टेडियम के सभी प्रवेश द्वारों पर तोड़फोड़ विरोधी जांच और लोगों की तलाशी लेने के लिए चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

8 कर्मचारियों पर 6 करोड़ रुपये का सोना चुराने का मामला

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की पुलिस ने बंजारा हिल्स स्थित श्री कृष्णा ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक आभूषण की दुकान के 8 कर्मचारियों के खिलाफ 6 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की छड़ें चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। हाल ही में कंपनी द्वारा की गई आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान चोरी का पता चला, जिसके बाद प्रबंधन ने बंजारा हिल्स पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, कंपनी के प्रबंधन द्वारा आंतरिक जांच के दौरान दो कर्मचारियों- उदय कुमार और बी श्रीकांत के पास चोरी की गई सोने की छड़ें पाई गईं। पूछताछ करने पर, श्रीकांत ने खुलासा किया कि उदय कुमार ने कई अन्य कर्मचारियों की मदद से लंबे समय तक चोरी की साजिश रची। चिंटू, सत्या, अजय, टिंकू और चंद्रा सहित अन्य कर्मचारी कथित तौर पर कंपनी के प्रबंधक सुखेतु शाह के निर्देशों के तहत काम कर रहे थे। कंपनी के मानव संसाधन प्रबंधक विजय कुमार की शिकायत के आधार पर बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज किया और प्रारंभिक जांच के बाद मामले को हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) को स्थानांतरित कर दिया।

161 छात्रों को डीएससी में मिली शिक्षक की नौकरी

करीमनगर, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी डीआईईटी (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) कॉलेज, एमएमडी कॉलोनी, करीमनगर, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, क्योंकि कॉलेज के कई छात्रों को हाल ही में डीएससी में शिक्षक की नौकरी मिली है। कॉलेज में अध्ययनरत कुल 161 छात्रों को डीएससी में सेकेंडरी ग्रेड टीचर (एसजीटी) और स्कूल सहायक शिक्षक की नौकरी मिली है।

134 छात्र तेलुगु, अंग्रेजी माध्यम से चुने गए, जबकि 27 उर्दू माध्यम से चुने गए। यह इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि संस्थान अपने छात्रों को किस तरह से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2015-17 के दौरान कॉलेज में डी.एड करने वाले सबसे अधिक 32 छात्रों को शिक्षक की नौकरी मिली, इसके बाद शैक्षणिक वर्ष 2014-16 में 24 छात्र, 2017-19 शैक्षणिक वर्ष में 21, 2013-15 में 19, 2012-14 में 18, 2018-20 में 15, 2011-13 में 11, 2020-22 में 7, 2019-21 में 6, 2021-23 में 3 और 2009-11 और 2022-24 शैक्षणिक वर्षों में एक-एक छात्र को शिक्षक की नौकरी मिली।

करीमनगर, आदिलाबाद, निजामाबाद, मेदक और अन्य जिलों से आने वाले छात्रों ने कॉलेजों में डी.एड. की पढ़ाई की। 9 अक्टूबर को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सभी को नियुक्ति पत्र दिए। कॉलेज के प्रिंसिपल श्रीराम मोंडैया ने बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्रों द्वारा डीएससी के लिए चुने जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकांश गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्होंने कहा कि ईमानदारी से किए गए प्रयासों और कड़ी मेहनत ने उन्हें डीएससी में नौकरी पाने में मदद की। कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने वाले अधिकांश छात्र गरीब पृष्ठभूमि से थे और आसिफाबाद और अन्य आंतरिक क्षेत्रों के छात्रों के पास हर दिन भोजन करने के लिए पैसे नहीं होते थे।

श्रद्धांजलि / प्रार्थना

दुनिया बदलती है साल दर साल,
हमारा जीवन दिन व दिन, पर आपका
प्यार एवं यादें, हमेंशा साथ रहेंगी

शशिरेखा बी. महेता
धर्मपत्नी: स्व. बालक्रिष्ण भोगीलाल महेता
प्रार्थना सभा कल रविवार 13-10-2024
सायं 4 से 5 बजे तक, कच्छी भवन,
क्षमापना हॉल, ईडनबाग, रामकोट
हैदराबाद मे रहेगी।
सन्नविष्टकर्ता : महेता परिवार
Contact No. 96522 68261 / 73372 36363

डॉक्टरों ने बच्चे के फेफड़े में फंसी मूंगफली निकाली

वारंगल, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमजीएम अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम ने दो साल के बच्चे के फेफड़ों में फंसी मूंगफली को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचाई। इस जटिल प्रक्रिया में ब्रोंकोस्कोपी शामिल थी, जिसे ईएनटी विशेषज्ञों और एनेस्थेटिस्ट की एक टीम ने कुशलतापूर्वक अंजाम दिया। एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. चिलुका मुरली के अनुसार, मल्लमपल्ली गांव के मोहम्मद हुसैन के बेटे अब्दुल समद को एक सप्ताह से लगातार खांसी और थकान की समस्या थी। परिवार के सदस्यों ने अब्दुल को 9 अक्टूबर को एमजीएम अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया और सीटी स्कैन से पता चला कि लड़के के दाहिने फेफड़े में मूंगफली फंस गई है, जिससे लक्षण पैदा हो रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/102

इसके द्वारा दमरे के निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है, तत्संबंधित सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को निर्दिष्ट तिथि को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनों को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइनों के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शनः-टीएसगेन्को(टीएसजीइएनसीओ) के गति शक्ति-मल्टि मोडल कार्गो टर्मिनल(जीसीटी) मेसर्स यादाद्रि थर्मल पावर स्टेशन(वायटीपीएस) के जीएनटी डिवीजन -(फेज-I) के एनडीकेडी-पीजीडीपी सेक्शन के विष्णुपुरम स्टेशन से प्रस्थान (रवाना होना) कर रहा है(अर्थात् (1) वीएनयुपी बायपास केबिन से वायटीपीएस एक्सचेंज यार्ड, जिसमें केवल रोड नं. 2,3 व 4 शामिल हैं (2) वायटीपीएस एक्सचेंज से वायटीपीएस मेन यार्ड से एवं(3) वायटीपीएस मेन यार्ड में केवल-2,3,4,5 एवं 6) शामिल हैं। स्थानः 86/18ए(सीएचः0.00) से-स्थानः वायटीपीएस/6067 तक(सीएचः10/659.720) दि.15-10-2024 को या इसके बाद, झोनः दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

प्रपत्र 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वोल्युम।।, पार्ट।-सुधार पर्ची सं.32, दिनांक 9.10.2020)
एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
'सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी'

एतद्द्वारा आमजन को निम्न तत्संबंधित सेक्शन के एसी 25केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि, टीएसगेन्को(टीएसजीइएनसीओ) के गति शक्ति-मल्टि मोडल कार्गो टर्मिनल(जीसीटी) मेसर्स यादाद्रि थर्मल पावर स्टेशन(वायटीपीएस) के जीएनटी डिवीजन के एनडीकेडी-पीजीडीपी सेक्शन के विष्णुपुरम स्टेशन-(फेज-I) से प्रस्थान (रवाना होना) कर रहा है।तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के सभी लेवल क्रासिन्स पर, रोड लेवल के उपर अधिकतम स्पष्टतम अत्यधिक उंचाईयुक्त 4.%8एम हाइट गेजेस लगाए गये है, ताकि वाहन भार या लोड्स को तत्संबंधित सक्रिय या लाइव भयानक ट्रैक्शन वायरों के संपर्क में आने से रोका जा सके।

सेक्शनः-टीएसगेन्को(टीएसजीइएनसीओ) के गति शक्ति-मल्टि मोडल कार्गो टर्मिनल(जीसीटी) मेसर्स यादाद्रि थर्मल पावर स्टेशन(वायटीपीएस) के जीएनटी डिवीजन -(फेज-I) के एनडीकेडी-पीजीडीपी सेक्शन के विष्णुपुरम स्टेशन से प्रस्थान (रवाना होना) कर रहा है(अर्थात् (1) वीएनयुपी बायपास केबिन से वायटीपीएस एक्सचेंज यार्ड, जिसमें केवल रोड नं. 2,3 व 4 शामिल हैं (2) वायटीपीएस एक्सचेंज से वायटीपीएस मेन यार्ड से एवं(3) वायटीपीएस मेन यार्ड में केवल -2,3,4,5 एवं 6) शामिल हैं। दि.15-10-2024 को या इसके बाद, झोनः दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

अतः एतद्द्वारा आमजन को अधिसूचित किया जाता है कि, लोडिंग वेहिकल्स हेतु उक्त उंचाई का निरीक्षण करे तथा इस बात का ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में रोड वेहिकल्स में लदान किया गया लोड या भार उक्त हाइट गेजेस का उल्लंघन या अतिक्रमण न करता हो।
अत्यधिक उंचाई के भार या लोड के खतरे निम्न प्रकार दर्शाए गये है:
1.हाइट गेज का खतरा तथा सडक के साथ साथ रेल लाइन को तत्संबंधित का खतरा
2.वाहन में मटेरियल या एक्वीपमेन्ट का परिवहन करने पर खतरा या तत्संबंधित वाहन को भी खतरा
3. कंडक्टर्स के संपर्क में आने से आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन/गुंटूर

A1300

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 12 अक्टूबर- 2024

डॉ. लोहिया जी का पुनर्पाठ

रघु ठाकुर

12 अक्टूबर डाक्टर लोहिया की पुण्यतिथि है और आज के दिन उन संदर्भों की याद भी जरूरी है जो आज और अधिक प्रासंगिक हैं। यह एक ऐसा विचित्र दौर है जिसमें देश और दुनिया में लोहिया एक परिवर्तन की मिसाल के संवाद के केंद्र में हैं, न केवल भारत में बल्कि भारत के बाहर यूरोप और अमेरिका तक में वैश्विक संस्थानों में लोहिया पुनर्जीवित, पुनवर्याख्ति और पुनर्पाठ के केंद्र हैं परंतु भारत में कुछ ऐसी जमातें उतरी हैं जो अपने-अपने कारणों से लोहिया को भुलाना चाहती हैं। पिछले कुछ दिनों से पिछड़े वर्ग के नाम पर बने संगठन, जब पिछड़े वर्ग के आरक्षण की चर्चा करते हैं तो उसमें लोहिया नहीं होते। यहां तक कि अमूमन इनके जो पोस्टर, बैनर, साहित्य आदि छपाये जा रहे हैं उनमें पेरियार, अम्बेडकर, कांशीराम, रामस्वरूप वर्मा, कर्पूरी ठाकुर, ललई यादव, ज्योतिबा फुले, साबित्री बाई फुले आदि के चित्र होते हैं, परंतु लोहिया का चित्र नहीं होता। आरंभिक दौर में विशेषतरू 2014 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद पिछड़े वर्ग के कई संगठनों का उदयकाल बना। बहुत वर्षों बाद इन संगठनों में यादव बुद्धिजीवी मित्रों की सक्रिय भूमिका नजर आयी। यह भूमिका नजर आयी, हो सकता है कि इसका कारण उत्तरप्रदेश में श्री अखिलेश यादव के हारने का भी हो, क्योंकि उप्र में हारने के बाद यादव समाज में एक निराशा की भावना आई थी। उप्र जहां लंबे समय तक स्व. मुलायम सिंह यादव सत्तासीन रहे, फिर उनके पुत्र आखिलेश यादव सत्तासीन हुए अब उस राज्य से यादव जाति का सत्ता से हटना एक त्रासद था और उन्होंने विशेषतरू यादव समाज के पढ़े-लिखे लोगों ने इसकी खोज शुरू की और उन्हें लगा कि यादव जाति पर जातिवाद के आरोप से यादव समाज, अन्य पिछड़े वर्ग की जातियों से दूर हो चुका है। परिणामस्वरूप इनमें से अधिकांश पिछड़ी जातियां अपने अधिकारों के लिये भाजपा की ओर मुड़ गई हैं। क्योंकि भाजपा का प्रत्यक्ष नेतृत्व तो पिछड़ी जाति से ही है। स्व. कर्पूरी ठाकुर के द्वारा लागू किये गये लोहिया के विचारों के अनुकूल आरक्षण के फार्मूले से जो अत्यंत पिछड़ी जातियां लाभान्वित हुई थीं उन्होंने भी बिहार के समान यादव से इतर पिछड़ी जाति के संगठनों में अपना भविष्य देखना शुरू कर दिया। इस तथ्य को समझकर कुछ जेएनयू और दिल्ली विवि के पढ़े लिखे यादव मित्रों ने आरक्षण और पिछड़े वर्ग को मुददा बनाकर, विशेषकर सोशल मीडिया पर जगाना शुरू किया। जाहिर है इससे कुछ अच्छे परिणाम भी आये हैं। पिछड़े वर्ग की जातियों में आरक्षण को लेकर एक वर्गीय चेतना फिर से पैदा हुई और वे भाजपा के खिलाफ संगठित हुए परंतु इन नौजवानों में से कई लोगों को अपनी भाषा लोहिया या कर्पूरी ठाकुर से नहीं ली वरन एनजीओ की भाषा, कुछ दलित संगठनों की भाषा, कुछ मार्क्सवादी भाषा और कुछेक ने अपनी सुविधा के लिये अल्पसंख्यक और मुस्लिम संगठनों की भाषा को चुना। परंतु वे इस प्रक्रिया में अपवाद छोड़कर इतिहास भूल गये, कि वह एकमात्र लोहिया ही थे जिन्होंने महात्मा गांधी की मृत्यु के बाद और आजादी के बाद पिछड़े वर्ग के लोगों को 60 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने की बात शुरू की थी। पिछड़ा पावे सौ में साठ लोहिया का नारा था। जिन्होंने पहली बार कहा था योग्यता से अवसर नहीं बल्कि अवसर से योग्यता पैदा होती है। यहाँ तक उन्होंने कहा कि हमें इतिहास में सामाजिक व्यवस्था के द्वारा अयोग्य बनाए लोगों को हिस्सेदारी देकर सत्ता में बैठाकर योग्य बनाना है। लोहिया ने पिछड़े वर्ग में, अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ी जातियों, अल्पसंख्यकों को पिछड़ी जाति और सभी महिलाओं को पिछड़ा वर्ग माना था। 1980 के बाद कांग्रेस पार्टी में बाबू जगजीवनराम की भूमिका नेतृत्व हस्तक्षेप, निरंतर कम होने के बाद अनुसूचित जाति के कर्मचारियों में एक असुरक्षा का भाव पैदा हुआ था। उन्होंने अपने हित व रक्षा के लिये पहले बामसेफ और फिर बहुजन समाजपार्टी तथा कांशीराम के माध्यम से राजनीति में अपनी पकड़ और पहचान बनाने का प्रयोग शुरू किया। वहीं दूसरी तरफ 1967 में लोहिया की मौत के बाद पिछड़ी जातियों में एक निराशा का भाव था और वे विशेषतरू जो अति पिछड़ी जातियों के लोग थे वे अपना अलग स्थान खोजने लगे। ऐसे दौर में उन्होंने (कांशीराम) ने अनुसूचित जाति के संगठन और उसके वोट उस जाति के बड़े अधिकारियों के पैसे के आधार पर इन अति पिछड़ी जातियों को लुभाया और अपने साथ ले लिया। समाजवादी लोग जो लोहिया के आंदोलन से आये थे वे आपस में लड़ते रहे और इस जमीनी सत्य और समाजवादी आंदोलन के साथ खिसकते जन आधार की उन्होंने कोई चिंता नहीं की। एक तरफ जातिवाद, दूसरी तरफ किसी महत्व को न मिल पाने की वजह से 1980 के बाद पिछड़ी जातियां गैर यादव, कुर्मी, कुशवाहा (काछी माली) आदि बसपा के साथ चले गये। यादव के अलावा जो ताकतवर पिछड़ी जातियां थीं जैसे कुर्मी, लोधी आदि वे भाजपा में अपना स्थान बनाने लगी। अल्पसंख्यक जो सदैव केवल भाजपा को हराने के नाम पर वोट करता है, वह अपनी-अपनी प्रादेशिक और क्षेत्ीाय गैर भाजपाई दूसरे मजबूत दल या संगठनों के साथ हो गया। तीसरी तरफ पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा जो मार्क्सवाद के गढ़ माने जाते थे वहां से मार्क्सवादियों के उखड़ने के बाद मार्क्सवादियों ने हिंदी बेल्ट पर लोहिया की राजनैतिक भूमि पर और समाजवादियों के पिछड़े वर्ग के आधार पर अपने भविष्य को खोजना शुरू किया है। उनके पास साधन थे, कसा हुआ संगठन था और उच्चजातियों के नेतृत्व वालों की भाषा और बोली की क्षमता थी। उन्होंने कुछ यू टयूब चौनल शुरू किये और उनके माध्यम से आरक्षण और समाज परिवर्तन को लेकर पेरियार, अम्बेडकर, फूले आदि के नाम का इस्तेमाल कर पुनरू वैचारिक रूप से मोड़ना शुरू किया। यह दुर्भाग्य है जो लोहिया के आंदोलन के गर्भ से पैदा हुए थे उन्होंने अपने आप को जाति व सत्ता में सिकोड़ लिया और लोहिया को इतिहास के मंच से विस्थापित करने के खेल में लग गये। यह तीन बड़े कारण हैं जिसकी वजह से पिछड़े वर्ग, दलितों, अल्पसंख्यकों में और इतिहास के पन्नों से लोहिया को पीछे करने या कमतर दिखाने करने के खेल में मार्क्सवादी मित्र लगे हुए हैं। मार्क्सवादी मित्रों को यह भी सुविधा है कि लोहिया जिन भारतीय सांस्द्धतिक मूल्यों और प्रतीकों से अपने उद्देश्य के तर्क निकालते थे, परंतु मार्क्सवाद के लिये, उनकी तथाकथित धर्मविहीनता के लिये लोहिया असुविधाजनक है। अतरू उनके दृष्टिकोण से, पिछड़े वर्ग के आरक्षण के इतिहास से और लोहिया को अलग कर लिया जाये तो पिछड़ा वर्ग उनके मार्क्सवादी गुण, अभारतीयता की भाषा और शब्दावली को स्वीकार कर लेगा। यही सोच स्वर्गीय काशीराम, मायावती और अन्य दलित नेताओं और संगठनों की है।

एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि अब पिछड़े वर्ग की जातियों में जातिवाद बहुत तेजी से प्रवेश कर गया है और वे अब पिछड़े वर्ग के इतिहास को पिछड़ी जाति के इतिहास में बदलना चाहते हैं। इतिहास को सवर्ण समाज और भाजपा बदलना चाहती है ताकि अतीत के सामाजिक अपराधों की छाप मिट जाये। कांग्रेस पार्टी भी मिटाना चाहती है क्योंकि वह आजादी के बाद पिछड़ा वर्गों और आरक्षण के खिलाफ खड़ी होती रही है। इतिहास को बसपा, दलित संगठन और कांशीराम, मायावती के अनुयायी भी बदलना चाहते हैं क्योंकि उन्हें केवल दलित नेतृत्व और दलित पार्टी चाहिए। पिछड़ा वर्ग उनकी सत्ता के लिये एक हथियार है। इतिहास भाजपा को भी बदलना है क्योंकि सवर्ण हितों के लिये अनुकूल वातावरण बनाना है एवं नेहरू खानदान की सत्ता के लिये इतिहास कांग्रेस को भी बदलना है। इतिहास अपनी नई जमीन के लिये मार्क्सवादी को भी बदलना है। पिछड़ी जातियों में भी जातिवाद आ गया है। अब वे वर्ग की जगह अपनी जाति पर खुल रहे हैं। जब लोहिया के बारे में, उनके पोस्टर के बारे में, मैंने पिछड़े वर्ग के कुछ मित्रों से पूछा तो उनका उत्तर था कि लोहिया तो सवर्ण जाति के थे। क्या यह कितना जायज है कि जिस व्यक्ति ने अपना संपूर्ण जीवन दलित व पिछड़ा वर्ग के लिये लगा दिया, जो अपनी जाति से लड़ा, और उन्हीं वंचित जातियों के लोग जिन्हें जुबान और ताकत लोहिया ने दी थी वे इस तरह से सोचते हैं। यह घटना सामान्य नहीं है।

कोकीन खेप के पीछे कौन ?

देश की राजधानी दिल्ली के साथ ही कई महानगरों में जिस तरह से नशे का धंधा फल-फूल रहा है वह चिंता पैदा करने वाला है। दिल्ली में ही कुछ दिन पहले 6500 करोड़ रुपये और अब करीब 2400 करोड़ रुपये की कोकीन पकडी गई है। पकडी गई कोकीन कोलंबियन बताई जा रही है। त्योहारी सीजन से पहले इंटरनेशनल ड्रग रैकेट के निशाने पर दिल्ली के साथ ही भोपाल व अन्य महानगर भी हैं। सभी मामलों का सरगना दुबई में बैठा वीरेंद्र बसोइया उर्फ वीरू है। खबरों के अनुसार उसने कोलंबिया से ड्रग की खेप एक पुराने मालवाहक जहाज से दुबई से होते हुए चेन्नई पहुंचवाया। ड्रग को चेन्नई से यूपी के हापुड़ लाया गया और वहां से दिल्ली। दोनों मामलों में हैंडलर ब्रिटिश नागरिक हैं। मनोरंजन जगत की कुछ बड़ी हस्तियों से भी इसके तार जुडने की आशंका है। दिल्ली में पकडी गई कोकीन नमकीन के पैकटों में रखे गए थे। इससे पहले 1 अक्टूबर को दिल्ली के ही महिपालपुर एक्सटेंशन में एक ठिकाने से 562 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई थी। उसकी कीमत 6500 करोड़ रुपये है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1 किलोग्राम कोकीन की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये होती है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल पकडी गई कोकीन की जांच कर रही है। इस मामले में हापुड के रहने वाले अखलाक को गिरफ्तार किया गया है। अखलाक से पता चला कि ड्रग का हैंडलर ब्रिटिश नागरिक सविंदर सिंह है। जिसने इन ड्रग्स को राष्ट्रीय राजधानी में रखवाया था। इससे पहले 562 किलोग्राम कोकीन वाली जो खेप जब्त की गई थी, वह भी जतिंदर पाल सिंह उर्फ जस्सी नाम के एक और ब्रिटिश नागरिक के पास थी। जस्सी भी कोकीन की बिक्री की निगरानी के लिए ब्रिटेन से भारत आया था। दोनों को इस मामले के मुख्य आरोपी बसंत बिहार निवासी तुषार गोयल से संपर्क करना था लेकिन गोयल को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। 562 किलोग्राम कोकीन बरामदगी मामले में पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनकी निशानदेही पर तुषार गोयल, हिमांशु और औरंगजेब के पास से 15 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई है। बाकी का गांजा और कोकीन गोदाम में मिला। इस मामले में पुलिस ने मुंबई के कुर्ला वेस्ट के रहने वाले एक रिसीवर भरत जैन को भी पकड़ा है। बहरहाल, ड्रग कार्टेल का सरगना बसोइया को ही माना जा रहा है। उसकी इस मामले में गिरफ्तार तुषार गोयल से 2011 में दिल्ली के तिहाड़ जेल में मुलाकात हुई थी। कहानी पूरी फिल्मी है। ड्रग की दो बड़ी-बड़ी खेप के हैंडलर एक ही शहर में लेकिन दोनों एक दूसरे को जानते तक नहीं। पुलिस अब उन डीलरों की तलाश कर रही है, जिन्हें ब्रिटिश नागरिकों से खेप लेनी थी। दिल्ली, मुंबई और गोवा में होने वाले आगामी कॉन्सर्ट और म्यूजिक फेस्टिवल में सप्लाई करने के लिए कार्टेल ने कोकीन का भंडार जमा किया था। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस मामले में पुलिस की तत्परता और कुशलता की जितनी तारीफ की जाए कम है। लेकिन ड्रग्स की चुनौती से निपटने के लिए यह काफी नहीं है। ड्रग माफियाओं की कमर तोडे बगैर इस पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण हमेशा बना रहेगा।

जलते हैं केवल पुतले रावण बढ़ते जा रहे ?

प्रियंका सौरभ

हर साल विजयादशमी में रावण वध देखते हैं तो मन में आस होती है कि समाज में बसे रावण कम होंगे। लेकिन ये तो रक्तबीज के समान है। रावणों की संख्या में बेहिसाब इजाफा हो रहा है। एक कटे सौ पैदा हो रहे हैं। वो तो फिर भी महान था। विद्वान था, नीति पालक था, शूरवीर था, कर्तव्यनिष्ठ था, सच्चा शासक था, अच्छा पति था, अच्छा भाई था, भगवान शिव का उपासक था। सीता का हरण किया, लेकिन बुरी नजर से नहीं देखा। विवाह का निवेदन किया लेकिन जबरन विवाह नहीं किया। एक गलती की जिसकी उसे सजा भुगतनी पड़ी, मगर आज के दौर में हजारों अपराध करने के बाद भी रावण सरेआम सड़कों पर घूम रहे हैं, कोई लाज नहीं, शर्म नहीं। दशहरे पर रावण का दहन एक ट्रेंड बन गया है। लोग इससे सबक नहीं लेते। रावण दहन की संख्या बढ़ाने से किसी तरह का फायदा नहीं होगा। लोग इसे मनोरंजन के साधन के तौर पर लेने लगे हैं। देश में रावण की लोकप्रियता और अपराधों का ग्राफ लगातार ऊंचा होता जा रहा है। पिछले वर्ष के मुकाबले हर बरस देश के विभिन्न हिस्से में तीन गुणा अधिक रावण के पुतले फूंके जाते हैं। इसके बावजूद अपराध में कोई कमी आएगी, इसके बढ़ते आंकड़े देखकर तो ऐसा नहीं लगता। हमें अपने धार्मिक पुराणों से प्रेरणा लेनी चाहिए। रावण दहन के साथ दुर्गुणों को त्यागना चाहिए। रावण दहन दिखाने का अर्थ बुराइयों का अंत दिखाना है। हमें पुतलों की बजाय बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में अपराध, बुराई के रावण लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें रिश्तों का खून सबसे अधिक हो रहा है। मां, बाप, भाई, बहन, बच्चों तक की हत्या की जा रही है। दुष्कर्म के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रावण सर्वज्ञानी था, उसे हर एक चीज का अहसास होता था क्योंकि वह तंत्र विद्या का ज्ञाता था। रावण ने सिर्फ अपनी शक्ति एवं स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में सीता का अपहरण अपनी मर्यादा में रहकर किया। अपनी छाया तक उस पर नहीं पड़ने दी। आज का रावण धूर्त है, जाहिल है, व्यभिचारी है, दहेज के लिए पत्नी को जलाता है, शादी की नियत से महिलाओं का अपहरण करता है। इस कुकृत्य में असफल हुआ तो बलात्कार भी। धर्म के नाम पर कत्लेआम करता है, लड़ने की शक्ति उसमें नहीं है, सो दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर चलाता है। नीतियों से उसका कोई वास्ता नहीं है, पराई नारी के प्रति उसके मन में कोई श्रद्धा नहीं। राजा अपने फायदे देख के जनता की सेवा करता है। आज का रावण उस रावण से क्रूर है, खतरनाक है, सर्वव्यापी है। वह महलों में रहता है। गली-कूचों में रहता है। गांव में भी है। शहर में भी है। वह गवार भी है। पढ़ा-लिखा भी है। लेकिन राम नहीं है कि उसकी गर्दन मरोड़ी जा सके। बस एक आस ही तो है कि समाज से रावणपन चला जाएगा खुद-ब-खुद एक दिन। रावण के दुख, अपमान और मृत्यु का कारण कोई नहीं था। रावण की मृत्यु का मुख्य कारण वासना थी, जो उसके अंतिम विनाश का कारण था। इतिहास इस बात का गवाह है कि कामुक पुरुष (और महिलाएं भी) कभी सुखी नहीं रहे। विपरीत लिंग के प्रति उनके जुनून के कारण कई शक्तिशाली राजाओं ने अपना राज्य खो दिया। रावण ने सीता की शारीरिक सुंदरता के बारे में सुना, फिर उस पर विचार करना शुरू कर दिया और अंततः उस गलत इच्छा पर कार्य करना शुरू कर दिया। और अंत में वासना ही रावण की मृत्यु का मुख्य कारण बनी।

लंकापति रावण महाज्ञानी था लेकिन अहंकार हो जाने के कारण उसका सर्वनाश हो गया। रावण परम शिव भक्त भी था। तपस्या के बल पर उसने कई शक्तियां अर्जित की थीं।

लव जिहाद' को लेकर डर का समाधान ढूंढें

गौतम चौधरी

विगत दिनों उत्तर प्रदेश स्थित बरेली की एक अदालत ने 'लव जिहाद' को सुनियोजित षड्यंत्र और एक खास वर्ग विशेष की भारत में अपनी सत्ता स्थापित करने का हथियार बताया। दरअसल, अदालत ने 'लव जिहाद' के आरोप में एक मुस्लिम युवक को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। यह सजा उतनी महत्वपूर्ण नहीं है जितनी माननीय न्यायालय द्वारा की गयी लिखित टिप्पणी है। सजा सुनाते वक्त न्यायालय ने जो कहा, वह इस देश के ही नहीं अपितु दुनिया के हर लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले राष्ट्र को समझना चाहिए। माननीय न्यायाधीश ने जो कहा, उसका देशव्यापी महत्व है।

इस केस में आरोपी मोहम्मद अलीम ने पीड़िता को अपना नाम आनंद बताया और उससे हिंदू रीति-रिवाजों से शादी की थी। फिर पीड़िता का यौन शोषण, फोटो व वीडियो बना कर ब्लैकमेल जैसे कई अपराध मोहम्मद अलीम ने किए। माननीय न्यायालय ने इसे सिर्फ एक व्यक्तिगत अपराध नहीं माना बल्कि इसके पीछे छिपी बड़ी साजिश और योजनाबद्ध तरीके की ओर इशारा किया। न्यायालय ने लव जिहाद को 'डेमोग्राफिक वार' का हिस्सा बताया जिसके तहत एक धर्म विशेष के अराजक तत्व हिंदू महिलाओं को निशाना बना रहे हैं। न्यायाधीश ने कहा कि 'लव जिहाद' का मुख्य उद्देश्य भारत में अपनी सत्ता स्थापित करना है। उन्होंने इसे एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा बताया और इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार के मजहबीकरण के पीछे भारी विदेशी फंडिंग हो सकती है।

कोर्ट ने जबरन मजहबीकरण की निंदा करते हुए सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायाधीश ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को झूठ, छल, लालच या बल प्रयोग से धर्मांतरण करने का अधिकार नहीं है। यदि ऐसा होता है तो यह देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन मामलों पर उचित कदम नहीं उठाए गए तो देश को भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ऐसे प्रकरण राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता के लिए भी अत्यधिक संवेदनशील हैं।

यानी न्यायालय भी यह स्वीकार कर रहा है कि देश में योजनाबद्ध तरीके से गैर मुसलमानों को लवजिहाद के चंगुल में फंसाया जा रहा है जोकि इस देश के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है। यहीं से साफ समझ आ जाता है कि माँ दुर्गा का मुर्सलिम प्रतिरूप बनाने और गरबा में शामिल होने की मुसलमानी जिद आखिर क्या है। अब सोचना गैर मुर्सलिम समाज को ही होगा कि आखिर कैसे अपने समाज की वे रक्षा कर सकते हैं क्योंकि इस्लामिक आंधी हर तरफ सिर्फ मुसलमानों को देखना चाहती है. इसके लिए वो किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखती है। हालांकि 'लव जिहाद' जैसे शब्द इस्लाम के लिए भी नापाक और गैर-वाजिब हैं। इस्लामिक विद्वानों का मत साफ है कि फरेब और धोखे से किया गया कार्य इस्लाम का हिस्सा नहीं है। इस्लामिक किताबों में इस बात का साफ तौर पर जिक्र किया गया है। बरेलवी फिरके के आलिम तुफैल खान बताते हैं कि इस्लाम पवित्र धर्म है। इसके मानने वाले खुदा की इबादत के अलावे और कुछ भी नहीं करते। वे इतने नेक होते हैं कि उनके शरण में आए लोगों की वे रक्षा करते हैं। एक और इस्लामिक विद्वान ने बताया कि 'लव जिहाद' संघ परिवार का बनाया हुआ शब्द है। इसका कोई वजूद नहीं है। गैर-इस्लाम लड़कियों से शादी करना तभी जायज माना जाता है जब वह इस्लाम कबूल कर ले। धोखे में किए गए कार्य की इस्लाम इजाजत नहीं देता है।

उन्होंने बताया कि मुस्लिम लड़कियां भी हिन्दू लड़कों से शादी कर रही है। इसे तो हम लोगों को कभी धर्मयुद्ध नहीं बताया। बड़ी संख्या में अभिजात्य मुस्लिम महिलाएं हिन्दू परिवारों में हैं। यह एक प्रकार का सांस्कृतिक अंतरसंबंध है। हालांकि हमारे लिए यह भी जायज नहीं है लेकिन हम कुछ कर नहीं सकते हैं। बच्चे आधुनिक शिक्षा ले रहे हैं। एक साफ उठ-बैठ रहे हैं तो स्वाभाविक रूप से संबंध बन जाते हैं । उन्होंने बताया कि मैं आरएसएस के कई नेताओं को जानता हूं, जिन्होंने अपनी बेटे-बेटियां मुसलमानों से ब्याही हुई है। मैं कई मुस्लिम धार्मिक नेताओं को जानता हूं जिन्होंने अपनी बेटियों की शादी हिन्दू लड़कों से की है। यह मामला ही राजनीतिक है।

हालांकि इस मामले में कई बातें हो रही है। जहां एक ओर संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी के नेता 'लव जेहाद' को लेकर माहौल बनाने में लगे हैं ,वहीं दूसरी ओर अन्य दलों के नेता इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इस मामले पर पहले जैसे स्थिति नहीं रही। मामले को लेकर बहुसंख्यक हिन्दुओं में थोडा डर तो बढ़ा है। इसे संघ परिवार अपनी सफलता के रूप में देख रहा है। दूसरी बात यह है कि भारत पड़ोस में कई ऐसे देश हैं जो कट्टर मुस्लिम होने का दावा करते हैं। वहां धार्मिक अल्पसंख्यकों को लगभग दूसरे दर्जे की नागरिकता प्राप्त है। भारत में भी वहावी और मुस्लिम ब्रदरहुड वर्जन वाले इस्लामिक सोच का बड़ी तेजी से विस्तार हो रहा है। इसका असर साफ दिख रहा है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो भारतीय लोकतंत्र को इससे बड़ा खतरा हो सकता है। अभी हाल ही में बांग्लादेश में मध्यममार्गी इस्लामिक चिंतन वाली सरकार को चरमपंथियों ने उखाड़ फेंका। अब वहां दुर्गा पूजा बनाने पर प्रतिबंध की बात हो रही है। इसके कारण भारत के हिन्दू बेहद डरे हुए हैं। लव जिहाद वाला प्रचार भारत के बहुसंख्यक हिन्दुओं को प्रभावित करने लगा है। इसे भारतीय मुसलमानों को गंभीरता से लेना चाहिए और यदि इसमें कुछ सच्चाई नहीं है तो अपने तरीके से इसका जवाब देना चाहिए। तभी भारत में बढ़िया बातावरण बन पाएगा।

दशहरे पर करें अपनी दस बुराइयों का अंत

योगेश कुमार गोयल

आश्विन शुक्ल दशमी को प्रतिवर्ष 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। दशहरा इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार 12 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है।

मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा।

दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है। दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है।

मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है।

श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है।

नया भारत और पुराने सपने

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब से हमने अपनी पहली नौकरी जॉइन की है, तब से एक बात समझ आ गई है—ज़िन्दगी एक बड़े घूमने वाले चक्के जैसी है, जो कभी रुकता नहीं। हमारा बचपन तो इस चक्के के नीचे ऐसा पिसा, कि सपने धूल बनकर उड़ गए। बचपन में जो सोचा था कि बड़े होकर देश को बदलेंगे, अब लगता है कि देश तो वही है, बस हम ही बदल गए हैं। पर ये बदलाव भी अजीब है। सपने बदलने की जगह, हमने सपने छोड़ दिए हैं। मेरी कहानी एक आम मिडल क्लास घर से शुरू होती है। वही घर, जहाँ बच्चे का पहला सपना ये होता है कि कलेक्टर बनूंगा। और जब कलेक्टर बनने की उम्मीद चली जाती है, तो इंजीनियरिंग या डॉक्टर ही बनेंगे का नारा लगता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सपने 'सेट जॉब' और 'ईएमआई का इंतजाम' बन जाते हैं। आखिर हम भी तो इसी गाड़ी के सवारी हैं! बचपन के सपने तो बड़े थे। एक बार हमारे मास्टरजी ने पूछा, "बेटा, बड़े होकर क्या करोगे?" मैंने बोला, देश से भ्रष्टाचार मिटाऊंगा, गरीबी हटाऊंगा, और एक नए भारत का निर्माण करूंगा। मास्टरजी हँस पड़े, बोले, पहले अपनी जेब में नया रुमाल तो डाल लो, फिर भारत का निर्माण करना। तब ये हँसी समझ नहीं आई थी, लेकिन आज समझ में आती है। क्या करें? जेब भी तो अपने पैर पे चलती है—कभी खाली, कभी आधी। ज़िन्दगी का सबसे बड़ा तजुर्बा ये हुआ कि ₹सिस्टम₹ सिर्फ किताबों में बदलने वाली चीज़ होती है, असल ज़िन्दगी में सिस्टम आपको बदल देता है। मेरा पहला दिन सरकारी दफ्तर में कुछ ऐसा था, जैसे कोई रामायण का पाठ एक अंधेरी गुफा में हो रहा हो। एक तरफ सीनियर बाबू बैठा था, जो 35 साल से पेंशन के इंतज़ार में खुद को फाइल में दबा रहा था। दूसरी तरफ मैं था, जो नए सपने लेकर आया था कि मैं फाइल सिस्टम को डिजिटल बना दूंगा। बाबूजी बोले, "बेटा, फाइल को हाथ से छूने से पहले एक बार प्रणाम कर लेना। ये फाइल नहीं, एक युग है। इसमें इतिहास छुपा है। जैसे राम को वनवास दिया गया, वैसे ही ये फाइल भी कभी एक महीने में, कभी एक साल में अपना अंत पाती है।"मैं हैरान था! फाइल का इतना आध्यात्मिक महत्व! तब समझा, ये जो सरकारी फाइल होती है, वो असली भारत की ज़िन्दगी का प्रतीक है—कभी रफ्तार से चलती नहीं, बस खींचते रहने की चीज़ है। फिर जब सैलरी आई, तो एक अलग ही ज्ञान मिला। पहली सैलरी थी, तो थोड़ा जज़्बा था। सोचा था माँ-बाप के लिए कुछ उपहार ले जाऊंगा। लेकिन सैलरी स्लिप देखी, तो लगा कि ये स्लिप नहीं, किसी गरीब का रोना है। आधे से ज़्यादा पैसे तो टैक्स के नाम पे चले गए।

ऐसे लगा जैसे सरकार आपसे कहती हो, बेटा, हम तुम्हारी परेशानियाँ कम करते हैं, पहले पैसे लेकर तुम्हें और परेशान कर देते हैं। और वैसे भी, सैलरी स्लिप में जो नंबर दिखते हैं, वो असल ज़िन्दगी में कभी काम नहीं आते। ईएमआई , किराया, बिजली का बिल, सब अपनी जगह हाज़िर। जिस सपने के साथ जॉब जॉइन की थी, वो सपना उसी सैलरी स्लिप के बीच दब कर रह गया। सपने से याद आया, हम बचपन में सोचते थे कि "बड़े होकर देश के लिए कुछ करेंगे।"

पर अब लगता है कि देश के लिए नहीं, ईएमआई के लिए सब करना पड़ता है।

ब्रह्मा जी ने रावण को अमरता का वरदान देने से मना किया तो उसने चतुराई से मांगा था वरदान

हिंदू पंचांग के अनुसार, 12 अक्टूबर को दशमी तिथि का आरंभ सुबह 10 बजकर 59 मिनट पर होगा और 13 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर दशमी तिथि समाप्त हो जाएगी। दशहरा का पर्व 12 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा।

रावण दहन का शुभ मुहूर्त

बता दें कि दशहरा पर श्रवण नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है। दशहरा में श्रवण नक्षत्र का विशेष महत्व है। दशहरा का पर्व श्रवण नक्षत्र में मनाने का विधान है। 12 अक्टूबर को सुबह 5 बजकर 24 मिनट पर श्रवण नक्षत्र प्रारंभ हो जाएगा और अगले दिन 13 अक्टूबर को सुबह 4 बजकर 27 मिनट तक रहेगा। रावण दहन के लिए श्रवण नक्षत्र का होना बेहद जरुरी है। इसलिए 12 अक्टूबर को रावण दहन के लिए शुभ मुहूर्त शाम में 5 बजकर 52 मिनट से शाम में 7 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। बता दें कि रावण दहन प्रदोष काल में किया जाता है।

शनिवार, 12 अक्टूबर को दशहरा है। त्रेतायुग में आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर श्रीराम ने रावण का वध किया था। रावण को बुराइयों का प्रतीक माना जाता है। रावण बहुत शक्तिशाली, चतुर और अहंकारी था, इस वजह से ब्रह्मा जी से वरदान मांगते समय भी उसने चतुराई दिखाई थी। रावण, कुंभकर्ण और विभीषण तीनों भाई कठोर तप कर रहे थे, तीनों ब्रह्मा जी को प्रसन्न करके मनचाहे वरदान पाना चाहते थे।

तीनों की कठोर तपस्या से ब्रह्मा प्रसन्न हो गए और इन तीनों असुरों के सामने प्रकट हुए। ब्रह्मा जी ने तीनों से वरदान मांगने के लिए कहा। सबसे पहले ब्रह्मा जी ने रावण से उसकी इच्छा पूछी। रावण ने ब्रह्मा जी से अमर होने का वरदान मांगा, लेकिन ब्रह्मा जी ने इसके लिए मना कर दिया और कहा कि ये सृष्टि के नियमों के विरुद्ध है, जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु जरूर होगी। तुम अमरता के अलावा कोई और वरदान मांग सकते हो। इसके बाद रावण ने सोच-विचार किया। वह खुद को सबसे शक्तिशाली समझता था। उसे लगता था कि कोई मनुष्य और वानर उसे मार नहीं सकेगा। इसलिए उसने ब्रह्मा जी से कहा कि आप मुझे वरदान दीजिए कि मुझे नर और वानर को छोड़कर कोई और न मार सके।

ब्रह्मा जी ने रावण को ये वरदान दे दिया। इसी वरदान की वजह से भगवान विष्णु को सामान्य मानव के रूप में राम अवतार लेना पड़ा। बाद में राम ने वानरों की मदद से रावण का अंत कर दिया।

कुंभकर्ण की बुद्धि पलट दी थी देवी सरस्वती ने

कुंभकर्ण से जुड़ी कई कथाएं हैं। कुंभकर्ण को देखकर ब्रह्मा जी ने सोचा कि इसकी वजह से सृष्टि का पूरा भोजन खत्म हो जाएगा। ब्रह्मा जी ने देवी सरस्वती से निवेदन किया कि वे कुंभकर्ण की बुद्धि पलट दें। देवी ने कुंभकर्ण की बुद्धि पलट दी और उसने वरदान में 6-6 माह सोने का वरदान मांग लिया।

इसके बाद कुंभकर्ण 6 माह सोता था और फिर जागकर भोजन करके फिर से सो जाता था। इस तरह कुंभकर्ण 6 माह में केवल एक बार ही भोजन कर पाता था।

अंत में ब्रह्मा जी विभीषण के पास पहुंचे तो विभीषण ने भगवान की सेवा करने का वरदान मांगा। इसी वरदान की वजह से हनुमान जी ने विभीषण की मित्रता श्रीराम से करवाई थी।

रावण की बुराइयां तो सभी जानते हैं लेकिन उसकी 5 खूबियां कर देंगी हैरान

लंकापति रावण के अवगुणों व अहंकार के बारे में तो सभी जानते हैं लेकिन आपको पता है कि रावण में कुछ ऐसे गुण भी थे जो मनुष्य को सफल बना सकते हैं।

रावण में भी थे गुण

रामायण में रावण एक मुख्य पात्र है जो कि लंका का राजा था। रावण को एक दुष्ट, अहंकारी असुर कहा जाता है और उसने अपने बल की शक्तियों के अहंकार में आकर माता सीता का छल से हरण कर लिया था। इस पाप की सजा उसे भगवान श्री राम के हाथों मृत्यु के रूप में मिली। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ढेरों बुराइयों के बाद भी रावण में कुछ ऐसे गुण थे जो कि हर मनुष्य में होने चाहिए।

महापंडित रावण

लंकापति रावण बहुत ही बलशाली था लेकिन रावण को महापंडित भी माना जाता है। पुराणों के अनुसार जब भगवान राम ने लंका पर आक्रमण से पहले विजय प्राप्ति के लिए यज्ञ कराया तो उसके लिए महान पंडित की खोज शुरू हुई। तब सुग्रीव ने कहा कि लंकापति रावण से बड़ा कोई पंडित नहीं है। फिर रावण को ही भगवान राम के यज्ञ की पूजा के न्योता भेजा गया और पंडित होने के नाते उसने यह निमंत्रण स्वीकार भी किया।

शिवभक्त रावण

रावण राक्षस होते हुए भी प्रकांड विद्वान और महाज्ञानी थी। रावण को महान शिवभक्त भी कहा जाता है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए रावण ने अपनी नसों को तोड़ दिया और उन्हीं नसों को तार की इस्तेमाल करते हुए संगीत बनाया। इसी संगीत से शिव महिमा का बखान करते हुए शिव तांडव स्रोत की रचना की।

राजनीति का ज्ञाता

धर्म शास्त्रों के अनुसार रावण को राजनीति का काफी ज्ञान था और अपनी रणनीतियों के लिए वह प्रसिद्ध भी था। जब रावण मृत्यु शैय्या पर था तब भगवान श्री राम ने अपने भाई लक्ष्मण को राजनीति का ज्ञान लेने के लिए रावण के भेजा था। रावण ने भी लक्ष्मण को राजीति के कई गूढ़ रहस्य बताए और समझाए थे।

शास्त्रों का रचयिता

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि लंकापति रावण ने कई पुस्तकों का भी रचना की है। रावण ने शिव तांडव स्रोत के अलावा अंक प्रकाश, इंद्रजाल, कुमारतंत्र, प्राकृत कामधेनु, प्राकृत लंकेश्वर, ऋग्वेद भाष्य, रावणीयम, नाड़ी परीक्षा आदि पुस्तकों की रचना की थी।

विजयादशमी के दिन नीलकंठ पक्षी के दर्शन से चमकेगा भाग्य

दशहरे के दिन खंजन, यानी नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना बड़ा ही शुभ माना जाता है। कहते हैं नीलकंठ पक्षी के दर्शन से आपके सभी बिगड़े काम सही हो जाते हैं और आपके जीवन में सुख समृद्धि भी आती है।

दर्शन होने पर करें इस मंत्र का जाप

दशहरे के दिन नीलकंठ पक्षी के दिखने पर इस मंत्र से उसे संबोधित करना चाहिए-

"कृत्वा नीराजनं राजा बालवृद्धयं यता बलम। शोभनम खंजनं पश्येज्जलगोगोष्ठसंनिधौ।। नीलग्रीव शुभग्रीव सर्वकामफलप्रद। पृथ्वियामवतीर्णोसि खञ्जरीट नमोस्तु तो।।"

कहां है नीलकंठ के दर्शन का उल्लेख

तिथितत्व के पृष्ठ 103 में खंजन पक्षी के देखे जाने के बारे में जबकि वृहत्संहिता के अध्याय 45 में खंजन के कब किस दिशा में दिखने से मिलने वाले फल के बारे में विस्तार से बताया गया है।

अगर ना दिखे नीलकंठ तो करें ये काम

आजकल आसमान में पक्षी कम ही दिखने को मिलते हैं। ऐसे में दशहरे के दिन खंजन पक्षी का दिखना थोड़ा कठिन है तो आप ऐसा कर सकते हैं कि उसका चित्र इंटरनेट से डाउनलोड करके उसका दर्शन कर लें।

क्या मिलता है फल

हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है कि दशहरा के दिन अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जायें तो वह अत्यंत ही शुभ है। कहते हैं नीलकंठ पक्षी के दर्शन से आपके सभी बिगड़े काम सही हो जाते हैं और आपके जीवन में सुख समृद्धि भी आती है।

दशहरे के दिन इन बातों का रखें ध्यान

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरे का पर्व मनाया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 12 अक्टूबर दिन शनिवार को है। दशहरे के दिन भगवान राम ने रावण का और मां दुर्गा नौ दिन के युद्ध के बाद महिषासुर का अंत किया था, इसलिए इस पर्व को विजयादशमी के नाम से भी जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरे के दिन कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा जीवन में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं दशहरे या विजयादशमी के दिन किन बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए...

इस दिन ना करें वाद विवाद

दशहरे के दिन का काफी धार्मिक महत्व है, इस दिन माता रानी की विदाई की जाती है। इसलिए भूलकर इस दिन किसी से वाद विवाद नहीं करना चाहिए, ऐसा करने से घर और जीवन में नकारात्मकता अपने पैर जमा लेती है और हर तरह निराशा ही देखने को मिलती है। साथ ही माता रानी की पूजा का पुण्य फल भी प्राप्त नहीं हो पाता है। इस दिन हर किसी से प्रेम से बोलना चाहिए और दूसरों की मदद भी करनी चाहिए।

पेड़ पौधे काटना अशुभ

दशहरे के दिन शमी, पीपल, अपराजिता समेत कई पेड़ पौधों की पूजा करने का विधान है इसलिए इस दिन भूलकर पेड़ पौधे नहीं काटने चाहिए। पेड़ पौधे काटने से ना सिर्फ जीवन में परेशानियां आती हैं बल्कि ग्रह-नक्षत्रों के अशुभ प्रभाव का भी सामना करना पड़ता है। संभव हो सके तो दशहरे के दिन घर में जितने सदस्य हैं, उतने पेड़ पौधे लगाने चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि आती है और देवी देवताओं की कृपा भी प्राप्त होती है।

तामसिक चीजों से दूर रहें

दशहरे का दिन बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है इसलिए यह दिन बहुत पवित्र माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरे के दिन मांस-मदिरा आदि तामसिक चीजों से दूर रहना चाहिए, ऐसा करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और इसको आदत भी बना लेनी चाहिए। दशहरे का दिन हो या अन्य पवित्र दिन हमेशा सात्विक भोजन ही करना चाहिए।

किसी का अपमान करने से बचें

दशहरे के दिन भूलकर भी किसी का अपमान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने आपके जीवन की सबसे बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि अहंकार और घमंड में आकर अपमान करने से माता रानी की विशेष कृपा प्राप्त नहीं हो पाती। घर या घर के बाहर हमेशा अच्छे से बात करनी चाहिए और सभी का आदर करना चाहिए। कभी कभी दूसरों के मन के अनुसार काम करने से आप उनको अनचाही खुशी दे जाते हैं इसलिए इस दिन किसी का अपमान नहीं करना चाहिए।

कटु वचन बोलने से बचें

दशहरे का दिन हमे असत्य पर सत्य की जीत का संकेत देता है इसलिए इस दिन भूलकर भी झूठ या कटु वचन नहीं बोलना चाहिए। झूठ या कटु वचन बोलने से हम नए नए शत्रु बनाते हैं, जो आपके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसको आदत भी बना लेना चाहिए कि किसी से भी ना तो झूठ बोलें और ना ही कटु वचन बोलें। यह आदत आपको जीवन में बहुत आगे ले जाएगी और माता रानी की भी विशेष कृपा बनी रहेगी।

दुर्गा के हाथों महिषासुर वध के क्या हैं मायने ?

हर वर्ष दुर्गा पूजा के समय टीवी चैनलों पर दुर्गा को महिषासुर का भाले से वध करते हुए दिखाया जाता है और साथ में शो का एंकर कहता है, 'दिस इज़ द इटरनल बैटल व्हेन गुड विन्स ओवर ईविल।' कई दशकों से मैं यही वाक्य सभी अंग्रेजी टीवी चैनलों पर सुनता आया हूं। लेकिन फिर मैं इस सोच में पड़ जाता हूं कि क्या 'ईविल' शब्द को हिंदी या फिर किसी भी भारतीय भाषा में अनूदित किया जा सकता है?

मैं यह सवाल कई लोगों से पूछता हूं। सभी कहते हैं कि यह निश्चित ही किया जा सकता है। फिर बड़ी देर तक शांत रहने के बाद वे कई शब्द बोलते हैं, जिनके अर्थ दुष्ट, बुरा, खराब, पापी, अश्लील और अनुचित हैं। लेकिन ईविल के लिए सटीक हिंदी शब्द वे नहीं बता पाते।

आम मान्यता के विपरीत ईविल की धारणा सांस्कृतिक है जो केवल उन संस्कृतियों में पाई जाती है जिनका एक जीवन में विश्वास है, उदाहरणार्थ अब्राहमी धर्मों में। गॉड की अनुपस्थिति को ईविल कहते हैं। भगवद गीता के ग्यारहवें अध्याय के अनुसार जो कुछ भी विद्यमान है वह परमात्मा है। इस प्रकार, ऐसा कुछ भी नहीं है जिसमें देवत्व नहीं है और इसलिए हिंदू धर्म में ईविल की धारणा नहीं है। ईविल का एक और अर्थ बिन कारण वाली कोई नकारात्मक क्रिया है। चूंकि हिंदू धर्मावलंबी पुनर्जन्म में विश्वास रखते हैं, इसलिए हम कह सकते हैं कि कोई भी नकारात्मक घटना कर्म के कारण हुई है। इस प्रकार, चूंकि सभी घटनाओं का कोई कारण होता है, इसलिए कुछ भी ईविल नहीं हो सकता।

यही कारण है कि जिन हॉलीवुड फिल्मों में वैम्पायर दिखाए जाते हैं, उन्हें बॉलीवुड में रीमेक नहीं किया जा सकता। हॉलीवुड की ये फिल्में ईविल के विश्वास पर स्पष्टतया आधारित होती हैं, एक ऐसा विश्वास जो भारत और विशेषकर हिंदू विश्वदृष्टि में नहीं पाया जाता। दुर्भाग्यवश, पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली के फैलाव और अनुवादकों के अज्ञान के कारण ये पाश्चात्य विचार बॉलीवुड फिल्मों में दिखाए जाने लगे हैं।

तो कौन है महिषासुर? क्या असुर वास्तव में भयानक प्राणी हैं? हिंदू आख्यान शास्त्र के अनुसार मानवों और देवों की तरह असुर भी एक प्रकार के जीव हैं। तीनों जीव ब्रह्मा के पुत्र प्रजापति कश्यप के पुत्र हैं। असुर दनु के पुत्र हैं और इसलिए दानव कहलाते हैं। वे धरती के नीचे हिरण्यपुरा नामक शहर में रहते हैं। देव आकाश के ऊपर अमरावती नामक शहर में रहते हैं। और मानव, अर्थात मनु के पुत्र, जिन्हें मनस या कल्पनाशक्ति का आशीर्वाद मिला है, धरती पर रहते हैं। देव और असुर आपस में कट्टर शत्रु हैं। वे हमेशा लड़ते रहते हैं।

विष्णु ने देवों को अमृत देकर अमरत्व प्रदान किया है, इसलिए देवों का वध नहीं किया जा सकता। शिव ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य को संजीवनी विद्या प्रदान की है। इस विद्या से शुक्राचार्य मृत असुरों को पुनर्जीवित करते हैं। इस प्रकार असुरों ने मृत्यु पर जीत पाई है।इसलिए पुराणों में ऐसी कई कहानियां हैं, जिनमें शुरू में असुर देवों को वश में करते हैं और अंत में देव असुरों पर जीत प्राप्त करते हैं। देव अपने दम पर या फिर परमात्मा की सहायता से असुरों को वश में करते हैं। देवों की मदद करने के लिए परमात्मा कई रूप लेते हैं। शिव पुराण में शिव देवों को अंधकासुर को हराने में मदद करते हैं। विष्णु पुराण में विष्णु की मदद से देव मधु और कैटभ नामक असुरों को परास्त करते हैं। स्कंद पुराण में शिव के पुत्र कार्तिकेय तारकासुर को हराते हैं। देवी पुराण में देवी महिषासुर का वध करती हैं। स्पष्टतया असुर पुनर्जीवित होते रहते हैं। वर्षा ऋतु और अन्य ऋतुओं की तरह वे भी लौटते रहते हैं।

इसलिए दशहरे के समय दुर्गा के हाथों महिषासुर के वध की व्याख्या इस तरह से की जा सकती है कि वह धरती के प्रजनन चक्र का संकेतक है। वर्षा ऋतु के बाद फसल कटाई के साथ इस प्रजनन चक्र का अंत होता है। संजीवनी विद्या की मदद से अगले वर्ष धरती पुनर्जीवित होगी और असुर फिर से उठ खड़े होंगे। उनका फिर से वध होगा और हमें भोजन मिलेगा।

जीने के साथ हमें सीखते भी रहना है : सोलोन

1. आप जो भी करते हैं, उसमें अंत ही सबसे खास होता है।
2. किसी भी कार्य को करने का कारण खास होता है, उस वजह को अपना मार्गदर्शक बनाइए।
3. न्याय मिलने में देर संभव है, लेकिन वह मिलेगा जरूर।
4. पैसा कमाने की चाह होने में कोई बुराई नहीं, लेकिन गलत तरीके से कमाना अच्छा नहीं है।
5. दोस्त को सलाह दें तो मकसद केवल उसकी मदद करना होना चाहिए, उसे खुश करना कतई नहीं।
6. कानून एक मकड़ी के जाले की तरह है जिसमें कोई कमजोर और बीमार आ फंसता है तो मारा जाता है। शक्तिशाली और बलवान इस जाल तोड़ कर भाग निकलता है। इसलिए शक्तिशाली बनें।

सोलोन का जन्म 640 बीसी हुआ और निधन 558 बीसी में।

7. जिसे आज्ञा का पालन करना आ जाता है, वो आदेश भी दे सकता है।
8. दोस्त की निंदा हमेशा अकेले में होना चाहिए, लेकिन सराहना भीड़ में कीजिए।
9. जीने के साथ लगातार सीखते रहना जरूरी है। यह यकीन ठीक नहीं कि उम्र अपने साथ बुद्धि भी ले आएगी।

उससे बहुत 'प्यार' करती हूं : रश्मिका

साऊथ की फिल्मों के साथ ही हिन्दी फिल्मों में अपना विशेष सा मुकाम बनाने वाली रश्मिका मंदाना साऊथ के साथ कई बड़े बजट वाली हिन्दी फिल्मों में नजर आएगी, जिनमें छत्रपति संभाजी महाराज की बायोपिक 'छावा' में वह विक्की कौशल, सलमान खान के अपोजिट फिल्म 'सिकंदर' और 'पुष्पा-2' में एक वार फिर अल्लू अर्जुन के अपोजिट अभिनय करेगी।

अपने बारे में कुछ बताएंगी ?

मेरा जन्म 5 अप्रैल को कर्नाटक के विराजपेट में हुआ। पिता मदन मंदाना व्यापारी तो मां सुमन मंदाना गृहिणी हैं। मेरी छोटी बहन शिमन और मुझ में पूरे 16 वर्षों का फासला है। मैं अरसे बहुत ज्यादा प्यार करती हूं।

फिल्मी पृष्ठभूमि न होने के बावजूद फिल्मों में आपका कैसे आना हुआ?

कुर्ग के पब्लिक स्कूल से दसवीं की पढ़ाई करने के बाद मैंने मैसूर इंस्टीच्यूट में दाखिला लिया। पढ़ाई के दौरान ही मुझे मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। कई प्रतिष्ठित ब्रांड्स में मेरा चेहरा नजर आने लगा और 2014 में क्लीन एंड क्लियर ब्रांड की 'फ्रेश फेस ऑफ इंडिया' बनते ही मुझे फिल्मों के ऑफर्स मिलने लगे।

आपका करियर कैसे आगे बढ़ा?

मॉडलिंग के जरिए मेरा चेहरा जाना-पहचाना बन चुका था। 4 करोड़ में बनी कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' ने 50 करोड़ का बिजनैस किया। इस फिल्म के लिए मुझे बैस्ट डेब्यू फिल्म एक्ट्रैस का पुरस्कार मिला और मुझे लक्की अभिनेत्री माना जाने लगा।

साऊथ से हिन्दी फिल्मों का सफर कैसा रहा?

- साऊथ की फिल्मों में मैं जब काम कर रही थी, उस दौरान मैं हिन्दी सीख रही थी। मुझे भाषा एं सीखने में रुचि है। वैसे भी

साऊथ की अभिनेत्रियों का हिन्दी फिल्मों में और साऊथ की फिल्मों में हिन्दी फिल्म अभिनेत्रियों द्वारा काम करना कोई नई बात नहीं है। मैं इकलौती नहीं हूं जिसने हिन्दी फिल्मों में अपना मुकाम बनाया। * किस तरह की परेशानियों से आपको दो-चार होना पड़ा? - कोई भी कलाकार ऐसा नहीं है, जो रिजैक्शन से न गुजरा हो।

वैसे तो मुश्किलें हर क्षेत्र में अती हैं, लेकिन दिक्कतों में भी साहस और दूहता का साथ मैंने न हीं छोड़ा। मुझे इस बात की खुशी है कि बिना किसी गॉडफादर के मेरा सफर आगे बढ़ता रहा।

फिल्म' पुष्पा' और 'एनिमल 'की सफलता के बाद करियर में क्या बदलाव आया ?

फिल्म की सफलता का फायदा फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति को मिलता है। एक फिल्म की सफलता कलाकार को और भी फिल्में दिलाने में मददगार साबित होती है, यह बड़ा फायदा है। सच कहूं तो यह बहुत ही खूबसूरत एहसास है। 'पुष्पा' मेरा सबसे पसंदीदा और प्यारा प्रोजैक्ट था। श्रीवालों के तौर पर शूटिंग करने में मुझे बहुत मजा आया। मैं आज भी कहीं जाती हूं तो लोग मुझे मेरे किरदार से जानते हैं। शानवी, लिली, श्रीवली और अब गीतांजलि (एनिमल) तो यह बहुत ही खूबसूरत अनुभव है और सच बताऊं तो अपने किरदारों के नाम से जाने जाना हो सबसे कमाल का अनुभव है।

अपने करियर से आप कितनी संतुष्ट हैं?

समाधान होने और संतुष्ट होने में बड़ा अंतर है। जिस तरह से में फिल्में और विज्ञापन फिल्में कर रही हूँ उससे मुझे समाधान जरूर मिला लेकिन मैं संतुष्ट नहीं हूं, क्योंकि मुझे आगे बढ़ना है। अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनना है।

आगे आप किन फिल्मों में नजर आने वाली है।

मेरी फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' रिलीज के लिए तैयार है। इसमें अल्लू अर्जुन और फहाद फासिल लीड रोल में हैं। यह 6 दिसम्बर को तेलुगु, तमिल, हिन्दी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इसमें मैं फिर से श्रीवाली की भूमिका में नजर आऊंगी। इसके अलावा, मैं शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित धनुष स्टारर 'कुबेर' में भी दिखाई दूंगी, जिसमें अक्किनेनी नागार्जुन, दलीप ताहिल और जिम सर्भ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मुझे सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' के लिए भी चुना गया है, जिसे 'गजनी' फेम निर्देशक ए. आर. मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में काजल अग्रवाल और सत्यराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं छत्रपति संभाजी महाराज की बायोपिक' छावा' में मैं विक्की कौशल के साथ काम कर रही हूं।

अदिति राव हैदरी की 'अंगूठी' है बेहद खास

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और अपनी अदाकारी से प्रसिद्धि पाने वाली अदिति राव हैदरी और साऊथ के एक्टर सिद्धार्थ एक-दूजे के हो चुके हैं। तेलंगाना के वानापर्थी में मौजूद 400 वर्ष पुराने श्रीरंगपुर मंदिर में इन्होंने गुपचुप शादी रचाई, जिसमें उनके परिवार के सदस्य ही शामिल हुए। दोनों ने शादी के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कों, जो तेजी से वायरल हो गई। इसके साथ ही उन्होंने एक-दूसरे के लिए प्यारा-सा नोट भी लिखा। अदिति के पारंपरिक आभूषणों के साथ, उसकी उंगली पर बड़े- बड़े हीरों वाली उसकी अंगूठी ने भी लोगों का ध्यान खुब आकर्षित किया। इस खास अंगूठी को 'तोई एत मोई' के रूप में जाना जाता है। इसे 'डबल डायमंड रिंग' भी कहा जाता है। आभूषण डिजाइनर इसके बारे में बताती हैं, इसका अनुवाद 'आप और मैं' है। यह डिजाइन दो इंसानों के मिलन को दर्शाता है। यह उनकी सांझी यात्रा और उनके द्वारा बनाए गए अनूठे बंधन को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की अंगूठी में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले दो पत्थर प्रेम के द्वंद्व और दो अलग-अलग आत्माओं के एक होने का प्रतीक हैं। इस अंगूठी का इस्तेमाल अक्सर सगाई या शादी की अंगूठी के रूप में किया जाता है, जो जोड़े के बीच सांझा किए गए प्यार और प्रतिबद्धता की याद दिलाती है। अंगूठी का यह डिजाइन 18वीं शताब्दी का है, लेकिन फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा 1796 में अपनी प्यारी पत्नी फ्रांस की महारानी जोसेफिन डी ब्यूहरनैस को दिए जाने के बाद यह बहुत लोकप्रिय हो गई। इस अंगूठी में दो प्रेमियों की तरह एक नीलम और एक हीरा एक साथ जड़ा हुआ था। उनकी शादी 1810 में रद्द हो गई लेकिन 'तोई एत मोई' अंगूठी शाश्वत प्रेम और एकता की प्रतीक बन गई।

वह मेरे 'बैडरूम' में आना चाहता था : मल्लिका शेरावत

मल्लिका शेरावत 7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर रही है, वह भी कॉमेडी में। वह फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आने वाली है। हाल ही में मल्लिका ने एक इंटरव्यू में एक हीरो पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। उसका कहना है कि एक हीरो आधी रात को उसके बैडरूम में आने की कोशिश करता था। यह एक कॉमेडी फिल्म की शूटिंग के दौरान हुआ था। दुबई में थी शूटिंग मल्लिका ने कहा, मैं दुबई में एक बड़ी फिल्म की शूटिंग कर रही थी, जो मल्टीस्टार थी। यह सुपरहिट फिल्म रही और लोगों ने इसे काफी पसंद किया था। मैंने इसमें एक कॉमेडी रोल किया था। उस फिल्म का हीरो रात 12 बजे मेरे बैडरूम का दरवाजा खटखटाता था। वह भी इस तरह कि मुझे लगता था कि वह दरवाजा तोड़ देगा क्योंकि वह मेरे बैडरूम में आना चाहता था और मैं सोचती थी, नहीं ऐसा नहीं होने वाला। उसके बाद उस हीरो ने मेरे साथ कभी काम नहीं किया।

जब फोटोग्राफर ने लिया गलत नाम

हाल ही में उसका एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह एक फोटोग्राफर से नाराज दिखी। दरअसल, फोटोग्राफर ने उसके नाम की जगह गलती से उसे मलाइका कह कर पुकार डाला। सने जैसे ही उसको 'मलाइका मैम...' कहा तभी मल्लिका तुरंत कहती हुई नजर आई "अरे, मैं मत्रिका हूं... कोई इसके कान खींचो।

मुझे जगह चाहिए दर्शकों के दिल में : जाह्नवी

जाह्नवी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उसने लास एंजल्स जाकर एक्टिंग स्कूल से कुछ नहीं सीखा। अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए उसने कहा, मैंने वहां कुछ नहीं सीखा। मैं मानती हूं कि कैलिफोर्निया 'मजेदार' और वहां का स्कूल 'महान' था, फिर भी मेरे लिए स्कूल का एक्सपीरियंस कुछ खास नहीं रहा। मैं पहली बार एक ऐसे माहौल में थी, जहां मुझे कोई भी किसी की बेटी के रूप में नहीं पहचानता था। सच कहूं तो यह गुमनामी - बहुत ताजगी भरी थी।

जिस स्कूल से मैंने पढ़ाई की, उसका फॉर्मेट इस बात पर आधारित था कि हॉलीवुड कैसे काम करता है, हॉलीवुड में ऑडिशन किस तरह से होते हैं, वहाँ कास्टिंग के लोगों से कैसे मिलते हैं। मुझे स्कूल में पढ़ाई के दौरान एहसास हुआ कि हालांकि स्कूल मैथड एक्टिंग पर बेस्ड था, लेकिन मैं खुद एक मैथड एक्टर नहीं थी।

जाह्नवी ने भारत के लोगों को जानने की ख्वाहिश जाहिर करते हुए कहा, काश मैं वह साल भारत के लोगों, यहां की भाषा को बेहतर तरीके से जानने में लगाती। मुझे ऐसा लगता है. फिल्मों में में अपने देश के लोगों की कहानियां बताती हूं न कि विदेशी लोगों की। काश मैं उस समय अपने देश में ही रहती और ऐसी चीजें कर पाती, जो मुझे अपने देश के लोगों से जोड़ती हैं। जब मैंने 'धडक' फिल्म के लिए शूटिंग शुरू की थी, तब मुझे महसूस हुआ कि मेरे लिए केवल एक चौज मायने रखती है, वह है- अपने देश की कहानिया।

जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म देवरा पार्ट 1' को लेकर सुर्खियों में है। इस तेलुगु फिल्म के साथ उसने साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया है।

जिस तरह से उसकी मां स्वर्गीय श्रीदेवी अपनी अदाओं, कमाल की एक्टिंग और स्टारडम के चलते बॉलीवुड में छा गई थी और हर फिल्म में उसकी अदा दर्शकों को पसंद आती थी, उसी तरह से अब उसकी बेटी जाह्नवी भी मायानगरी में फिल्म दर फिल्म अपने कदम जमाती जा रही है। जाह्नवी ने अपने मां के दिखाए रास्ते को ही चुना और हर खास मौके पर वह मां को याद करती है। लोगों को भी उसमें श्रीदेवी की छवि दिखने लगी है। हाल में ही एक इवेंट में जाहवी अपनी मां की तरह तमिल में बात करती नजर आई। इसका वीडियो तेजी से वा व र ल हो गया

जिसमें उसकी फिल्म 'देवरा : पार्ट 1' का हीरो जूनियर एन. टी. आर. भी नजर आ रहा है।

वह जाह्नवी को तमिल बोलता देख हैरत में पड़ गया और उसे एकटक मुस्कुराते हुए देखता रह गया। जाह्नवी ने चेन्नई में तमिल में बात की और कहा कि चेनई उसके लिए खास है, खासकर इसलिए, क्योंकि उसकी मां दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की इस शहर से बहुत प्यारी यादें जुड़ी हुई हैं। उसने तमिल में कहा, मुझे उम्मीद है कि आप मुझे भी वही प्यार देंगे जो आपने मेरी मां को दिया था। आपका प्यार ही वह चीज है, जिसकी वजह से हम आज यहां हैं और मैं हमेशा आप सभी की आभारी रहेंगी। जाह्नवी ने यह भी कहा कि वह अपनी मां की तरह मेहनती बनना और श्रीदेवी की तरह दर्शकों के दिलों में जगह बनाना चाहती है। उसने जल्द ही एक तमिल फिल्म का हिस्सा बनने की अपनी इच्छा के बारे में भी बताया।

एक प्रशंसक ने कहा, मैं उसे तमिल में धाराप्रवाह बोलते देखकर बहुत हैरान था। एक अन्य ने लिखा, वाह तमिल पर उसकी पकड़ बहुत अच्छी है। एक ट्वीट में लिखा था, हिन्दी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी... आपने और किन भाषाओं में महारत हासिल की है?

इस फिल्म में आएगी नजर जाह्नवी वरुण धवन के साथ फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' कर रही है। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल भी हैं। यह फिल्म अगले वर्ष रिलीज होगी। जाह्नवी से प्र भा वि त जू नि य र एन.टी.आर. फि ल्म 'देवरा पार्ट वन' के हीरो और साऊथ के बड़े सितारे जूनियर एन.टी.आर. ने जाह्नवी के बारे में कहा, जब मैंने जाह्नवी को देखा तो मैं चौंक गया। यह लड़की मुंबई से आई है. इसे क्या पता होगा। हालांकि उसकी जड़ें दक्षिण भारत में हैं, तमिल व तेलुगु में बोलना कभी-कभी कठिन होता है लेकिन उसने मुझे बहुत प्रभावित किया। वहीं जाह्नवी का कहना था कि फिल्म के सैट पर उसकी तुलना टेप रिकॉर्डर से की जाती थी क्योंकि वह अपने संवाद बहुत अच्छी तरह याद कर लेती थी। उसने कहा, मुझे सैट पर टेप रिकॉर्डर कह कर बुलाते थे।

अभी 'सिंगल' हूं मैं : तारा सुतारिया

तारा सुतारिया भले ही बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री है, लेकिन इस समय उसके हाथ में फिल्मों की कमी नजर आ रही है। प्रोफैशनल लाइफ को लेकर न सही लेकिन अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर वह सुर्खियों में रहती है। कुछ दिन पहले अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि वह अरुणोदय के साथ रिश्ते में है। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया था।

तारा गत दिनों अपने कथित एक्स ब्वॉयफ्रेंड आदर जैन की सगाई को लेकर चर्चा में थी। इसके तुरंत बाद ही तारा का नाम अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ जुड़ने लगा। अब उसने खुद चुप्पी तोड़ इन र सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

कुछ दिन पहले अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि वह अरुणोदय के साथ रिश्ते में है। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया था और यह पहली बार है, जब तारा ने उसके साथ अपने रोमांस की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है।

तारा ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह सिंगल है। अरुणोदय के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए तारा ने कहा, अरुणोदय मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं सिंगल हूं। इससे पहले सामने आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वह अरुणोदय को डेट कर रही है और यह भी दावा किया गया कि दोनों डेढ़ साल से एक साथ हैं।

वहीं तारा इससे पहले रणबीर कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर रही थी और दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक भी कर दिया था, हालांकि यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला।

करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली तारा ने इससे पहले एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुल कर बात करते हुए बताया था कि वह अपने रोमांस की अटकलों को किस तरह से देखती है।

जब उससे पूछा गया कि क्या ऐसी खबरों का उस पर या उसके माता-पिता पर प्रभाव पड़ता है तो उसका कहना था, नहीं, मेरे पास दुनिया के सबसे अच्छे माता-पिता हैं। जब वे मेरे बारे में ये सब बातें पढ़ते हैं, तो वे मेरे पास आते हैं और हम एक कप चाय के साथ इन खबरों पर खूब हंसते हैं। हम आए दिन 'एक्स', 'वाई' या 'जैड' के साथ मेरी जोड़ी बनने के बारे में पढ़ते रहते हैं।

उसने बताया, गत वर्ष फिल्म ' अपूर्वा' की रिलीज के साथ बहुत कु छ सीखने को और नयापन मिला है। यह मेरे जीवन का सचमुच एक विशेष समय रहा है। पूरे साल बहुत सारे उ ता र - च ढ़ा व आए।

सो श ल मीडिया में अनाड़ी हूं

सोशल मीडिया पर मेरे फैन्स भले तेजी से बढ़े हों लेकिन मुझे यह ज्यादा पसंद नहीं आता। मैं थोड़ी आंटी टाइप गर्ल हूं। मुझे लम्बे समय तक इंस्टाग्राम समझ नहीं आया था। खैर, अब थोड़ा-थोड़ा यह पसंद आ रहा है लेकिन ट्विटर तो मेरे ऊपर से निकल जाता है। मुझे समझ में नहीं आता कि लोग फोन का इतना इस्तेमाल कैसे कर लेते हैं। अनन्या (पांडे) की मोबाइल पर बहुत ते ज उंगलियां चलती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी हमेशा एक्टिव रहती है लेकिन यह मेरे ज्यादा पल्ले ही नहीं पड़ता।

मैं बिल्कुल नहीं बदली

अक्सर लोग मुझसे कहते हैं कि तुम काफी बदल गई हो लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। मैं जैसी पहले थी, वैसी ही हूं। मैं जब डिज्नी के शो में आती थी, तब 14-15 साल की थी। अब मैं 28 साल की हो गई छूतो कुछ तो बदलाव आएगा ही। नैचुरली मुझमें चेंज आए। हों, लेकिन बेसिकली मैं पहले जैसी ही हूं। मैं बिल्कुल नहीं बदली हूं।

इसी का था इंतजार

आने वाले समय में अपनी सक्रिप्ट और फिल्मों के चयन के सवाल पर तारा कहतीहै, मेरी पिछली - फिल्म ने इस क्षेत्र में और अधिक प्रोजैक्ट्स की संभावना के संदर्भ में पहले ही इतने सारे दरवाजे खोल दिए हैं कि यह मुझे एक बॉक्स में नहीं रखता। इंडस्ट्री में इतने सारे लोगों के बीच एक बड़ी बातचीत हो रही है, जिससे मुझे बहुत खुशी होती है। अब मुझे जिस तरह की सक्रिप्ट और कहानियां मिल रही हैं, वे बिल्कुल उसी तरह की चीजें हैं, जिनका मैं इंतजार कर रही थी।

पिछली फिल्म 'अपूर्वा' में अपने काम की हुई तारीफ के बारे में तारा से पूछा गया कि क्या इससे आत्मविश्वास पैदा करने में मदद मिली है, तो उसने कहा, ₹जब मान्यता और आत्मविश्वास की बात आती है, तो वह हमेशा मेरे अंदर था।

मुझे बस उस स्किल सैट को प्रदर्शित करने के लिए सही प्रोजैक्ट और अवसर की आवश्यकता है, जो मेरे पास हमेशा से था।लेकिन उसने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग कभी उसकी एक्टिंग स्किल और क्षमता को उस इमेज से आगे नहीं देख पाए, जिसके लिए वह जानी जाती है। उसने कहा, मुझे यह पहले नहीं पता था।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि मैं हमेशा से ऐसी ही रही हूं, लेकिन लोग इसका फायदा नहीं उठा पाए या मुझे एक कलाकार व अभिनेता के रूप में इस तरह की जगह पर नहीं देख पाए। मैं आभारी हूं कि यह अब हो रहा है। मैंने 6 फिल्में की हैं और मुझे अभी लंबा सफर तय करना है।

'टाटा' के कारण ही पहली बार ओलंपिक में जा पाया था भारत मुश्किल समय में क्रिकेट का भी सहारा बने थे रतन टाटा

भारतीय बिजनेसमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा से लेकर भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा तक ने शोक जताया। सभी ने रतन टाटा के साथ अपने अनुभवों को शेयर किया। टाटा ग्रुप 100 सालों से भी ज्यादा समय से भारतीय खिलाड़ियों को सपोर्ट करता है। चाहे ओलंपिक हो या क्रिकेट, टाटा ग्रुप का रोल हमेशा रहा।

भारत को ओलंपिक पहुंचाने में था अहम रोल

भारत ने पहली बार 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में हिस्सा लिया। इसमें दोराबजी टाटा का अहम रोल था। 1919 में दोराबजी भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। उन्होंने मुंबई के गर्वनर को ओलंपिक में भारतीय टीम को भेजने के लिए तैयार किया। 1920 में भारत को ओलंपिक में जाने की अनुमति मिली। इन खिलाड़ियों को भेजने के लिए सबसे ज्यादा पैसा दोराबजी ने ही दिया था। भारत ने पांच खिलाड़ियों को भेजा जिन्होंने रेसलिंग और एथलेटिक्स में हिस्सा लिया।

1996 में की क्रिकेट में एंट्री

सिर्फ ओलंपिक ही नहीं टाटा ग्रुप ने क्रिकेट के उत्थान में भी अहम रोल निभाया। 1996 में रतन टाटा ने पहली बार क्रिकेट की दुनिया में रखा। उन्होंने टाइटन कप के नाम से त्रिकोणीय सीरीज को स्पॉन्सर किया जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने हिस्सा लिया। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को जीत मिली थी। साल 2000 में फिक्सिंग विवाद के बाद रतन टाटा पीछे हट गए।

2020 में बने आईपीएल का सहारा

साल 2020 में उन्होंने फिर से क्रिकेट में वापसी की। इस बार उन्होंने आईपीएल की नैया पार की। साल 2020 में भारत और चीन के बीच बढ़ते राजनीतिक विवाद के कारण फोन कंपनी वीवो ने आईपीएल के साथ स्पॉन्सरशिप का करार बीच में ही खत्म कर दिया। उस समय रतन टाटा ने दुनिया की सबसे बड़ी लीग को स्पॉन्सर करने का फैसला किया। सिर्फ यही नहीं उन्होंने 2023 से शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग को भी स्पॉन्सर किया। महिला क्रिकेट में एक नई शुरुआत की नींव रखी।

अब टेनिस कोर्ट पर नहीं दिखेगा लाल बजरी का बादशाह अपनी रिटायरमेंट स्पीच में क्या बोले राफेल नडाल

टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने आखिरकार अपने करियर को अलविदा कह दिया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके फैंस से यह जानकारी साझा की।

राफेल नडाल ने वीडियो शेयर किया संन्यास का ऐलान

राफेल नडाल ने वीडियो में बताया कि उन्होंने बहुत सोचकर यह फैसला किया है। उनके करियर का आखिरी मैच डेविस कप का फाइनल होगा। यह वही टूर्नामेंट है जहां से उन्होंने अपने करियर की सफलता का दौर 2004 में शुरुआत हुआ था।। राफेल नडाल ने वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने बताया कि बीते दो साल उनके लिए बहुत मुश्किल रहे हैं। वह अपना 100 प्रतिशत नहीं दे पाए और इसी कारण यह मुश्किल फैसला ले रहे हैं। नडाल ने पोस्ट के कैप्शन में 12 भाषाओं में सभी को धन्यवाद कहा।

अपने रिटायरमेंट की जानकारी देने वाली पोस्ट में राफेल नडाल ने कहा, 'सभी को नमस्कार। मैं यहां आप लोगों को कुछ जानकारी देने आया हूं। मैं पेशेवर टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। हकीकत यह है कि पिछले कुछ साल काफी कठिन रहे, खासकर पिछले दो साल। मुझे नहीं लगता कि मैं खुलकर खेल पाया। यह कठिन फैसला था जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा। लेकिन जीवन में हर चीज की एक शुरुआत और एक अंत होता है।'

राफेल नडाल ने कहा, ' और मैं सोचता हूं कि करियर को विराम देने का यह बिल्कुल उपयुक्त समय है। मैंने जितना सोचा था यह उससे ज्यादा लंबा रहा और उससे ज्यादा सफल भी। लेकिन मैं डेविस कप में अपने देश के लिए खेलते हुए टेनिस को अलविदा कहने को लेकर काफी रोमांचित हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं अपने आप को बहुत-बहुत भाग्यशाली समझता हूं कि मुझे यह सबकुछ अनुभव करने को मिला। मैं पूरी टेनिस इंडस्ट्री को धन्यवाद कहना चाहता हूं, उन सभी लोगों को जो इससे जुड़े हुए हैं हैं। मैं अपने विरोधियों को खास धन्यवाद कहना चाहता हूं जिनके साथ मैंने कोर्ट पर कई घंटे समय बिताया, अच्छे लम्हें बिताए हैं। मैं इसे हमेशा याद रखूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए अपनी टीम के बारे में बात करना बहुत मुश्किल है क्योंकि वह मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। वह बस कलीग नहीं है मेरे दोस्त हैं जो हर उस समय मेरे साथ रहे जब मुझे जरूरत है।'

परिवार और विरोधियों को दिया धन्यवाद

उन्होंने करियर में साथ देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विरोधियों को भी धन्यवाद दिया जिनके साथ उन्होंने करियर का लंबा समय बिताया। नडाल ने रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के साथ बिताए पलों का वीडियो शेयर किया। उन्होंने अपनी मां को धन्यवाद कहा। नडाल ने कहा कि मां के त्याग के कारण वह यहां तक पहुंच पाए हैं। साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी मैरी को भी शुक्रिया कहा जो कि 19 साल से

उनके साथ है। नडाल के मुताबिक उनके अंकल ने करियर में अहम भूमिका निभाई जिनके कारण उन्होंने टेनिस खेलना शुरू किया था।

राफेल नडाल के खिताब

राफेल नडाल ने अपने करियर में 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। इसमें 12 फ्रेंच ओपन, दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन, दो विंबलडन और चार बार यूएस ओपन खिताब शामिल है। उन्होंने ओलंपिक में भी दो बार गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने साल 2008 में बीजिंग ओलंपिक में सिंगल्स वर्ग में गोल्ड जीता वहीं 2016 में रियो ओलंपिक में डबल्स में गोल्ड अपने नाम किया। सिर्फ यही नहीं नडाल साल 2004, 2009, 2011 और 2019 में डेविस कप जीतने वाली स्पेनिश टीम का भी हिस्सा रहे।

राफेल नडाल दुनिया के उन चुनिंदा तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने गोल्डन स्लैम (कोई खिलाड़ी जब एक कैलेंडर इयर के चार ग्रैंड स्लैम और उसी साल ओलंपिक गोल्ड जीते) जीता है। उन्होंने 92 एटीपी सिंगल्स टाइटल्स जीते हैं जिसमें से 63 उन्होंने क्ले कोर्ट पर जीते। साल 2008 में वह रोजर फेडरर को विंबलडन फाइनल हराकर पहली बार वर्ल्ड नंबर वन बने।

मुल्तान को मिला नया 'सुल्तान', हैरी ब्रूक के अंदाज से वीरेंद्र सहवाग छूटे पीछे

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने मुल्तान में रनों का ऐसा अंबार लगाया कि सभी रिकॉर्ड छोटे पड़ गए। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हैरी ब्रूक ने तिहरा शतक जमाया। ब्रूक ने अपनी 317 पारी के साथ भारत के विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया। सहवाग ने इस मैदान पर तूफानी तिहरा शतक लगाया था जिसके कारण उन्हें मुल्तान का सुल्तान कहा जाता है।

हैरी ब्रूक ने जमाया तिहरा शतक

हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड की पहली पारी में 317 रन बनाए। 322 गेंदे खेलते हुए उन्होंने 29 चौके और तीन छक्के जमाए। ब्रूक का पाकिस्तान में लगातार चौथा शतक था। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। ब्रूक की पारी का अंत साइम अयूब ने किया। वह अयूब की गेंद पर मसूद को कैच थमा बैठे।

हैरी ब्रूक ने तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड

हैरी ब्रूक मुल्तान में सबसे बड़ी

पारी खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम था। सहवाग ने 278 गेंदों में इसी मैदान पर 309 रन बनाए थे। ब्रूक अब मुल्तान के नए सुल्तान बन गए हैं। सिर्फ यही नहीं वह इस मैदान पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने यहां तीन पारियों में 434 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक शामिल है।

उनके बाद दूसरे नंबर पर हैं वीरेंद्र सहवाग जिन्होंने वहां 309 रन बनाए हैं।

हैरी ब्रूक ने 317 रन की बड़ी पारी खेली जो टेस्ट क्रिकेट में किसी एक पारी में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर की सूची में संयुक्त रूप से 20वें नंबर पर है। वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले इंग्लैंड के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। यह 1990 में ग्राहम गूच के भारत के खिलाफ लगाए गए तिहरे शतक के बाद पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने यह उपलब्धि हासिल की।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित करके कुछ नए रिकॉर्ड बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल चौथा अवसर है जबकि किसी टीम में 800 से अधिक रन बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में चौथा बड़ा स्कोर भी है। रिकार्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छह विकेट पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी।

शाकिब अल हसन बांग्लादेश में खेल सकते हैं अपना अंतिम टेस्ट

माफी मांगने के बाद क्या दिग्गज ऑलराउंडर को घर में मिलेगी सुरक्षा?

बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने देश में विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी चुप्पी के लिए माफी मांगी है। साथ ही प्रशंसकों से 21 अक्टूबर से ढाका में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम टेस्ट मैच के लिए मौजूद रहने का अनुरोध किया है। उनके इस कदम के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश में उनके विदाई टेस्ट खेलने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। शाकिब के सार्वजनिक माफीनामे के बाद अब लगता है कि वह मीरपुर के शेर ए

बांग्ला स्टेडियम पर अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं।

शाकिब अल हसन पर बांग्लादेश में प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र की हत्या का आरोप भी है, लेकिन वह उस समय कनाडा में एक टी20 लीग खेल रहे थे। शाकिब अल हसन 21 अक्टूबर से मीरपुर में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के बाद क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कहना चाहते हैं। चटगांव में दूसरा टेस्ट भी होगा, लेकिन माना जा रहा है कि वह पहला मैच खेलकर अमेरिका चले जाएंगे, जहां वह पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते हैं।

शेख हसीना की सरकार में सांसद थे शाकिब

37 साल के शाकिब शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग के सांसद थे। शेख हसीना का प्रधानमंत्री के रूप में 15 साल का शासन अगस्त में विरोध प्रदर्शनों के बाद भारत आने के साथ ही समाप्त हो गया। जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से शाकिब अल हसन घर नहीं गए हैं। शाकिब ने भारत में टेस्ट सीरीज के दौरान अपना अंतिम मैच बांग्लादेश में खेलने की इच्छा जताई थी, बशर्ते मौजूदा सरकार उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराये। तब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नये अध्यक्ष फारूक अहमद ने शाकिब के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि बीसीबी कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं है और उन्हें सुरक्षा कवर की गारंटी नहीं दे सकती। हालांकि, अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने कहा कि वह अगर अपना राजनीतिक नजरिया स्पष्ट कर देते हैं तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जा सकती है।

मिया खलीफा के साथ नजर आए पाकिस्तानी दिग्गज, सोशल मीडिया पर जमकर हो रहे ट्रोल; लोग बोले- बेशर्मी की इंतेहा है

पाकिस्तान के क्रिकेटर वसीम अकरम यूं तो अपने देश के महान खिलाड़ियों में शामिल हैं, और उन्हें बहुत इज्जत दी जाती है लेकिन इन दिनों वह सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने हैं। वसीम अकरम पाकिस्तानी आवाम के गुस्से का शिकार हो रहे हैं। इसकी वजह है लोकप्रिय पॉर्न स्टार मिया खलिफा। अकरम और मिया खलीफा का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसके बाद पाकिस्तानी लोग काफी गुस्से में हैं।

वसीम अकरम मिया खलीफा के साथ आए नजर

वसीम अकरम एक क्रिकेट बेटिंग कंपनी को एंडोर्स कर रहे हैं। इस कंपनी ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में वसीम अकरम के साथ पॉर्न स्टार मिया खलीफा भी नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मिया खलीफा भी इस कंपनी की एंबेसडर हैं। इसी कारण वह भी वसीम अकरम के साथ पोस्टर हैं। यही बात लोगों को हजम नहीं हो रही।

वसीम अकरम ने शेयर किया वीडियो

दिग्गज वसीम अकरम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जो बाजी कंपनी का एड शूट है. उन्होंने कैप्शन में लिखा, "मजा करने और उत्साह बढ़ाने के लिए मुझे बाजी एप पर जॉइन करिए। चलिए रोमांच का एकसाथ आनंद लेते हैं और कुछ यादें साथ में बिताते हैं। मैं इस सफर को आपके साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं।"

ट्रोल हो रहे हैं वसीम अकरम

यूजर ने लिखा, 'बेशर्मी की इंतेहा हैं। पाकिस्तानी दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम पॉर्मन स्टार के साथ एड कर रहे हैं।' वहीं कुछ ने लिखा की वसीम अकरम को अल्लाह रास्ता दिखाए। वहीं कुछ यूजर्स को यकीन ही नहीं हुआ कि वसीम अकरम इस तरह के एड के लिए राजी हो गए। वसीम अकरम ने अब तक इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। वसीम अकरम अपने परिवार के साथ पाकिस्तान नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। पाकिस्तान में बेटिंग को इस्लाम में हराम माना जाता है। यही कारण है कि कई क्रिकेटर्स टी20 लीग्स के दौरान जर्सी पर बेटिंग कंपनी के लोगो नहीं लगवाते हैं। इसके लिए उन्हें हर्जाना भी भरना पड़ता है।

भारत से हार के बाद टूर्नामेंट छोड़ घर लौटीं पाकिस्तानी कप्तान, मुनीबा अली संभालेंगी टीम की कमान

टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम से मिली हार के बाद पाकिस्तान की सेमीफाइनल की उम्मीदों बड़ा झटका। पाकिस्तान को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया का सामना करने उतरना था। हालांकि इस मैच से पहले उनकी कप्तान फातिमा सना पाकिस्तान लौट गईं। सना के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जिस वजह से उन्हें घर जाना पड़ा।

पाकिस्तान की सबसे युवा कप्तान

सना को निदा डार की जगह टीम की कमान दी गई थी। वह टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। 22 साल की खिलाड़ी ने वर्ल्ड कप से पहले केवल एक सीरीज में टीम की कप्तानी की थी जहां पाकिस्तान का सामना साउथ अफ्रीका से हुआ था। उन्होंने यहां शानदार बल्लेबाजी भी की थी और सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही थीं।

फातिमा सना ने बल्ले से भी दिखाया दम

फातिमा ने शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी की। उनकी टीम ने यह मैच 31 रन से जीता। फातिमा सना ने 20 गेंदों में 30 रन बनाए। हालांकि भारत के खिलाफ उन्होंने अपना बैटिंग ऑर्डर बदला। भारत को यहां भी जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा था और उसकी वजह फातिमा सना ही थीं। इसकी वजह भी फातिमा ही थीं जिन्होंने पहले तो 8 गेंदों में 13 रन बनाए और फिर 23 रन देकर 2 विकेट भी लिए थे।

अंकतालिका में पाकिस्तान का हाल

पाकिस्तान इस समय अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने दो मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने एक में जीत हासिल की है वहीं दूसरे मैच में हार मिली। उनका नेट रन रेट +0.555 हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में बड़ी जीत उनके लिए काफी अहम है।

फातिमा के पिता के निधन की खबर आते ही पूरी पाकिस्तानी टीम शोक में डूब गई। टीम की पूर्व कप्तान निदा डार ने एक्स पर शोक जताया। उन्होंने लिखा, 'आपके पिता के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। पूरी टीम की संवेदनाएं आपके साथ है। हमें आपका और आपके परिवार का ख्याल है।'

जसप्रीत बुमराह से आगे निकल सकते हैं ये दो खिलाड़ी, लिटन दास-नजमुल हसन शान्तो बड़ा रिकॉर्ड कर सकते हैं अपने नाम

भारत-बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार (9 अक्टूबर) को खेला जाएगा। ग्वालियर में पहला मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। हालांकि, अरुण जेटली स्टेडियम में उसे 7 साल से जीत का इंतजार है। बांग्लादेश ने भारत के केवल एक टी20 में हराया है। उसे जीत दिल्ली में ही मिली थी। इस जीत को भले ही 5 साल हो गया हो, लेकिन नजमुल हसन शान्तो की टीम वापसी करना चाहेगी।

ग्वालियर में भारत के लिए अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 3 विकेट लिए थे।

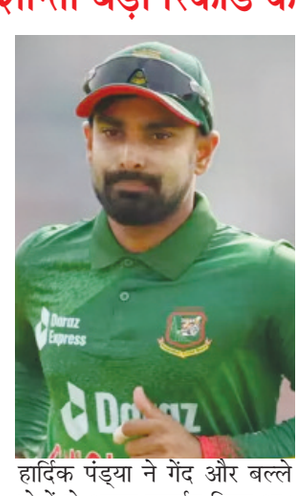

हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। 16 गेंद पर 39 रन ठोके थे और 1 विकेट लिया था। अर्शदीप और हार्दिक के पास टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ने का मौका है।

हार्दिक पंड्या के 87 विकेट

हार्दिक पंड्या के 87 विकेट हैं। वहीं अर्शदीप के 86 विकेट हैं। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर है। हार्दिक 3 और अर्शदीप 4 विकेट लेते हैं तो बुमराह को पीछे छोड़ देंगे। बुमराह ने भारत के लिए 89 टी20 विकेट हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 विकेट युजवेंद्र चहल के नाम है। उन्होंने 96 विकेट लिए

हैं। इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार ने 90 विकेट लिए हैं।

लिटन और नजुमल बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं

बांग्लादेश के खिलाड़ियों की बात करें तो लिटन दास और कप्तान नजुमल हसन शान्तो बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। लिटन दास 53 रन बनाते हैं तो वह बांग्लादेश के लिए 2000 टी20 रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी होंगे। शाकिब अल हसन के सबसे ज्यादा 2551 रन हैं। वहीं महमुदुल्लाह के 2395 रन हैं। शान्तो के 1000 रन पूरा करने का मौका है। वह 65 रन बनाते हैं तो 1000 टी20 रन बनाने वाले बांग्लादेश के 8वें बल्लेबाज होंगे।

बीच समुद्र पानी की लहरों पर घर!

लग्जरी क्रूज पर बिक रहे हैं मकान, 2.5 करोड़ रुपये न्यूनतम कीमत

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जब भी हम मकान खरीदने के बारे में सोचते है तो दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई आदि शहर पहली पसंद होते हैं। वैसे अभी तक आपने किसी शहर में जमीन पर ही मकान खरीदे होंगे। क्या आपने समुद्र में मकान खरीदा है? दरअसल, एक क्रूज शिप में बने मकान बिक्री के लिए तैयार हैं। अमेरिकी कंपनी विला वी रेजिडेंस अपने ओडिसी लग्जरी क्रूज में बने मकान बेच रही है। इनकी कीमत करोड़ों रुपये में है। खास बात है कि आप इनमें रहकर दुनिया की सैर कर सकते हैं। यहां बने एक अपार्टमेंट की कीमत 2.5 करोड़ से 67 करोड़ रुपये तक है।इसमें आपको फिटनेस सेंटर, स्पा, जुकाजी और पूल डेक जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसमें शॉपिंग

मॉल भी बना हुआ है। यहां से आप अपनी पसंद की चीज खरीद सकते हैं।यह शिप 100 से लेकर एक साल से ज्यादा समय तक के लिए दुनिया की यात्रा पर निकलता है।इस शिप को साल 2020 में कोरोना के समय क्वारंटाइन किया गया था। बताया जाता है कि जब यह शिप बहामास में एंट्री कर रहा था तो इसमें मौजूद यात्रियों का कोविड टेस्ट हुआ। इसमें कई यात्री कोरोना पॉजिटिव निकले थे। इसके बाद इस पूरे शिप को ही क्वारंटाइन कर दिया गया था। अगले साल यानी 2023 में इसे विला वी रेसिडेंस कंपनी ने इसे खरीद लिया था।

बिक चुके हैं कई मकान विला वी रेजिडेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल पीटरसन के मुताबिक इस शिप पर बने कई अपार्टमेंट बिक चुके हैं। यही नहीं, कई अपार्टमेंट किराए पर भी दिए गए हैं। पीटरसन के मुताबिक शिप पर मौजूद करीब दो तिहाई अपार्टमेंट या तो बिक चुके हैं या किराए पर दिए जा चुके हैं।

ये मकान एक केबिन के आकार के हैं। इन्हें 15 साल के लिए दिया जा रहा है। ऐसो इसलिए क्योंकि शिप को बने हुए करीब 31 साल हो चुके हैं। बाद में इसे रिटायर कर दिया जाएगा। इसलिए इन मकान को लाइफ टाइम के लिए नहीं दिया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि मकान खरीदने वाला शख्स इन्हें अपनी सुविधानुसार कस्टमाइज भी करवा सकता है। चाहे तो खरीदकर किराए पर भी दे सकता है।

पिछले हफ्ते यात्रा पर निकला है यह क्रूज

ओडिसी क्रूज शिप पिछले हफ्ते ही अपनी यात्रा पर निकला है। यह तकनीकी दिक्कतों और कागजी कार्रवाई के चलते आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में पांच महीने से फंसा हुआ था।

यह क्रूज सात महाद्वीपों और 425 से अधिक जगह से गुजरेगा। यह क्रूज अपनी यह यात्रा साढ़े तीन साल में पूरी करेगा। इस क्रूज पर करीब 600 यात्री सवार हैं।

सितंबर में खाद्य तेलों का आयात 29 प्रतिशत घटकर 10.64 लाख टन पर पहुंचा, क्या भाव घटने वाले हैं?

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सितंबर महीने में भारत का खाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 29 प्रतिशत गिरकर 10,64,499 टन रह गया। कच्चे और रिफाइंड पाम तेल का आयात कम रहने के कारण खाद्य तेल आयात में यह गिरावट आई है। शुक्रवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। पिछले साल इसी महीने में खाद्य तेलों का आयात 14,94,086 टन था। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने शुक्रवार को सितंबर के लिए वनस्पति तेलों (खाद्य और अखाद्य दोनों) के आयात के आंकड़े जारी किए। सितंबर में अखाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 57,940 टन से घटकर 22,990 टन रह गया। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में वनस्पति तेलों का आयात एक साल पहले के 15,52,026 टन की तुलना में 30 प्रतिशत घटकर 10,87,489 टन रह गया। एसईए के आंकड़ों से पता चला कि खाद्य तेल श्रेणी में कच्चे पाल तेल का आयात इस साल सितंबर में घटकर 4,32,510 टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 7,05,643 टन था। दूसरी ओर रिफाइंड पाम तेल का आयात 1,28,954 टन से घटकर 84,279 टन रह गया। कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात भी 3,00,732 टन से घटकर 1,52,803 टन रह गया। एसईए ने आयात में गिरावट का कारण जुलाई-अगस्त के दौरान अधिक आयात और मांग में कमी को बताया। ऐसे में बंदरगाहों पर स्टॉक बढ़ गया। इसके अलावा, कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण आयातक सतर्क हो गए हैं। जानकार बताते हैं कि चूंकि मांग में कमी आई है इस लिए कारोबारी नया स्टॉक मंगाने से परहेज कर रहे हैं। आयात घटने और त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से फिलहाल कीमतों में राहत की उम्मीद कम है।

हफ्ते के आखिरी सेशन में गिरावट के साथ क्लोज हुआ सेंसेक्स-निफ्टी,फार्मा-आईटी स्टॉक्स में रही रौनक

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। हालांकि आईटी और फार्मा स्टॉक्स में शानदार खरीदारी देखने को मिली है। मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में रौनक रही। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 230 अंकों की गिरावट के साथ 81,381 अंकों और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 34 अंकों की गिरावट के साथ 24,964 अंकों पर क्लोज हुआ है।

सेक्टरोल अपडेट

आज के ट्रेड में आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर्स तेजी के साथ बंद हुए। जबकि बैंकिंग ऑटो, रियल एस्टेट सेक्टर के शेयर्स गिरकर बंद हुए। आज के कारोबार में निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स तेजी के साथ क्लोज हुआ है।

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 स्टॉक्स तेजी के साथ और 9 गिरकर बंद हुए। जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में 28 तेजी के साथ जबकि 22 गिरकर बंद हुए। तेजी वाले शेयरों में एचसीएल टेक 1.70 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.57 फीसदी, एचयूएल 1.02 फीसदी, इंफोसिस 0.83 फीसदी, टाइटन 0.79 फीसदी, सन फार्मा 0.72 फीसदी, टाटा स्टील 0.66 फीसदी, एल एंड टी 0.64 फीसदी, एसबीआई 0.38 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में टीसीएस 1.84 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.83 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.64 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.30 फीसदी, पावर ग्रिड 1.30 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.80 फीसदी अडानी पोर्ट्स 0.74 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

मार्केट कैप में मामूली उछाल

सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी के चलते मार्केट कैप मामूली उछाल के साथ बंद हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 462.29 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछला कारोबारी सत्र में 462 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में मार्केट कैप में 29000 करोड़ का उछाल देखने को मिला है।

त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की चांदी

पिछले साल के मुकाबले 26% अधिक हुई बिक्री

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ऑनलाइन मार्केट प्लेस की चांदी रही। इसने एक ही सप्ताह में 54,500 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की। यह अगले महीने के दौरान अनुमानित कुल बिक्री का लगभग 55 प्रतिशत है।

26 फीसदी बढ़ी बिक्री

डेटाम इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने 2023 की इसी अवधि की तुलना में पहले सप्ताह में 26% की वृद्धि देखी है। इस अवधि के दौरान मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, होम और जनरल मर्चेंडाइज की बिक्री में 75% की हिस्सेदारी रही, जबकि टियर 2 और 3 शहरों में स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में 70% से अधिक की हिस्सेदारी रही। फेस्टिव सेल का पहला सप्ताह इसका सबसे जरूरी हिस्सा है। इस समय का ग्राहकों को बेसब्री से इंतजार होता

है। वे शुरुआती सप्ताह तक अपनी पिछले कई महीनों की खरीदारी को टाले रहते हैं ताकि फेस्टिव सेल में उन्हें डिस्काउंट और ऑफर्स का फायदा मिल सके।

एक लाख करोड़ की बिक्री का अनुमान

फेस्टिव महीने की शुरुआत 26 सितंबर से शुरू हुई। ठीक इसी समय ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन पर ग्रेट इंडियन फेस्टिव और फ्लिपकार्ट पर बिग बिलियन डे सेल लाइव हुई। फेस्टिव महीना 3 नवंबर तक चलेगा और बिक्री 1 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद की जा रही है।

क्या खरीद रहे हैं लोग

रिपोर्ट के अनुसार, फैशन, ग्रोसरी, ब्यूटी और पर्सनल केयर से जुड़े सामान की बिक्री में 2-4 गुना की वृद्धि देखी गई है। स्मार्ट टेलीविजन, एयर फ्रायर, लगेज, सुरक्षा कैमरे, गद्दे, वाटर प्यूरीफायर, लैपटॉप, एयर कंडीशनर, वॉटर हीटर, वॉशिंग मशीन, घी और सूखे मेवे अन्य श्रेणियां हैं, जिनमें ग्राहकों की ओर से काफी दिलचस्पी देखी गई।

प्रेरक तत्व ये रहे

त्योहारी खरीदारी के मुख्य कारण ऑफर और ईएमआई विकल्प थे, जिसमें टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और रेफ्रिजरेटर के 50 प्रतिशत से अधिक खरीदारों ने ईएमआई का विकल्प चुना। खिलौने, किताबें, रसोई की आवश्यक वस्तुओं जैसी श्रेणियों में पहले सप्ताह के दौरान ऑर्डरों की संख्या में 2-5 गुना वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है, ग्राहकों का ध्यान अब क्विक-कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है, जिसमें कम औसत बिक्री मूल्य की श्रेणियों की खास भूमिका है। इनमें ग्रोसरी, ब्यूटी और पर्सनल केयर से जुड़ी वस्तुएं शामिल हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर

क्यों आई भारतीय करेंसी में गिरावट

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया आज ऑल-टाइम लो पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमत में हाल में आई उछाल और शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से रुपये पर दबाव बढ़ गया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 83.9900 के स्तर तक लुढ़क गया। इससे पहले इसका ऑल-टाइम लो 83.9850 था। रुपया 12 सितंबर को इस स्तर पर पहुंचा था। हालांकि शुरुआती कारोबार में यह दो पैसे मजबूत हुआ था लेकिन दिन चढ़ने के साथ इसमें गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने घरेलू मुद्रा की बढ़त सीमित रखी। साथ ही घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला।

कच्चे तेल की कीमत

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.97 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों के बाद 83.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.98 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.87 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.48% की बढ़त के साथ 77.71 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) गुरुवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,926.61 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	04-28 बजे
चंद्र-	मकर	मे	तुला...	06-34 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	08-43 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	10-57 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-03 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	14-54 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	16-32 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-08 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	19-53 बजे
			मिथुन	21-53 बजे
			कर्क--	00-05 बजे
			सिंह---	02-18 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -17-55
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल .. पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 10-58 तक उपरान्त दशमी
मास - आश्विन शुक्ल , शनिवार 12 October
नक्षत्र - श्रवण 04 -27 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - धृति 02-45 तक उप शूल
करण- कौलव 10-58 तक उप् तैतिल
विशेष:- विजयादशमी दशहरा
व्रत -त्योहार - अपराजिता शमी पूजन

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:06 से 10:34 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:11 - 07:38 अशुभ	लाभ.	17:53 - 19:27 शुभ
शुभ.	07:38 - 09:06 शुभ	उत्पात	19:27 - 20:59 अशुभ
रोग.	09:06 - 10:34 अशुभ	शुभ	20:59 - 22:31 शुभ
उत्पात	10:34 - 12:02 अशुभ	अमृत	22:31 - 00:02 शुभ
चंचल	12:02 - 13:31 शुभ	चंचल.	00:02 - 01:34 शुभ
लाभ	13:31 - 14:59 शुभ	रोग	01:34 - 03:06 अशुभ
अमृत.	14:59 - 16:27 शुभ	काल	03:06 - 04:38 अशुभ
काल	16:27 - 17:53 अशुभ	लाभ.	04:38 - 06:11 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की ओर धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है , आपको ये याद करने की जरूरत है की क्यों आप इस पथ पर आगे की ओर बढे थे और उसी पथ पर आगे बढ़ते रहे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले । आप अपने पुराने निवेश पर ब्याज मिलने से हैरान हो सकते है जिसे आपने लगभग भुला ही दिया था ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है बजाय की यादृच्छिक घटनाए आप पर हावी हो ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नवरात्रि के आखिरी दिन 700 रुपए महंगा हुआ सोना, तो चांदी भी हुई 2000 रुपए महंगी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगर आप भी फेस्टिव सीजन में सोना चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है। दरअसल, सोने और चांदी के रेट लगातार सातवें आसमान पर चढ़ रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को सोना 700 रुपए महंगा हुआ जबकि चांदी में 800 रुपये से ज्यादा महंगी हुई है। आइए जानते हैं आपके शहर में कितनी हो गई सोने की कीमतें...

कितनी है सोने चांदी की कीमत

मजबूत हाजिर मांग के बीच वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोने की कीमत 700 रुपये की तेजी के साथ 76000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर महीने की डिलीवरी वाला सोना 507 रुपये यानी 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,804 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 14,256 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,643 डॉलर प्रति औंस हो गया।

चांदी की कीमतें

सोने के अलावा नवरात्री के आखिरी दिन चांदी 2 हजार रुपए महंगी हो कर 96,000 रुपए किलो पर पहुंच गई है। चांदी की कीमतें 6 अक्टूबर को 97 हजार पर थी जो इसका ऑल टाइम हाई है। वहीं नवरात्री के 9 दिनों में चांदी का रेट

अडानी ने जुटाए 50 हजार करोड़ रुपए

इन अमीरों ने जमकर किया निवेश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। गौतम अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने क्यूआईपी के जरिए 50 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। अडानी ग्रुप के प्रमुख ने निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी के बावजूद समान राशि के ग्रीनशू विकल्प का प्रयोग न करने का फैसला किया।

क्यूआईपी में सबसे ज्यादा बढ़-चढ़कर अमीर निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसमें 1.5 बिलियन से अधिक की ऑर्डर बुक देखी गई।अडानी की फ्लैगशिप कंपनी के क्यूआईपी में जीक्यूजी पार्टनर्स, क्वांट म्यूचुअल फंड, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस जैसे दिग्गजों ने निवेश को बढ़ाया है। क्यूआईपी के लिए इंडिकेटिव फ्लोर प्राइस 2,962 प्रति शेयर निर्धारित किया गया था।गौतम अडानी के तारणहार जीक्यूजी पार्टनर्स के राजीव जैन ने सबसे पहले मार्च 2023 में 3,850 करोड़ में 4.1% हिस्सेदारी खरीदकर अडानी एंटरप्राइजेज में

हिस्सेदारी खरीदी। जीक्यूजी ने बाद में समूह की कंपनियों अदानी ग्रीन एनर्जी, अदानी ट्रांसमिशन और अदानी पावर सहित अन्य में निवेश किया। कथित तौर पर अगस्त तक इन निवेशों का मूल्य 80,000 करोड़ से अधिक हो गया है।जबकि क्वांट म्यूचुअल फंड ने अडानी पावर और अडानी ग्रीन एनर्जी में निवेश किया है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस अडानी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन और अडानी एंटरप्राइजेज सहित कई अडानी ग्रुप की कंपनियों में निवेशक हैं। मई में अडानी एंटरप्राइजेज ने एक या अधिक किस्तों में क्यूआईपी के माध्यम से 16,600 करोड़ जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी हासिल की थी। हाल ही में फंड रेजिंग से इसने क्यूआईपी के माध्यम से स्वीकृत राशि का केवल एक चौथाई ही जुटाया है।

2023 की शुरुआत में अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग द्वारा समूह पर कॉर्पोरेट प्रशासन में खामियों का आरोप लगाए जाने के बाद से यह अडानी एंटरप्राइजेज के लिए पहली इक्विटी फंड रेजिंग की एक्टिविटी है। मई 2023 में, इसके बोर्ड ने क्यूआईपी के माध्यम से 12,500 करोड़ जुटाने की मंजूरी दी थी, लेकिन कंपनी ने फंड रेजिंग की योजना को छोड़ दिया। अगस्त में, समूह की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने क्यूआईपी के माध्यम से सफलतापूर्वक लगभग 1 बिलियन डॉलर जुटाए, जिसे लगभग छह गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया था।

100 रुपये से कम का स्टॉक

साल भर में 3485.83% का रिटर्न, होने वाला है स्टॉक स्प्लिट

मुंबई,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कृषि जगत से जुड़ी एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर बनाने की एक गुजरात की एक कंपनी है हर्षिल एग्रोटेक । इस कंपनी के शेयरों में पिछले 21 कारोबारी सत्र से जबदरस्त उछाल आ रहा है। आज भी यह शेयर बाजार खुलते ही अपर सर्किट में जा फंसा। दरअसल इस कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है। इसके लिए रिकार्ड डेट 14 अक्टूबर 2024 तय किया गया है। इसी वजह से बीते 21 दिनों में ही यह शेयर 51 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। माइक्रोकैप कंपनी हर्षिल एग्रोटेक के शेयर 11 अक्टूबर,

2024 को अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। एक प्रमुख वित्तीय विश्लेषण मंच, मार्केट्सएमओजेओ के अनुसार, स्टॉक को ' होल्ड' रेटिंग दी गई है। यह स्टॉक आज बीएसई पर 91.08 रुपये पर खुला, जो 52-सप्ताह और सर्वकालिक उच्च0तम स्तर है। आज के कारोबारी सत्र में इसने सेक्टर से 1.99% बेहतर प्रदर्शन किया है। यह हर्षिल एग्रोटेक के लिए लगातार 21वें दिन की बढ़त है, इस अवधि के दौरान इसके स्टॉक मूल्य में 51.35% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।हर्षिल एग्रोटेक ने स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है। इस समय इसके शेयर का फेस वैल्यू 10 रुपये है। योजना है कि 10 रुपये के एक शेयर को 10 हिस्से में बांटा जाए। मतलब कि इस समय जिनके पास कंपनी का एक शेयर रहेगा, उन्हें रिकार्ड डेट के बाद 10 शेयर मिलेंगे। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकार्ड डेट 14 अक्टूबर 2024 तय किया है।

अगस्त में औद्योगिक उत्पादन मामूली रूप से कम हुआ; 0.1 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के औद्योगिक उत्पादन में अगस्त में मामूली रूप से गिरावट दिखी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार यह 0.1 प्रतिशत घट गया, जिसका मुख्य कारण खनन और बिजली उत्पादन क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन रहा। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले कारखाना उत्पादन (फैक्टरी आउटपुट) में अगस्त 2023 में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, अगस्त 2024 महीने के लिए आईआईपी वृद्धि दर (-) 0.1 प्रतिशत रही, जो जुलाई 2024 में 4.7 प्रतिशत थी।आधिकारिक आंकड़ों के

अनुसार अगस्त 2024 में खनन, विनिर्माण और बिजली उत्पादन में वृद्धि क्रमशः (-) 4.3 प्रतिशत, 01 प्रतिशत और (-) 3.7 प्रतिशत रही। एनएसओ ने कहा कि खनन क्षेत्र की वृद्धि में अगस्त 2024 में गिरावट का मुख्य कारण बारिश (मानसून) के होने की संभावना है। इस वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि में आईआईपी की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 6.2 प्रतिशत थी।

महादेव सट्टा ऐप का प्रमोटर सौरभ चंद्राकर दुबई में गिरफ्तार

इंटरपोल के अधिकारियों ने पकड़ा, 7 दिन के अंदर लाया जा सकता है भारत

रायपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप का संचालन करने वाले सौरभ चंद्राकर को इंटरपोल के अधिकारियों ने दुबई से गिरफ्तार कर लिया है। दुबई की पुलिस और स्थानीय फोर्स के साथ मिलकर सीबीआई और ईडी के अधिकारियों ने सौरभ चंद्राकर से जुड़ी हर डिटेल इंटरपोल को दी थी। 7 दिन के अंदर भारत लाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद इंटरपोल के अफसर ने भारतीय विदेश मंत्रालय को खबर दी है। अब सौरभ चंद्राकर को भारत और फिर जल्द ही रायपुर लाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए दस्तावेजी काम अफसर जल्द से जल्द निपटा रहे हैं।

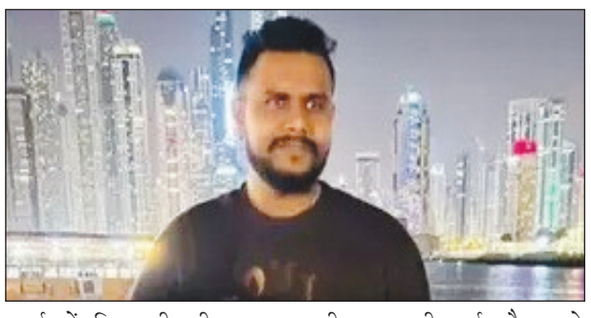

प्रवर्तन निदेशालय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लंबे वक्त से अधिकारी दुबई में अपनी पहचान छुपाकर रुके हुए थे। सौरभ चंद्राकर के ठिकानों के आसपास अधिकारी नजर रख रहे थे। इसके बाद मौका मिलते ही सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया गया है। सौरभ चंद्राकर की यूएई में गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को रायपुर ईडी की ओर से पीएमएलए कोर्ट से प्रत्यर्पण संबंधित दस्तावेज विदेश मंत्रालय को फॉरवर्ड किए गए हैं। प्रत्यर्पण संबंधित जितने भी दस्तावेज हैं वे ओरिजिनल अंग्रेजी और हिंदी वर्जन से अरबी भाषा में ट्रांसलेट किया गया। ताकि प्रत्यर्पण के प्रोसेस में किसी प्रकार से कोई दिक्कत ना आए।

सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार करने के बाद एजेंसियां उसे जल्द से जल्द भारत वापस लाना चाहती है। ऐसे में भारत से की जाने वाली सभी कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। सारे डॉक्यूमेंट्स को भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एम्बेसी को भेजा जाएगा। चंद्राकर के प्रत्यर्पण यानी उसे भारत लाए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय के लिए सौरभ चंद्राकर वांटेड था। इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के बाद इस पर कार्रवाई की गई है। विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय भी इस एक्शन में शामिल रहा। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद कहा है कि यह एक नया दौर है, जहां किसी को बख्शा नहीं जाएगा। माफिया तत्वों के खिलाफ डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। उन्होंने इसे विष्णु सरकार का सुशासन बताया है। सौरभ चंद्राकर छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला है। उसके पिता नगर निगम में पंप ऑपरेटर थे। सौरभ की एक जूस की दुकान भी थी। 2019 में वो दुबई गया और अपने एक दोस्त रवि उप्पल को भी बुलाया। इसके बाद उसने महादेव ऐप लॉन्च किया और फिर धीरे-धीरे ऑनलाइन सट्टा बाजार का बड़ा नाम बन गया। महादेव बेटिंग ऐप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए ऐप बनाए थे। इस पर यूजर्स पोकर, कार्ड गेम्स, चांस गेम्स नाम से लाइव गेम खेलते थे। ऐप के जरिए क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल जैसे खेलों और चुनावों में अवैध सट्टेबाजी भी की जाती थी। सट्टे के नेटवर्क के जरिए इस ऐप का जाल तेजी से फैला। सबसे ज्यादा खाते छत्तीसगढ़ में खुले। इस ऐप से धोखाधड़ी के लिए एक पूरा खाका बनाया गया था।

मां के बाद बेटे की बारी

मनोहरपुर में राजनीतिक विरासत संभालेंगे जगत मांझी

मनोहरपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंहभूम-कोल्हान की सियासत में आयरन लेडी के रूप में स्थापित हुईं जोबा मांझी ने मनोहरपुर विधानसभा सीट से पांच बार जीत हासिल कीं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जोबा मांझी सांसद बन गईं। इस कारण आगामी विधानसभा चुनाव में उनके पुत्र जगत मांझी के चुनाव मैदान में उतरने की संभावना है। सिंहभूम लोकसभा सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा उम्मीदवार के रूप में विजयी रहीं जोबा मांझी की जीत में उनके बड़े पुत्र जगत मांझी का अच्छा योगदान रहा। जोबा मांझी के चुनाव प्रचार में पुत्र जगत मांझी ने ही पूरे इलेक्शन मैनेजमेंट की कमान अपने हाथों में रखा था। इसमें वो सफल भी रहे। बूथ मैनेजमेंट से लेकर सभी प्रखंडों में कार्यालय खोलने, स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम को सफल बनाने, नामांकन और रैलियों में भीड़ जुटाने से लेकर कार्यकर्ता और समर्थकों की जरूरतों को पूरा करने में खुद को साबित किया। इसके साथ ही जेएमएम में जगत मांझी ने खुद जोबा मांझी के उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया।

एससी के जस्टिस बोले-साइबर क्रिमिनल्स की जड़ें काफी मजबूत

रायगढ़ में प्रशांत मिश्रा ने कहा-सीजेआई बनकर करोड़ों की ठगी, मेरे नाम से भी फ्रॉड हुआ

रायगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने कहा कि कि साइबर सुरक्षा के बारे में इतना ही कहूंगा कि मैं इसका शिकार तो नहीं हुआ, लेकिन मुझे माध्यम बनाकर शिकार किया गया। साइबर फ्रॉड करने वालों की जड़ें काफी मजबूत हो गई हैं। हर किसी को ये किसी भी स्तर में ठग सकते हैं। उन्होंने बताया कि जब वह आंध्र प्रदेश में चीफ जस्टिस थे, तो किसी ने वॉट्सऐप पर उनका प्रोफाइल लगाकर उनके ही रजिस्ट्रार, एडिशनल रजिस्ट्रार को मैसेज करते हुए रूपए की मांग की गई। रजिस्ट्रार ने रुपए भी ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद एफआईआर हुई और वह ठग किसी अन्य राज्य से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि सीजेआई के नाम पर भी करोड़ों की ठगी हो गई थी, जिसमें ठगों ने सीजेआई बनकर एक उद्योगपति को अर्जेंट ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया। उसी में ही डिजिटल गिरफ्तारी और जमानत भी दे दी। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस ने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जो टिप्स दिए हैं, उसका पालन करें। सतर्कता ही इससे बचाव है।

जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने कहा कि टेक्नोलॉजी की अज्ञानता की वजह से हर कोई गलती कर देते हैं। किसी मैसेज को किस उद्देश्य से भेजा गया है, उसे बिना जाने और समझे अज्ञानता वश भूल कर बैठते हैं। उसका फायदा सामने वाला उठा लेता है। वहीं उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण से संबंधित मुद्दे जो हैं, वह हम सभी के सांसों में हैं और 24 घंटे यह मौजूद हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले 3 माह से वह ग्रीन बेंच के मेंबर हैं, जो कि तीन जजेस की बेंच है। यह बेंच पर्यावरण संबधित मुद्दे हर बुधवार गुरुवार को देखती है। यहां देश का कोई भी व्यक्ति पर्यावरण के मुद्दे पर आवेदन लगा सकता है। उन्होंने कहा कि 2 दिन पहले वह मल्हार गए थे। वहां लोगों ने बताया कि यहां 126 तालाब हैं और कोई नहीं जानता कि वह तालाब किसने बनाया। यही हमारी संस्कृति है और जनभागीदारी का नमूना है। हमारा देश ऐसा है कि सब के साथ मिलकर सब का विकास करने का देश है। जनभागीदारी के बिना कुछ भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक हम और आप सरकार की अच्छी योजनाओं को अपने स्वयं की योजना मान कर उसमें अपनी भागीदारी न दे तो उसका क्रियान्वयन संभव नहीं है। हमको अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलना पड़ेगा। जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने कहा कि मैंने जीवन में काफी पड़ाव देखे हैं। हमेशा पॉजिटिव रहिए, निगेटिविटी का अपने दिमाग में ओर जीवन में कोई जगह नहीं है।

बैज बोले-एक नवंबर से हो धान खरीदी

रायपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर अब तक तारीख तय नहीं हो पाई है और न ही, धान खरीदी के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक हो पाई है। ऐसे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मांग की है कि धान खरीदी 1 नवंबर से ही शुरू होनी चाहिए। बैज ने कहा कि, एक नवंबर से खरीदी की घोषणा राज्य सरकार जल्द करे। साथ ही किसानों से 200 लाख मीट्रिक टन धन छत्तीसगढ़ सरकार खरीदे। बैज ने कहा कि, धान उपसमिति ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है जिसके कारण किसानों में चिंता है। बैज ने कहा कि, इस बार बारिश अच्छी हुई है, फसल भी अच्छी है इसलिए पैदावार भी ज्यादा हुई है। इसलिए सरकार इस साल धान खरीदी 1 नवंबर से चालू करे, ताकि किसानों की पूरी पैदावार सरकार खरीद सके। दीपक बैज ने कहा कि पिछले साल खरीफ फसल की खरीदी के दौरान ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई थी।

साइको किलर का 'गेम' हुआ ओवर

छोटी-छोटी बात पर गोलियां बरसाता था ये खूंखार

रांची, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्गा पूजा को लेकर रांची पुलिस ने अपनी चौकसी बढ़ा दी है। इसी दौरान रांची पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली जब उसने हत्या, लूट, डकैती कांडों मामलों में के आरोपी राजीव कुमार सिंह को गिरफ्तार किया। साइको किलर राजीव के खिलाफ रांची शहर के अलावा अन्य जिलों के अलग-अलग थाने में 51 मामले दर्ज हैं। राजीव से पूछताछ में और कई और वारदात का खुलासा हो सकता हैं। साइको किलर ने बताया कि वो छोटी-छोटी बात पर भी किसी को गोली मार देता था। रांची के लालपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोरहाबादी सब्जी बाजार से राजीव को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी पिस्टल, 6 जिंदा कारतूस और दो मोबाइल बरामद किया।

रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि राजीव 16 साल की उम्र में ही अपराध की दुनिया में आ चुका था। अबतक वो कई बार जेल जा चुका है और कई मामलों में वो फरार भी है। रांची जिला में उसके खिलाफ कुल 48 मामले दर्ज है। उसपर अन्य जिलों में भी हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के संगीन मामले दर्ज है। अब तक पुलिस को उसके खिलाफ दर्ज 51 मामलों के बारे में जानकारी मिली। एसएसपी ने बताया कि यह किलर लोहरदगा में रहता है। हालांकि रांची में ही पला बढ़ा है और 20 वर्ष की उम्र में ही हत्या,डकैती के वारदात कई वारदात को अंजाम देने लगा था। उन्होंने बताया कि इस क्रिमिनल ने हिंदपीढ़ी के रूबी हत्याकांड, अशोक सिंह बिल्डर पर गोली चलाने, कांके रोड में सुरेंद्र अग्रवाल पर गोली चलाने और दिनेश राजगढ़िया की हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देने की बात को स्वीकार किया है।

भाजपा सांसद भोजराज नाग बोले-नींबू काटकर उतार दूंगा भूत

अधिकारियों को दी चेतावनी, कहा-पुराने मानसिकता के अधिकारी सुधर जाएं

कांकेर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद भोजराज नाग ने अधिकारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पुराने मानसिकता के कुछ अधिकारी हैं, वह अपनी मानसिकता त्याग दें। 6 महीने बाद फिर काम करेंगे, जिसमें किसी प्रकार का रोड़ा नहीं आना चाहिए। 6 महीने बाद मैं फिर भूत उतारूंगा। सांसद नाग ने कहा कि सरकार के विकास कार्य में जो बाधा आ रही है उसे नींबू काटकर दूर कर दूंगा। चुनाव जीते 5 महीने हो गए हैं, जैसे ही 6 महीने हो जाएंगे वो फिर से नींबू काटकर भूत उतारना शुरू कर देंगे। ये बातें उन्होंने कांकेर के पखांजूर में जिला स्तरीय आवास मेला के दौरान कही है। सांसद नाग ने मंच से कहा कि जन प्रतिनिधि होने के नाते जनता की जो समस्या है, उसको सरकार की योजना के अनुसार पूरा करेंगे। कोई बाधा आती है तो उसको नींबू काट कर

दूर करेंगे। इसका मतलब ये है कि जो नकारात्मक शक्ति है, जो गलत शक्ति है उसे दूर करेंगे। सांसद नाग ने कहा कि जिस गति से काम होना चाहिए, उस गति से काम नहीं हो रहा है। जब हम काम करेंगे, उस काम में कोई रोड़ा नहीं आना चाहिए। हम काम करने के लिए हैं। सरकार काम करने के लिए ही हमें वेतन देती है। मंच से दिए अपने बयान को लेकर मीडिया से चर्चा के दौरान सफाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को कुछ लोग चाहे वो ठेकेदार हो, अधिकारी-कर्मचारी हो पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। जल जीवन मिशन इसमें लापरवाही बरती जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में भी लापरवाही बरती जा रही। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को सचेत करना चाहता हूं। उनको बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार नर सेवा ही नारायण सेवा के भाव से काम कर रही है। ऐसे में काम में बाधा डालने का काम करने वालों का नींबू काटा जाएगा। बता दें कि इससे पहले भी सांसद नाग अपने भूत उतारने वाले बयान को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने अपर कलेक्टर और कलेक्टर को लेकर कहा था कि मैं कई बार अधिकारियों का भूत उतारा हूं, जनप्रतिनिधि भी हूं, बैगा भी हूं।

9वीं की छात्रा ने नहर में छलांग लगाकर की खुदकुशी

कोरबा से बही रायगढ़ में मिली लाश, मां-बोली-बेटी प्रेग्नेंट थी, बॉयफ्रेंड करता था ब्लैकमेल

कोरबा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 9वीं छात्रा ने 7 अक्टूबर को नहर में छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। 5वें दिन 11 अक्टूबर को लड़की की लाश मिली है। लड़की के मां के मुताबिक छात्रा प्रेग्नेंट हो गई थी। उसका बॉयफ्रेंड भी बेटी को लगातार ब्लैकमेल कर रहा था, जिससे वह परेशान थी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक लड़की ने पावर हाउस रोड स्थित सोनालिया नहर में छलांग लगाई थी। नहर में पानी का बहाव तेज था, इस दौरान वहां मौजूद एक यातायात के सिपाही ने जान जोखिम में डाल नहर में छलांग लगाकर उसे बचाने की कोशिश की थी, लेकिन लड़की को बचा नहीं सके। कोरबा जिले से नहर में बही लड़की रायगढ़ जिले के खरसिया के बरगढ़ नहर किनारे झाड़ियों में फंसी मिली है। मां ने बेटी के कपड़ों को देखकर शव की पहचान की है। पुलिस ने डेडबॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतिका की मां ने बताया कि वह मुड़ापार अंबेडकर बस्ती में रहती हैं। उनकी बेटी कक्षा 9वीं की छात्रा थी। सोमवार की शाम वह एक लड़के के साथ निकली थी, जो उसका बॉयफ्रेंड था। उसके बाद वह घर वापस नहीं आई। उसे लगा वह सहेली के घर पर होगी और वापस आ जाएगी। मृतिका की मां आरोप लगाया है कि उसकी बेटी की मौत का कारण संतोष तिवारी है, जो उसकी बेटी को प्रताड़ित करता था। बार-बार पैसे की मांग करता था। यही नहीं वह प्रेग्नेंट भी हो गई थी, जिससे वह बेहद परेशान करता रहता था। युवक के प्रताड़ना के चलते ही बेटी ने जान दी है। मृतिका की मां ने बताया कि वह एक सोशल वर्कर है और वह एनजीओ के माध्यम से संस्था में काम करती है।

ट्रक ने तीन लोगों को रौंदा

एक ही परिवार के थे सभी, हादसे में दो की हो गई मौत, सड़क जाम

पलामू, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छतरपुर थाना क्षेत्र के रुदवा में नेशनल हाइवे 98 पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक ही परिवार को तीन लोगों को रौंद दिया है। इस घटना के दादी और पोता की मौत हो गई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया है और हरिहरगंज थाने में रखा है। घटना गुरुवार की देर रात की है। पुलिस के अनुसार, रुदवा के रहने वाले सुनील सिंह अपने मां एतवारिया कुंअर, बेटा गौतम कुमार के साथ नेशनल हाईवे 98 पर जा रहे थे, इसी क्रम में तेज रफ्तार ट्रक ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में 5 वर्षीय गौतम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुनील सिंह और एतवरिया गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद छतरपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची एवं गंभीर रूप से जख्मी सुनील सिंह और एतवरिया कुंअर को इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में एतवरिया कुंअर की मौत हो गई। जबकि सुनील सिंह को गंभीर हालत में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। छतरपुर के थाना प्रभारी प्रशांत कुमार ने बताया कि सड़क हादसे के बाद इलाज के लिए जख्मी को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा गया था। जिस ट्रक से यह हादसा हुआ है उसे जब्त कर लिया गया है और हरिहरगंज थाना में रखा गया है।

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन अस्पताल पहुंचे। शुक्रवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दोनों मृतकों के शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई है। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले- जो भारत माता की जय कहता है वो हिंदू है

कबीरधाम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कबीरधाम में कवर्धा विधायक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा कबीरधाम जिले के दौरे पर है। वे पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कामठी में नवरात्र के मौके पर पूजा अर्चना किया है। दरअसल, कामठी गांव बीते कुछ दिनों में चर्चा में बना हुआ है। क्योंकि, इस गांव में नवरात्र में दुर्गा स्थापना को लेकर उत्पन्न विवाद ने गांव में तनाव का माहौल बना दिया था, जिसके चलते डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने स्वयं गांव का दौरा करने का निर्णय लिया। उन्होंने ग्रामीणों व आदिवासी समाज के लोगो से बातचीत की और स्थिति का आंकलन किया। सभी मंदिरों का दर्शन किया और पूजन किया। विजय शर्मा ने कहा कि यहां फिलहाल किसी प्रकार का गतिरोध नहीं है। सर्व समाज व गोंडवाना समाज के लोगों से बातचीत की गई है। पूजा-पाठ से किसी को नहीं रोका गया है, ऐसा करना गैरकानूनी है और ऐसा करने वालों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि यहां मंदिरों का नाम बदला गया है तो यह गलत है।कामठी हमेशा से निर्विवाद रहा है। विवाद करने वाले वे लोग हैं जो लोगों को मुख्य धारा से काटकर राष्ट्रविरोधी और धर्म के खिलाफ काम करना चाहते हैं।

इसी प्रकार रेंगाखार जंगल में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में उन्होंने कामठी गांव के संबंध में लोगों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं कामठी गांव गया था, वहां कुछ लोग विवाद कर रहे थे कि मंदिर में नहीं जाने देंगे। पूजा-पाठ नहीं करने देंगे। हमारे विकास मरकाम आए हुए थे,उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर के राज्य असम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड में ऐसी शुरूआत किया गया था। वहां कहलवाया गया कि मैं हिंदू नहीं हूं और जितने लोगों ने कहा उनका कुछ नहीं बचा, सब होनोलूलू हो गया। ये सब यहां मत हो सोचकर मैं भी कामठी गया था। वहां के लोगों को समझाया गया। इस बात को समझने की जरूरत है कि भारत माता के आंचल में रहने वाले सभी भाई है, जो भारत माता की जय कहता है वो हिंदू है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र के ग्राम का देर रात तक दौरा किया। वे ग्राम चिल्फी घाटी में दुर्गा पंडाल पहुंच मातारानी की पूजा अर्चना की। साथ ही रेंगाखार मंडल के ग्राम खिलाही और शीतलपानी में ग्रामवासियों से मुलाकात की। जिला कबीरधाम के रेंगाखार मंडल के ग्राम तितरी, रामपुर, रोल में दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा जी की पूजा अर्चना किया।

चतरा एनकाउंटर, नक्सली हरेंद्र गंझू की कहानी

पिता के नक्शे कदम पर चल बना नक्सली, दो माह का अल्टीमेटम, 1 माह 29वें दिन मारा गया

चतरा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहते हैं कि हर पुत्र को अपने पिता की विरासत मिलती है। पुलिस मुठभेड़ में मारा गया नक्सली हरेंद्र गंझू को भी अपने पिता से विरासत में हथियार मिला था। मारा गया नक्सली हरेंद्र गंझू सदर थाना क्षेत्र के मोकतमा पंचायत के कारी देवरिया गांव निवासी बुधन गंझू का बेटा था।

बुधन गंझू भी अपने समय का दुर्दांत नक्सली रहा है। लगभग एक डेढ़ वर्ष पूर्व ही बुधन गंझू आजीवन कारावास की सजा काट कर जेल से बाहर निकला है। जेल से बाहर निकलने के बाद वह अपने गांव में जीवन बसर कर रहा है। बुधन गंझू का आपराधिक इतिहास भी काफी लंबा चौड़ा रहा है। हरेंद्र गंझू की कहानी सामने आने के बाद उसके पिता बुधन गंझू भी चर्चा में आ गया है। चतरा पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए टीएसपीसी का सब जोनल कमांडर

हरेंद्र गंझू के विरुद्ध चतरा जिले के विभिन्न थानों में 48 मामले दर्ज थे। वह पुलिस के लिए नासूर बना हुआ था। पुलिस को काफी लंबे अरसे से उसकी तलाश थी। पिछले एक वर्षों में पुलिस के साथ हरेंद्र गंझू दस्ते का कई मुठभेड़ हुआ। लेकिन सभी में हरेंद्र गंझू पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहता था। लेकिन बुधवार की शाम सदर थाना क्षेत्र के गनियोतरी जंगल में हुई मुठभेड़ में वह पुलिस से नहीं बच पाया। पुलिस की गोली से वह ढेर हो गया। हरेंद्र गंझू सदर थाना क्षेत्र के मोकतमा पंचायत के कारी देवरिया गांव का रहने वाला था। इसके विरुद्ध चतरा जिले के चतरा, हंटरगंज, वशिष्ठ नगर, इटखोरी, कुंदा, प्रतापपुर, गिद्धौर, पिपरवार, राजपुर, टंडवा तथा हजारीबाग जिले के केरेडारी, विष्णुगढ़, कटकमसांडी थाना में मामला दर्ज था। जबकि मुठभेड़ में मारा गया एक अन्य नक्सली ईश्वरी गंझू के विरुद्ध आठ से अधिक मामले जिले के विभिन्न स्थानों में दर्ज था। ईश्वरी गंझू कुंदा थाना क्षेत्र के भटकुईया कारीमांडर गांव का रहने वाला था। इसके विरुद्ध सभी मामले कुंदा व लावालौंग थाना में दर्ज था। बुधन गंझू के नाम के साथ चतरा जिले का एकलौता और अब तक का सबसे बड़ा नरसंहार जुड़ा हुआ है।

सरकार ने डॉक्टरों पर कंसा शिकंजा

कौन करेगा प्राइवेट प्रैक्टिस आम लोगों को होगा फायदा

रायपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कौन से डॉक्टर नौकरी में रहते हुए प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं इसको लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ा फैसला लिया है। अब वेबसाइट में इस बात की जानकारी उपलब्ध होगी की कौन सा डॉक्टर प्राइवेट क्लिनिक चला रहा है। मुख्यमंत्री साय की पहल और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर शासकीय चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालयों के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया है। इसके अन्तर्गत आमजनों के लिए चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट पर नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस (एनपीए) लेने वाले चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों की सूची सार्वजनिक कर दी गई है।

इस लिस्ट में इस बात की जानकारी दी गई है की उक्त चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस की जा रही है या नहीं। ऐसे चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षक जो निजी प्रैक्टिस नहीं करते हैं उन्हें शासन द्वारा वेतन के अतिरिक्त नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस (एनपीए) भी दिया जाता है। एनपीए लेने के बाद भी निजी प्रैक्टिस करना प्रतिबंधित है और ये नियम विरुद्ध है। अब आम लोगों को ये जानकारी रहे की कौन सा चिकित्सक निजी प्रैक्टिस करने के लिए पात्र है और कौन नहीं। इसके लिए राज्य के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेज और डेंटल मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों के द्वारा एनपीए लेने अथवा नहीं लेने की जानकारी चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी गई है। सरकार के इस फैसले से आम लोगों को सीधा लाभ होगा। इसके माध्यम से लोग डॉक्टरों के बारे में सारी जानकारी ले सकेंगे। सीएम के पहले पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहाकी जायसवाल ने इस मामले में निर्देश दिए थे। अब इस मामले में एक्शन लिया गया है। बता दें कि कई बार ऐसी भी शिकायतें आई हैं कि डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस को ज्यादा फोकस करते हैं।

दुर्गा पंडाल में जगराता के नाम पर अश्लील डांस पर सियासत

पूर्व विधायक कमरो ने नाराजगी जताई

कोरिया, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरिया में नवरात्रि में जगराता के नाम पर सोनहत के बस स्टैंड दुर्गा पंडाल में हुए अश्लील डांस पर अब सियासत शुरू हो गई है। अश्लील डांस के कार्यक्रम के आयोजन के लिए भाजपा नेता और विधायक रेणुका सिंह समर्थक कार्यक्रम आयोजित करवाने के लिए विधायक रेणुका सिंह का आभार जता रहे हैं तो भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो सोशल मीडिया में पोस्ट कर विधायक व पूर्व केन्द्रिय राज्यमंत्री पर तंज कसते हुए यह लिख रहे है कि शर्म कीजिए काल्पनिक सीएम दीदी।

गुलाब कमरो रेणुका सिंह को काल्पनिक सीएम दीदी इस लिए

बता रहे है कि, रेणुका सिंह ने विधानसभा चुनाव के दौरान खुद को सीएम का चेहरा बताकर भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट से केंद्रीय राज्यमंत्री रहते हुए चुनाव लड़ा था। विधायक रेणुका सिंह के समर्थक विधायक प्रतिनिधि व भाजपा नेता मनोज साहू ने सोशल मीडिया में यह पोस्ट किया है कि जगराता कार्यक्रम सोनहत मां आदिशक्ति दुर्गा नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम सोनहत में पूर्व केंद्रीय मंत्री व विधायक भरतपुर सोनहत माननीया रेणुका दीदी जी के सौजन्य से छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार जीयारानी व रंजन पांडेय चौराम गोंदा लोककला मंच कार्यक्रम में। इस पोस्ट पर पलटवार करते हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पर यह लिखा है जिस विधानसभा क्षेत्र की विधायक खुद एक महिला हो और शक्ति की भक्ति का पर्व नवरात्र चल रहा हो उस विधानसभा क्षेत्र में जगराता के नाम पर ऐसी अश्लीलता परोसी जा रही हो वो भी पुलिस की मौजूदगी में।

धर्म परिवर्तन, हिंदू संगठनों का विरोध

गढ़वा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। गढ़वा जिला के रमकंडा थाना क्षेत्र के मंगरही गांव में धर्म परिवर्तन कराए जाने की सूचना के बाद जमकर हंगामा हुआ। बाद में प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद लोगों को शांत कराया जा सका। अभी भी पूरे घटना पर प्रशासन नजर बनाए हुए हैं। इस संबंध में रामकंडा थाना के एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। घटना के संबंध मैं बताया गया कि रमकंडा थाना क्षेत्र के मंगरही गांव में 200 की संख्या में ग्रामीणों को एक समुदाय विशेष के लोगों ने बुलाया था।

एसडीपीओ के मुताबिक धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। इसी बीच कुछ ग्रामीणों ने इसकी सूचना विभिन्न हिंदूवादी संगठन को दे दी। धर्म परिवर्तन कराए जाने की सूचना के बाद विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य संगठन के लोग उक्त स्थल पर पहुंच कर इसका विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान जमकर हंगामा भी हुआ। हंगामे की सूचना पर तत्काल पुलिस उक्त स्थल पर पहुंच गई। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति नियंत्रण में है।

इस संबंध में उत्तम पांडेय ने कहा कि उन लोगों को धर्म परिवर्तन कराए जाने की सूचना मिली थी। ईसाई समुदाय से जुड़े लोग गांव के करीब 200 भोले भाले गरीबों को धर्म परिवर्तन कर ईसाई बनाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदूवादी संगठन इस तरह के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगा। उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि इसके लिए दोषी लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किया जाना चाहिए।

ईरानी राष्ट्रपति से मिलेंगे पुतिन

लंबे समय तक 'दुश्मन' रहे मॉस्को और तेहरान बने बेस्ट फ्रेंड, इजरायल की बढ़ी टेंशन

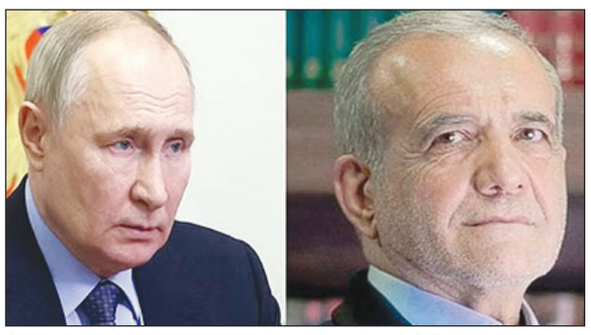

अश्गाबात, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मिलेंगे। दोनों के बीच यह मुलाकात तुर्कमेनिस्तान में 18वीं सदी के कवि की 300वीं जयंती के एक कार्यक्रम में होगी। ईरान के नेताओं की हालिया समय में रूसी राजनेताओं से लगातार बैठकें हो रही हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर रूस इस समय ईरान की तरफ क्यों झुका है। ऐसी कौन की जरूरतें हैं, जो दोनों को करीब ला रही हैं। एक्सपर्ट ने इसके पीछे की वजह बताई है।

फर्स्टपोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में लाफेरमीडिया.आरगानाइजेशन में छपे एक लेख के हवाले से कहा है कि ईरान और रूस 200 वर्षों से एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी रहे हैं। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता रूहोल्लाह खुमैनी सोवियत संघ से भी अमेरिका की तरह ही नफरत करते थे। दोनों देश आज करीब आ रहे हैं तो इसकी वजह बदले हुए हालात हैं। दोनों ही देश इस समय अमेरिका और उसके सहयोगियों से उलझे हुए हैं। ऐसे में पश्चिम के खिलाफ अपने रणनीतिक और भूराजनीतिक हितों के आधार पर सुविधाजनक साझेदारी कर रहे हैं।

दोनों बने हैं एक-दूसरे की जरूरत

वॉर ऑन द रॉक्स के अनुसार, ईरान और रूस के बीच संबंधों सुधार 1990 के दशक की शुरुआत से दिखा, जब रूस ने ईरान को ज्यादातर सैन्य हार्डवेयर मुहैया कराया। इसमें टैंक, बख्तरबंद वाहन, एंटी-टैंक मिसाइल, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और मिसाइलें शामिल थीं। पुतिन ने खासतौर से 1999 में सत्ता संभालने के बाद ईरान के साथ संबंधों को बेहतर बनाया। पुतिन के आने के बाद ईरान रूस के हथियारों का एक बड़ा खरीदार बन गया। 2005 में रूस और ईरान के बीच एक बिलियन डॉलर के हथियार सौदे पर हस्ताक्षर हुए थे। साल 2012 में व्लादिमीर पुतिन के फिर से राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद ईरान से उनकी करीबी और बढ़ी। सीएपीएस के अनुसार, रूस ने ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों पर अपना रुख बदला और तेहरान को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में पर्यवेक्षक बनने के लिए आमंत्रित किया। इसने दोनों देशों के संबंधों को मधुरता दी। फॉरेन पॉलिसी के अनुसार, दोनों देशों में रणनीतिक गठबंधन की नींव 2015 में रखी गई, जब रूस और ईरान ने मिलकर सीरिया में बशर अल असद को सत्ता पर काबिज होने में मदद की। 2016 में रूस ने ईरानी ठिकानों का इस्तेमाल करके सीरिया में विद्रोही ठिकानों पर बमबारी की। यही वह साल था जब मॉस्को को तेहरान के साथ हथियार और हार्डवेयर पर 10 बिलियन डॉलर का समझौता किया। रूस और ईरान के रिश्तों का सबसे अहम साल 2022 बना। साल 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद उसके ईरान के साथ संबंध गहरे हुए हैं। ईरान ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में लगातार रूस की मदद की है। 2022 के अंत में ईरान ने सैकड़ों ड्रोन रूस को भेजे। साथ ही ड्रोन चलाने की ट्रेनिंग के लिए रूसी सेना को ट्रेनिंग भी दी, जिससे रूस की यूक्रेन के मोर्चे पर बहुत मदद हुई। जॉर्जियाई थिंक टैंक जियोकेस में मध्य पूर्व अध्ययन के निदेशक एमिल अवदालियानी कहते हैं, 'यूक्रेन में युद्ध ने रूस के ईरान के साथ संबंधों को देखने के तरीके को बदल दिया है।

नाटक में हिंसा नग्नता देखकर सदमे में आए दर्शक

बुलाने पड़े डॉक्टर, दीवानगी ऐसी सारे शो हाउसफुल

बर्लिन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसी नाटक का मंचन इतना खतरनाक भी हो सकता है कि उसे देखने के बाद दर्शक सदमे में आ जाएं और उन्हें चिकित्सीय मदद की जरूरत पड़ जाए, ये हैरान करने वाली बात है, लेकिन ऐसा हकीकत में हुआ है। दरअसल जर्मनी के स्टटगार्ट में स्थित ओपेरा में एक नाटक का मंचन किया जा रहा है, इस नाटक में नग्नता, यौन शोषण और हिंसा का ऐसा मंचन किया गया है, जिसे लोग भयावह बता रहे हैं। इस नाटक को देखने के बाद 18 दर्शक बीमार हो चुके हैं और उन्हें चिकित्सीय मदद देनी पड़ी है। ऑस्ट्रियन कोरियोग्राफर फ्लोरेंटिना होलजिंगर ने इस नाटक का निर्देशन किया है। इस नाटक के पूरे देश में चर्चे हैं और गौरतलब बात ये है कि यह नाटक इतना भयावह और सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने वाला है, इसके बावजूद लोगों में इसे देखने का जबरदस्त क्रेज है और इसके अगले सारे शो के टिकट बिक चुके हैं।

मां काली का वह मुकुट जो पीएम मोदी ने किया था भेंट

बांग्लादेश के मंदिर से हुआ चोरी

ढाका, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सतखीरा में स्थित मां काली के जेशोरेश्वरी मंदिर की बहुत मान्यता है। जब पीएम मोदी ने साल 2021 में बांग्लादेश का दौरा किया था तो उन्होंने उस मंदिर में मां काली का मुकुट भेंट किया था। अब खबर आई है कि पीएम मोदी द्वारा भेंट किया गया मुकुट मंदिर से चोरी हो गया है। सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट गुरुवार दोपहर में मंदिर से चोरी हुआ।

विज्ञापनमामले पर स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, 'हम चोर की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं'। पीएम मोदी ने अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान 27 मार्च, 2021 को जेशोरेश्वरी मंदिर का दौरा किया था। उस दिन उन्होंने प्रतीकात्मक संकेत के रूप में देवी के सिर की मूर्ति पर मुकुट रखा था। 'जेशोरेश्वरी' नाम का अर्थ है 'जेशोर की देवी'। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त ने मां काली के मुकुट चोरी होने की घटना पर चिंता जाहिर की। उच्चायोग से जुड़े लोगों ने बताया कि बांग्लादेश के मंदिर से धार्मिक वस्तु के चोरी होने की घटना पर भारत ने चिंता जाहिर की और बांग्लादेश की जांच एजेंसियों से मामले की जांच कर आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग जांच एजेंसियों के संपर्क में है। पीढ़ियों से मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य ज्योति चट्टोपाध्याय ने बांग्लादेशी मीडिया को बताया कि यह मुकुट चांदी से बना था और इस पर सोने की परत चढ़ी हुई थी। चोरी हुआ मुकुट भक्तों के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में, जेशोरेश्वरी मंदिर को भारत और पड़ोसी देशों में फैली 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि सतखीरा के ईश्वरीपुर में स्थित इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में अनारी नामक ब्राह्मण ने करवाया था। उन्होंने जशोरेश्वरी पीठ के लिए 100 दरवाजों वाला मंदिर बनवाया था। बाद में 13वीं शताब्दी में लक्ष्मण सेन ने इसका जीर्णोद्धार करवाया और अंततः राजा प्रतापादित्य ने 16वीं शताब्दी में मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया।

अमेरिका में मिल्टन तूफान से 16 लोगों की मौत

बवंडर और बाढ़ से 120 घर तबाह, 30 लाख घरों-ऑफिसों में बिजली नहीं

वॉशिंगटन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में मिल्टन तूफान से आए बवंडर और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। हरिकेन की वजह से फ्लोरिडा में अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, करीब 30 लाख घरों और ऑफिसों में बिजली नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, तूफान की वजह से 120 घर तबाह हो चुके हैं। सेंट्रल फ्लोरिडा में मिल्टन की वजह से 10-15 इंच तक की बारिश हुई, जिसकी वजह से बाढ़ आ गई। अमेरिकी कोस्टगार्ड ने गुरुवार को मैक्सिको की खाड़ी में फंसे एक शख्स को रेस्क्यू किया। वह एक लाइफ जैकेट और कूलर के भरोसे पानी में अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। मिल्टन फ्लोरिडा से टकराने वाला साल का तीसरा तूफान है। गुरुवार (10 अक्टूबर) को यह फ्लोरिडा के सिएस्टा में समुद्री तट से टकराया। इससे पहले ये कैटेगरी 5 का तूफान था। टकराते वक्त ये कैटेगरी 3 का हो गया था। तूफान की वजह से अमेरिका के नेशनल वेदर सर्विस ने 126 बवंडरों की वॉर्निंग जारी की थी। तूफान शांत होने के बाद शुक्रवार (11 अक्टूबर) से टैम्पा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दोबारा खोलने की तैयारी की जा रही है। पेंटागन के प्रेस सेक्रेटरी जनरल पैट राइडर ने बताया कि तूफान से मची तबाही में लोगों की मदद के लिए फ्लोरिडा नेशनल गार्ड के 6500 लोगों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 19 राज्यों के 3 हजार गार्ड्स को भी तैनात किया गया है।

पाकिस्तान में चार दिन में दूसरा आतंकी हमला

20 की मौत, बलूचिस्तान की कोयला खदान में रॉकेट और हैंड ग्रेनेड से अटैक किया

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक प्राइवेट कोयला खदान पर आतंकी हमले में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, कुछ हमलावरों ने डूकी क्षेत्र में जुनैद कोल कंपनी की खदान पर हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने रॉकेट और हैंड ग्रेनेड समेत कई आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। डूकी के डिस्ट्रिक्ट काउंसिल चेयरमैन खैरुल्लाह नासिर ने कहा कि हमलावरों ने 10 कोल इंजन और मशीनों में आग भी लगा दी। हमले में मारे गए लोग पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों से हैं। इनमें से कुछ अफगानिस्तान के रहने वाले भी हैं। पुलिस और सिक्योरिटी फोर्स की टीम ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी विद्रोही या आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमले के बाद डूकी में कई जगह प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं।

कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा ने स्थानीय पुलिस अधिकारी के हवाले से जानकारी दी कि हमलावरों ने खदान में काम करने वाले सभी कर्मियों को एक जगह इकट्ठा कर गोली मार दी। यह पाकिस्तान में पिछले 4 दिनों में दूसरा आतंकी हमला है।

इससे पहले 6 अक्टूबर को भी देर रात कराची एयरपोर्ट के पास एक विस्फोट हुआ था। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 11 घायल हुए थे। हमले के बाद चीन की एम्बेसी ने इसकी जांच की मांग की थी। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खुद जांच का नेतृत्व करने का आश्वासन दिया था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अगस्त में अलग-अलग आतंकी हमले में कम से कम 73 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली थी। इसके बाद पाकिस्तानी आर्मी ने बयान जारी कर बताया था कि बलूचिस्तान में जवाबी कार्रवाई में 21 आतंकियों को भी ढेर कर दिया। इसी साल मार्च में पाकिस्तान में चीन की मदद से बनाए जा रहे ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी (जीपीए) पर आतंकी हमला हुआ था। ग्वादर के कॉम्प्लेक्स में कई धमाके और फायरिंग हुई। यहीं एक पासपोर्ट ऑफिस भी था, जो धमाके में तबाह हो गया था। 8 आतंकी भी मारे गए थे।

मारे गए आठों लोग बलूचिस्तान के प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के थे।

पाकिस्तान की 10 हजार एकड़ जमीन पर होगा सऊदी अरब का कब्जा

क्राउन प्रिंस सलमान की पाकिस्तान विकास में खास रुचि है

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंबे समय से सऊदी अरब से निवेश की चाहत रखने वाले पाकिस्तान की मुराद पूरी हो गई है। सऊदी अरब की ओर से पाकिस्तान में दो अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिसकी पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने सराहना की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। एमओयू पर हस्ताक्षर के मौके पर सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद बिन अब्दुल अजीज अल फलीह और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर भी मौजूद रहे। पाकिस्तान की जमीन पर सऊदी अरब के लिए खेती करने की डील भी हुई है। सऊदी के निवेश मंत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों की यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचा था। पाकिस्तानी पीएम ने एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान कहा, 'निवेश मंत्री की अध्यक्षता में सऊदी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा महत्वपूर्ण है। क्राउन प्रिंस सलमान की पाकिस्तान विकास में खास रुचि है।' उन्होंने निवेश की सराहना करते हुए कहा कि समय के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा। शहबाज ने कहा कि विशेष निवेश सुविधा परिषद की भूमिका विदेशी निवेश लाने में है। समझौतों में कृषि क्षेत्र में 70 मिलियन डॉलर का निवेश, सऊदी अरब में सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण की स्थापना, कपड़ा उद्योग की स्थापना, एक तेल पाइपलाइन परियोजना, निवेश के अवसरों की खोज के लिए एक समझौता ज्ञापन, एक हाइब्रिड बिजली परियोजना, ट्रांसफार्मर विनिर्माण फैसिलिटी का विकास शामिल है।

ट्रम्प ने चुनाव से पहले फिर मोदी की तारीफ की

बोले- मोदी टोटल किलर, बाहर से पिता जैसे दिखते हैं, मिमिक्री भी की

वाशिंगटन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव से पहले एक बार फिर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। पिछले दो महीने में ये दूसरी दफा है जब उन्होंने मोदी की तारीफ में कसीदे गढ़े हैं। ट्रम्प ने एक पॉडकास्ट में चर्चा के दौरान कहा कि मोदी एक टोटल किलर हैं। ट्रम्प ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत बहुत अस्थिर था। उन्होंने पीएम मोदी को अपना दोस्त और अच्छा इंसान भी कहा। ट्रम्प ने कहा कि देखने पर वो बाहर से आपको पिता जैस दिखेगें। मोदी सबसे अच्छे इंसान और प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं।

पोडकास्ट में बातचीत के दौरान ट्रम्प ने मोदी की मिमिक्री भी की। दरअसल ट्रम्प मोदी से जुड़ा हुआ एक किस्सा सुना रहे थे। उन्होंने कहा कि जब वो राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने भारत को एक देश (पाकिस्तान) के साथ तनाव के दौरान मदद करने की पेशकश की थी।

ट्रम्प ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कुछ मौके पर एक देश भारत को धमकी दे रहा था। तब उन्होंने मोदी से कहा कि मुझे मदद करने दीजिए, मैं उन लोगों के साथ अच्छे से डील कर सकता हूं। इस पर पीएम मोदी के जवाब को ट्रम्प ने मिमिक्री करते हुए सुनाया। ट्रम्प ने मोदी की आवाज में कहा कि, " मैं इसे करूंगा और जो भी जरूरी होगा, वो सब करूंगा। हम उन्हें सैकड़ों सालों से हराते आ रहे हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्ररपति ने पिछले महीने भी मोदी की तारीफ की थी। उन्होंने मिशिगन में चुनावी कैंपेन के दौरान ट्रम्प ने कहा था कि पीएम मोदी शानदार व्यक्ति हैं। वे अपने काम में बेहद अच्छे हैं। हालांक इस दौरान ट्रम्प ने आरोप लगाया था कि भारत अमेरिका से व्यापार संबंधों का गलत इस्तेमाल करता है। दरअसल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति से भारत के साथ फ्री ट्रेड पर सवाल किया गया था।

इस पर उन्होंने कहा, भारत आयात पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाता है। राष्ट्रपति बनने पर मैं अमेरिका में 'रेसिप्रोकल ट्रेड पॉलिसी' लागू करूंगा। यानी जो देश हम पर इम्पोर्ट के लिए जितना टैक्स लगाएगा हम भी उतना ही टैरिफ लेंगे।

परमाणु हथियारों से लैस 5 देशों ने बुलाई अहम बैठक

तनातनी के बीच रूसी मंत्री ने किया खुलासा, एटमी युद्ध का खतरा?

मॉस्को, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के पांच परमाणु हथियार संपन्न देशों का ग्रुप अमेरिका के न्यूयॉर्क में बैठक करने जा रहा है। पांच देशों के इस गुट की ये बैठक अगले दो सप्ताह में हो सकती है। रूस की मीडिया ने गुरुवार को उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव के हवाले से ये दावा किया है। हालांकि रयाबकोव ने इस बैठक की किसी सटीक तारीख की जानकारी नहीं दी है और ना ही ये बताया कि बैठक में किस स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। यूक्रेन में युद्ध की शुरुआत के बाद से रूस और पश्चिम के बीच परमाणु तनाव में उल्लेखनीय वृद्धि के चलते यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को एक मंच पर ला सकती है। ये सभी परमाणु-सशस्त्र देश हैं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी मेंबर हैं।

इजराइल की बेरूत पर एयरस्ट्राइक, 22 की मौत

यूएन की इमारत पर भी हमला, सऊदी-कतर बोले- ईरान पर अटैक के लिए एयरस्पेस नहीं खोलेंगे

तेल अवीव, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने गुरुवार को लेबनान की राजधानी बेरूत में एक इमारत पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 177 लोग घायल हुए हैं। इजराइल ने हमले पर फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया है। हमले में हिजबुल्लाह के सीनियर सदस्य और कोऑर्डिनेशन यूनिट के चीफ वाफीक साफा को टारगेट किया गया था। हालांकि, हमलों के बीच वह भागने में कामयाब रहा। यह सेंट्रल बेरूत में इजराइल की अब तक की सबसे बड़ी एयरस्ट्राइक रही है। इस हमले से कुछ घंटे पहले दक्षिणी लेबनान में इजराइली टैंकों ने यूएन की एक इमारत पर अटैक किया। इस हमले में यूएन पीसकीपिंग फोर्स (यूएनआईएफआईएल) के 2 सदस्य घायल हो गए। ये दोनों इंडोनेशिया के नागरिक हैं। 1978 से लेबनान में तैनात यूएनआईएफआईएल के सदस्य यहां खतरों की निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने का काम करते हैं। यूएन ने कहा है कि इजराइल ने पिछले 24 घंटों में लगातार उनके बेस को निशाना बनाया गया है। इजराइली सैनिकों ने जानबूझकर यूएनआईएफआईएल के 2 और बेस पर कैमरा और लाइट्स पर गोलियां चलाईं। वहीं इजराइली सेना ने कहा है कि टैंक से हमला करने से पहले उन्होंने यूएन पीसकीपिंग सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर जाने की वॉर्निंग दी थी।

यूएन पीस मिशन की टीम पर हमले के बाद इटली, फ्रांस और इंडोनेशिया जैसे कई देशों ने इजराइल से जवाब मांगा है। इससे पहले सितंबर में भी इजराइल ने यूएन पीसकीपर्स को दक्षिणी लेबनान से हटने को कहा था। हालांकि, उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया था।

इस समय संयुक्त राष्ट्र के पीस मिशन में 48 देशों के लगभग 10,500 पीसकीपर्स हैं। भारत के भी 900 पीसकीपर्स दक्षिणी लेबनान के इजराइल सीमा के पास तैनात है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे कई खाड़ी देश ईरान के तेल भंडारों पर इजराइली हमला रोकने के लिए अमेरिका पर दबाव बना रहे हैं। इन देशों ने कहा है कि वे ईरान पर हमले के लिए इजराइल को अपना एयरस्पेस इस्तेमाल नहीं करने देंगे। दरअसल, इजराइली पीएम नेतन्याहू ने गुरुवार को देश की सिक्योरिटी कैबिनेट के साथ एक मीटिंग की थी। सीएनएन ने दावा किया था कि नेतन्याहू ने यह बैठक ईरान पर हमले के प्लान को फाइनल करने के लिए की थी।

इंसानों की तरह बात करते हैं एलन मस्क के रोबोट

अरबपति ने दिखाई भविष्य की दुनिया ऑप्टिमस को बताया सबसे बेहतरीन

वॉशिंगटन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरबपति एलन मस्क ने गुरुवार की रात 'वी रोबोट' इवेंट के दौरान दुनिया के सामने अपनी गाड़ियों और रोबोट को रखा। एलन मस्क ने ऐसी चीजें दिखाई हैं, जिन्हें हम सिर्फ किसी साइंस-फिक्शन फिल्म में देखते हैं और कल्पना करते हैं। इस शो का स्टार टेस्ला साइबरकैब को माना जा रहा है। लेकिन इवेंट में एलन मस्क ने एक बार फिर टेस्ला ह्यूनॉइटड ऑप्टिमस को रखा। यह इंसानी आकार के रोबोट हैं जो दो पैर पर चलते हैं और इनके दो हाथ हैं। एलन मस्क ने इनके बारे में कहा कि यह अब कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'ऑप्टिमस आपके बीच चलेगा। आप उनके पास जाएंगे तो वे आपको ड्रिंक्स सर्व करेंगे।' वह रोबोट्स की क्षमता को असीमित बताते हैं। उनका कहना है कि यह कुत्ते को घुमा सकता है, बच्चों की देखभाल कर सकता है, गार्डन की घास काट सकता है। उनका अनुमान है कि जब यह मार्केट में होगा तो इसकी कीमत 20 से 30 हजार डॉलर के करीब होगी।

औरत का पीएम-सीएम बनना जायज नहीं, ये गुनाह

पाकिस्तान में जाकिर नाइक ने महिलाओं पर फिर दिया अजीब बयान

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक का पाकिस्तान में विवादित बयान देने का सिलसिला जारी है। खासतौर से महिलाओं पर अपने बयानों से विवाद खड़े कर रहे जाकिर ने अब बड़े पद संभालने वाली औरतों की लानत मलानत की है। जाकिर का कहना है कि इस्लामी लिहाज से किसी औरत का पीएम, सीएन बनना ठीक नहीं है। इस बयान के बाद जाकिर फिर से सोशल मीडिया पर लोगों के निशाने पर है। पाकिस्तान की महिलाओं ने खासतौर से इस बयान पर गुस्सा निकाला है। पाकिस्तान में एक टीवी चैनल पर जाकिर ने 'सरकार में औरतें' शीर्षक पर बात करते हुए कहा, 'पंजाब की सीएम औरत है, पहले पीएम भी महिला रही है। वहीं बांग्लादेश में भी लंबे समय से महिला ही पीएम थी। मुझे समझ नहीं आता है कि क्या इन देशों में मर्द मर गए हैं क्या। औरतों को पर्दा से बाहर आकर इस तरह मर्दों के बीच काम करना जायज नहीं है। ये चाहे राजनीति की बात हो या फिर बिजनेस का फील्ड हो।' जाकिर ने इस दौरान कहा कि सीएम, पीएम या दूसरे बड़े पद पर जब कोई औरत पहुंचती है तो उसे तमाम दुनिया में घूमना होता है। हमने देखा है कि वो दूसरे देशों के पीएम ये हाथ भी मिलाती हैं। उनके आसपास भी सहयोगी के तौर पर ज्यादातर मर्द ही रहते हैं। ये बिल्कुल गलत है, इससे अच्छा है कि सिर में कील ठोक दी जाए। जाकिर ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि गैम्बिया में मुझसे अमेरिका की एक लड़की ने हाथ मिलाने की कोशिश की तो मैंने मना कर दिया। हाल ही में इस्लामाबाद में भी मैंने लड़कियों के साथ तस्वीर खिंचवाने से मना कर दिया था। जाकिर ने कहा कि मेरा धर्म कहता है कि किसी अनजान औरत को छूना तक भी हराम है। जाकिर नाइक को पाकिस्तान की सरकार ने स्टेट गेस्ट के तौर पर बुलाया है, ऐसे में उसका खूब सम्मान हो रहा है लेकिन महिलाओं को उसके बयान गुस्सा कर रहे हैं। जाकिर नाइक ने इस्लामाबाद में यतीम लड़कियों को अवार्ड देने से मना करते हुए कहा था कि उनको पर्दे में रहना चाहिए।

इजरायल की जासूसी के लिए गिरफ्तार ईरान के मिलिट्री चीफ को आया हार्ट अटैक

पूछताछ के दौरान टूटे इस्माइल कानी

तेहरान, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल ने पिछले कुछ महीनों में सटीक खुफिया जानकारी के आधार कई ऐसे ऑपरेशन को अंजाम दिया है, जिसने ईरान और उसके प्रॉक्सी को हिलाकर रख दिया है। इजरायल ने जुलाई में हमास नेता इस्माइल हानिया को उड़ाया तो बीती 27 सितम्बर को हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मार डाला। खास बात ये रही कि बेहद ही गोपनीय तरीके से रहने वाले इन नेताओं की सटीक जानकारी इजरायल के पास थी। इस बीच खबर आई है कि ईरान ने अपनी कुद्स फोर्स के टॉप कमांडर इस्माइल कानी को हिरासत में लिया है। ईरान को शक है कि शीर्ष स्तर पर गद्दारी करके इन नेताओं की लोकेशन इजरायल तक पहुंचाई गई। बेरूत में नसरल्लाह के संभावित उत्तराधिकारी साफीद्दीन के इजरायली हमले में मारे जाने के बाद कई दिनों तक इस्माइल कानी के बारे में पता नहीं चल रहा था। ये आशंका जताई गई कि शायद कानी भी साफीद्दीन के साथ मारे गए। लेकिन इसी बीच ये जानकारी सामने आई कि कानी हमले के समय साफीद्दीन के साथ नहीं थे। अब स्काई न्यूज के अरब संस्करण ने बताया है कि इस्माइल कानी जिंदा हैं और तेहरान में हिरासत में हैं, जहां उनसे इजरायल के साथ संबंधों को लेकर कड़ी पूछताछ की जा रही है।

हरियाणा में जीत के शिल्पकार रहे सतीश पूनिया का फिर तिरस्कार!

सियासी भविष्य पर उठ रहे सवाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा के बड़े नेताओं में शुमार सतीश पूनिया हरियाणा में पार्टी की जीत के शिल्पकार रहे। इसके बाद भी वह फिर से हाशिये पर जाते दिख रहे हैं। चुनावों में जीत के बाद पूनिया तत्काल राजस्थान रवाना हो गए। नए मंत्रिमंडल गठन में भी उनकी भूमिका न के बराबर ही है। इससे उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। क्या उन्हें दौसा विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनावों में उतारा जाएगा? यह सवाल इस समय सियासी गलियारों में खूब चर्चा का विषय बना हुआ है।

राजस्थान में जब अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे, तब 2019 में सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। 2023 के विधानसभा चुनावों से ठीक सात महीने पहले पार्टी ने नेता बदला और सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। पूनिया को आमेर विधानसभा सीट से उतारा गया था, जहां उन्हें कांग्रेस के प्रशांत शर्मा ने 9,092 वोट से हराया। इसके बाद पूनिया को लोकसभा चुनावों के दौरान चर्चा उठी कि उन्हें अजमेर से टिकट दिया जा सकता है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उन्हें हरियाणा का प्रभारी बना दिया गया। वहां नतीजा बहुत अच्छा नहीं रहा था और कांग्रेस ने वापसी करते हुए पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। लगा था कि पूनिया के साथ सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उन्हें विधानसभा चुनावों में भी प्रभारी बनाया गया। अब की बार भाजपा की रणनीति काम कर गई और 90 सीटों वाले सदन में 48 सीटों के साथ बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है।

क्या हुआ हरियाणा की जीत के बाद

हरियाणा में जिस दिन नतीजे आए, उसी दिन शाम को पूनिया राजस्थान लौट आए। प्रदेश प्रभारी होने के बावजूद नई सरकार की गठन प्रक्रिया में उनकी राय को महत्व नहीं दिया जा रहा है। इन दो घटनाक्रमों की वजह से सियासी अटकलों का बाजार गरमा गया कि पूनिया का सियासी भविष्य क्या होगा? विधानसभा चुनावों के बाद उन्हें राजस्थान में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद तो कम ही बताई जा रही थी। हरियाणा की जीत से उम्मीद बंधी थी, लेकिन पूनिया ने खुद कहा कि ₹मेरी तो एक प्रतिशत भी चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं है। पार्टी ने मुझे जो काम दे रखा है हरियाणा के प्रभारी के नाते, मैं उसको शिद्दत से पूरा करूं, यह मेरी प्राथमिकता है।₹ एक तरह से उन्होंने संभावनाओं से ही इनकार कर दिया। नतीजे आने के बाद एक-दो दिन पूनिया सुर्खियों में रहे और फिर खबरों से गायब हो गए। सतीश पूनिया के बारे में राजनीतिक पंडितों की राय है कि उन्हें पार्टी के भीतर की आंतरिक गुटबाजी का नुकसान हुआ है। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने उन पर असहयोग का आरोप लगाया था।

आदमखोर लेपर्ड लोगों के हाथ-पैर फेफड़े खा गया

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा एक ही तरीके से किए सारे हमले; पहले गर्दन तोड़ी, फिर खाया

उदयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा में लेपर्ड का शिकार लोगों के शरीर का ऐसा हाल देखकर डॉक्टर भी हैरान थे। लेपर्ड अब तक 9 लोगों को मार चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 7 शिकार गोगुंदा में किए। पोस्टमॉर्टम के दौरान 5 साल की बच्ची का शव देखा तो,दिल पसीज गया था। इतनी भयावह स्थिति थी कि बता पाना भी मुश्किल है। बच्ची का पूरा शरीर ही गायब हो, ऐसी स्थिति थी। ऐसे ही क्षत-विक्षत हालत में बाकी शव थे। सभी की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ चुकी है, जिससे साफ है कि किसी जंगली जानवर ने शरीर को बुरी तरह नोंचकर खाया है। ये जंगली जानवर लेपर्ड है, ये वन विभाग पुख्ता कर चुका है। भास्कर ने गोगुंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के डॉक्टरों से बात कर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बारे में जाना।

अफसरों की मनमर्जी से अटकी सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बीते चार महीनों से नहीं हुआ भुगतान

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान वित्त विभाग के अफसरों ने राजस्थान की पूरी अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। ऐसा कोई महकमा नहीं है, जो भुगतान के लिए वित्त विभाग के चक्कर नहीं लगा रहा। पहले बेरोजगारी भत्ते के लिए चक्कर लगवाए, अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर भी वित्त विभाग के अफसर कुंडली मारकर बैठ गए हैं।

प्रावधान के बावजूद रिलीज नहीं हो रही पेंशन

हैरानी की बात यह है कि सामाजिक न्याय विभाग के पास पेंशन बांटने के लिए बजट प्रावधान भी है लेकिन भुगतान का पूरा नियंत्रण वित्त विभाग ने अपने कंट्रोल में ले रखा है, जिसके चलते पेंशनर्स को विलंब से हो रहे भुगतान की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। पिछले दिनों सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाकर वाहवाही तो लूट ली लेकिन पेंशनर इस राशि के खातों में पहुंचने का इंतजार कई महीनों से कर रहे हैं। हालत यह है कि मई से प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं दी गई है। यह राशि करीब 3 हजार रुपये हो चुकी है। इस संबंध में सामाजिक न्याय विभाग की ओर से पिछले दिनों वित्त विभाग को एक पत्रावली भी भेजी गई थी, जो आज तक वहां पेंडिग है।

केंद्र से पैसे मिलने पर बंटेगी पेंशन

आर्थिक स्थिति यह है कि राज्य सरकार अपनी पेंशन बांटने के लिए भी केंद्र से पैसे आने का इंतजार कर रही है। इसी सप्ताह केंद्र से करीब 10 हजार करोड़ रुपये की राशि राज्य सरकार को ट्रांसफर होनी है। वित्त विभाग ने इसके बाद पेंशन रिलीज करने का भरोसा दिया है।

मई से सितंबर तक बकाया

सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के मुताबिक विभागीय स्तर से सभी पात्र पेंशनर्स का भुगतान बिल बनाकर प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में कोषागार (वित्त विभाग) को अग्रेषित कर दिए जाते हैं। कोषागार द्वारा वेज एंड मीन्स की स्थिति के अनुसार पेंशनर्स को राशि जारी की जाती है। इस प्रकार माह मई से अगस्त 2024 तक की अवधि के लिए पेंशनर्स को 1979.25 करोड़ रुपयों का भुगतान होना शेष है। यदि इसमें माह सितंबर 2024 की राशि को भी जोड़ दी जए तो कुल 2970.70 करोड़ रुपये का भुगतान पेंशनर्स को होना बाकी है।

भजनलाल सरकार का सोशल मीडिया का टेंडर तीसरी बार हुआ जारी

टेंडर की पारदर्शिता पर उठे सवाल पहले दो बार क्यों हुआ निरस्त?

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार का सोशल मीडिया का टेंडर अब तीसरी बार राजकॉम्प ने जारी किया है । 8 अक्टूबर 2024 को यह टेंडर जारी किया है । इस बार यह टेंडर 28 करोड़ 35 लाख से घटकर 21 करोड़ 16 लाख रुपये का है । जबकि इससे पहले यह टेंडर दो बार विवादों में आने के कारण निरस्त हो चुका था । इस टेंडर को लेने के लिए कई कंपनियां पूरा जोर लगा रही है । लेकिन दो बार टेंडर निरस्त होने से टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवालिया निशान लग रहे है । इस टेंडर को लेने के लिए पहले चार कंपनियां आई थी । लेकिन विवादों के चलते पहला टेंडर निरस्त हो गया था । इसके बाद दूसरी बार जब टेंडर जारी हुआ, तब अन्य दो नई कंपनियां ने टेंडर भरा था । लेकिन दूसरी बार भी टेंडर निरस्त हो गया था । बताया जा रहा है कि अनुचित दबाव के चलते जिस कंपनी को टेंडर मिलने वाला था, उसने दबाव में आने से इनकार कर दिया ।इस टेंडर के लिए 15 अक्टूबर को प्री बिड मीटिंग रखी गई है । वहीं 29 अक्टूबर 2024 को टेक्नीकल बिड ओपन होगी । वहीं 15 अक्टूबर को ही पता चल सकेगा कि इस बार कौन-कौन सी कंपनिया इस टेंडर को लेने के लिए जोर लगा रही है। वहीं जैसा की पहले भी बताया चुका है कि सीएम भजनलाल शर्मा के सोशल मीडिया ओएसडी धनराज सोलंकी खुद की सोशल मीडिया टीम से अभी सीएम भजनलाल शर्मा का सोशल मीडिया का प्रचार-प्रसार देख रहे है ।

हर्बल बीज खरीदने के नाम पर साइबर धोखाधड़ी

› नाइजीरियन मुंबई से और घाना नागरिक दिल्ली से गिरफ्तार

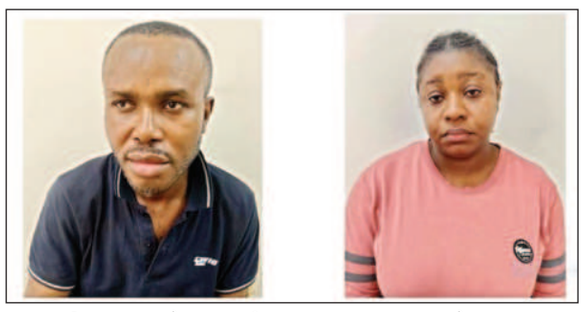

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े साइबर धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश किया है, जिसमें विदेशी नागरिकों ने हर्बल बीज खरीदने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की। इस मामले में नाइजीरिया के ऊडोचुकवू चार्ल्स एके और घाना की जॉए अनकर को गिरफ्तार किया गया है, जो भारत में सक्रिय होकर लोगों को फंसाने और उनसे बड़ी रकम ऐंठने में शामिल थे। प्रकरण के मुताबिक परिवादी नवीन कुमार की मुलाकात मार्च 2018 में एक सोशल मीडिया डेटिंग ऐप पर यूके निवासी एलीन मोरा से हुई थी। एलीन ने नवीन को बताया कि वह यूके की एक प्रतिष्ठित कंपनी, इन्टलहर्बल फार्मास्यूटिकल में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उसने दावा किया कि कंपनी भारत से सस्ते हर्बल बीज खरीदती है और उन्हें विदेशों में बहुत महंगे दामों पर बेचती है। एलीन ने बताया कि भारत में यह बीज 40,000 रुपये प्रति पैकेट में मिलते हैं, जबकि उनकी कंपनी उन्हें 1,20,000 रुपये प्रति पैकेट में खरीदती है, जिससे काफी मुनाफा होता है। एलीन मोरा ने नवीन को बिजनेस पार्टनर बनने का प्रस्ताव दिया और कहा कि अगर वह इन बीजों की खरीद-फरोख्त में हिस्सा लेते हैं, तो उन्हें भी अच्छा मुनाफा मिलेगा। इस मुनाफे के लालच में आकर नवीन ने आरोपी द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में कुल 32,35,200 रुपये जमा करवा दिए। जब नवीन को इस बिजनेस से कोई मुनाफा नहीं मिला और आरोपी ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया, तो उन्हें एहसास हुआ कि वे धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं। इसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, एसओजी, राजस्थान में मामला दर्ज करवाया। मामला 52/2018 धारा 66D आईटी एक्ट व 419, 420, 465, 468, 471, 120B भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी वी. के. सिंह के निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की तहकीकात के दौरान पुलिस को आरोपियों के बैंक खातों और उनके इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जानकारी मिली। पुलिस ने इमिग्रेशन विभाग और सहार पुलिस, मुंबई की सहायता से दिनांक 29 सितंबर 2024 को नाइजीरियन नागरिक ऊडोचुकवू चार्ल्स एके को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसकी सहयोगी घाना की जॉए डनकर को दिल्ली के दक्षिणी इलाके से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विश्लेषण करने पर यह पता चला कि उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा सहित कई अन्य राज्यों में दर्जनों लोगों के साथ इसी प्रकार की धोखाधड़ी की है।

फर्जी खेल सर्टिफिकेट घोटाला ताइक्वांडो संघ सचिव गिरफ्तार

1-1 लाख में बिके थे जाली दस्तावेज

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने ताइक्वांडो संघ के सचिव दिनेश जगरवाल को एक बड़े घोटाले में गिरफ्तार किया, जिसमें खेल सर्टिफिकेट फर्जी तरीके से तैयार किए गए थे। आरोपी जगरवाल, जो सीकर के लक्ष्मणगढ़ स्थित नासनवा सरकारी स्कूल में पीटीआई पद पर तैनात है, ने 1-1 लाख रुपए लेकर सैकड़ों फर्जी सर्टिफिकेट बांटे। इन सर्टिफिकेट्स के जरिए कई उम्मीदवारों ने सरकारी नौकरियां पाई थीं। जगरवाल ने पुराने खिलाड़ियों के रिकॉर्ड में हेरफेर कर सर्टिफिकेट जारी किए और इसके बदले भारी रकम वसूल की। मामले में पहले ही कई सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें वेरिफिकेशन अधिकारी भी शामिल हैं। राजस्थान में ताइक्वांडो चैंपियनशिप के दौरान 2017 और 2018 में यह फर्जीवाड़ा हुआ था, जहां हजारों खिलाड़ियों के बीच सर्टिफिकेट जारी किए गए। ताइक्वांडो संघ की आंतरिक राजनीति और संघीय मान्यता को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया, जिससे संघ को 2018 के बाद से मान्यता नहीं मिल पाई।

एसआई भर्ती परीक्षा में कमेटी की समीक्षा का काम पूरा

› निरस्त होगी या नहीं, इसे लेकर सरकार पसोपेश में

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सचिवालय में गुरुवार विधि मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर अंतिम बैठक हो गई। मंत्रियों की कमेटी की इस बैठक के बाद यह माना जा रहा है कि 13 अक्तूबर को प्रस्तावित कैबिनेट की बैठक में या सीएम भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित विदेश दौरे से पूर्व इस पर सरकार फैसला ले लिया जाएगा।

दरअसल प्रकरण में सबसे बड़ा पसोपेश यही है कि यदि सरकार भर्ती निरस्त करने का फैसला करती है तो जिन्होंने बिना किसी बेईमानी के खुद की मेहनत से सफलता हासिल की है, उन अभ्यार्थियों को लेकर क्या होगा? साथ ही भविष्य में कानूनी पचड़े हुए या सरकार के आदेश के खिलाफ कोई याचिका दायर होती है तो क्या लाइन ऑफ एक्शन लिया जाए? कमेटी ने इन बिंदुओं को लेकर भी विचार विमर्श किया है। बैठक के बाद विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमने गृह विभाग और एसओजी के अधिकारियों से तथ्यों के संकलन का काम पूरा कर लिया है। अब कमेटी के सारे मंत्री आपसी मंत्रणा करके और एक राय होने के बाद सरकार को जल्द रिपोर्ट दे देंगे, जिस पर सरकार की ओर से फैसला किया जाएगा।

माना जा रहा है कि 13 अक्तूबर को कैबिनेट की बैठक और मुख्यमंत्री के विदेश दौरे से पूर्व रिपोर्ट दे दी जाएगी और फैसला हो जाएगा। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि हमने भर्ती निरस्त करने के गुणावगुणों को लेकर भी आज की बैठक में विचार विमर्श कर लिया है। अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेने का काम पूरा कर लिया है। अब हम मंत्रियों की आपसी 1-2 बैठक करके रिपोर्ट दे देंगे, जिस पर अंतिम निर्णय सरकार को ही करना है।

प्रदेश के नौ जिलों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरब सागर में बने एक वेदर सिस्टम के असर से बदले मौसम के मिजाज से राजस्थान के 9 जिलों में बारिश और ओले गिरने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि इस सिस्टम का असर 13 अक्टूबर तक देखने को मिल सकता है। इस दौरान कोटा और उदयपुर संभाग के 10 से ज्यादा जिलों में 13 अक्टूबर तक बारिश और कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं। राजस्थान में इस वक्त बाजरा और धान की फसल खेतों में खड़ी है। यदि ओलावृष्टि होती है तो किसान की महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है।

एफआईआर डाउनलोड कर ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में पुलिस ने एक खतरनाक साईबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस थानों से एफआईआर डाउनलोड कर उनके परिवादियों से संपर्क करके ठगी करता था। आरोपी ने अब तक 20 से ज्यादा एफआईआर डाउनलोड की हैं और उन्हें अपने मोबाइल में सहेज रखा था। पुलिस ने इस धोखेबाज के चंगुल से लोगों को बचाने के लिए सतर्कता बरतने की अपील की है। जानकारी के अनुसार 10 अक्टूबर को मुरलीपुरा थाना को एक मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग पुलिस के सीसीटीएनएस पोर्टल से एफआईआर डाउनलोड कर रहे हैं और फिर इन एफआईआर के परिवादियों से संपर्क कर खुद को विशेष अनुसंधान अधिकारी बताकर ठगी कर रहे हैं। आरोपी परिवादियों को मुल्जिमों के नंबर देकर धमकाता और उनसे पैसे ऐंठने का काम करता था। हाल ही में महिला थाना जयपुर पश्चिम के एक मामले में आरोपी ने गूगल पे के जरिए पैसे ट्रांसफर करने की मांग की थी।

पुलिस ने इस मामले में तकनीकी टीम ने गहन जांच के बाद अलवर जिले के मूनपुर गांव निवासी 25 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद मीणा को गिरफ्तार किया। लंबे समय से साईबर अपराध में लिप्त इस आरोपी पर आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों की भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के नेतृत्व में की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि शहर में बढ़ते साईबर अपराधों के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त अमित कुमार की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में थानाधिकारी और तकनीकी शाखा के अधिकारियों को शामिल किया गया, जो साईबर अपराधों के खिलाफ सख्ती से निपट रहे हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे साईबर अपराधों से सतर्क रहें।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 2 क्विंटल नमकीन जब्त

अलवर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहरोड़ खाद्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत नमकीन के सैंपल लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आशीष शेखावत ने बताया कि विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर नमकीन भंडार पर निरीक्षण किया गया और सैंपल लेने की कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बहरोड़ में भगवती नमकीन पर जांच की कार्रवाई की गई। विभाग द्वारा वहां से सैंपल लिए गए, यहां मूंगफली में घुण लगी हुई मिली। नमकीन जिस बर्तन में डाल रखी थी, वह भी बहुत गंदा था। टीम ने यहां साफ-सफाई नहीं होने को लेकर नाराजगी जताते हुए सफाई रखने के निर्देश दिए। साथ ही 100 किलो नमकीन, 50 किलो मूंगफली और 100 किलो बेसन नष्ट करवाया। इसके साथ ही करीब 2 क्विंटल नमकीन जब्त की गई। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोशनलाल यादव, महिपाल गुर्जर, सुभाष यादव, हुकम सिंह शेखावत मौजूद रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग कीओर से यह कार्रवाई लगातार दूसरी कार्रवाई है, इससे पहले बहरोड़ में ही एक मिष्ठान भंडार पर भी कार्रवाई की गई थी, जहां कई किलो मिठाई नष्ट करवाई गई थी।

राजस्थान में सस्ता होगा इलाज,अलग से होंगे हॉस्पिटल

वेज-नॉनवेज खाना, धर्म के अनुसार पूजा स्थल-होटल्स भी जुड़ेंगे, पांच आयुष सेंटर बनेंगे

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के टूरिज्म को अब हॉस्पिटल से जोड़ा जाएगा। राजस्थान को मेडिकल और वैलनेस टूरिज्म स्टेट बनाने के लिए एक्शन प्लान तैयार हो चुका है। सरकार जल्द ही इसे लेकर एक पॉलिसी लाने वाली है, जिसे 'हील इन राजस्थान' पॉलिसी नाम दिया गया है। इस पॉलिसी के तहत राजस्थान में रहने वाले और बाहर से आने वाले लोगों को सस्ता इलाज मिलेगा। इसके लिए अलग से हॉस्पिटल और मैनेजमेंट टीम रहेगी।

विदेशों से यहां इलाज कराने आने वाले लोगों का खास ध्यान रखा गया है। इसके लिए अलग से हॉस्पिटल सिलेक्ट किए जाएंगे और इनमें नॉनवेज और वेज से लेकर हर तरह का खाना मिलेगा। इतना ही नहीं हर हॉस्पिटल में धर्म के अनुसार उपासना सेंटर रहेगा। सरकार की ओर से इस पॉलिसी को बनाकर तैयार कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसे कैबिनेट में रखा जाएगा। इसके बाद इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा। इधर, आने वाले तीन सालों के लिए भी सरकार ने प्लान तैयार किया है। राजस्थान के अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत 15000 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। इसमें आने वाले 3 साल में प्रदेश भर में सुपर स्पेशियलिटी नर्सरी केयर और अस्पतालों की सुविधाओं को अपग्रेड करने का काम होगा। इसमें आयुष फैसिलिटी भी शामिल है।

इस तरह से होगा पॉलिसी का एक्शन प्लान हील इन पॉलिसी के तहत मेडिकल टूरिज्म के लिए आने वाले विदेशियों को नेशनल और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें सबसे पहले मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने पर फोकस रहेगा। राजस्थान को मेडिकल और वैलनेस टूरिज्म हब के तौर पर विकसित करने के लिए काम होगा। मेडिकल टूरिज्म के लिए जिन अस्पतालों को सिलेक्ट किया जाएगा, उनमें बेहतर सुविधाएं होंगी।

वैलनेस और मेडिकल टूरिज्म के लिए सरकारी और मेडिकल सेक्टर मिलकर काम करेंगे। इसके तहत सिलेक्ट अस्पतालों में वर्ल्ड क्लास सुविधाएं दी जाएगी। सस्ते इलाज के साथ ही उनकी सुविधाओं पर काम होगा ताकि यहां आने वाले मरीज को बेहतर इलाज मिल सके।

विश्व मानक दिवस (बीआईएस) का आयोजन 14 अक्तूबर को : विवेक वर्धन रेड्डी

हैदराबाद, 11 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। बीआईएस राज्य कार्यालय उप निदेशक व वैज्ञानिक विवेक वर्धन रेड्डी ने कहा कि, सोमवार दि. 14 अक्तूबर को विश्व मानक दिवस का आयोजन किया जायेगा।

इस संदर्भ में, बीआईएस के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, महानगर हैदराबाद के राज्य कार्यालय के उप निदेशक व वैज्ञानिक विवेक वर्धन रेड्डी के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) राज्य कार्यालय के तत्वावधान में, सोमवार दि. 14 अक्तूबर को विश्व मानक दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि, विश्व मानक दिवस के तहत उपभोक्ताओं के मध्य बीआईएस की गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि बीएसआई देश में गुणवत्ता और मानक बनाए रखने के लिए अपनी सेवाएं निरंतर जारी रखे हुए है।

जिसमें विवेक वर्धन रेड्डी ने बताया कि, इस संस्था की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी और तब से यह संस्था अपने यूजर्स को बेहतरीन सेवाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि, वर्ष 2016 के बीआईएस कानून ने इसे और मजबूत किया और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर आभूषण तक के उत्पादों के लिए मानक (स्टैंडर्ड्स)बनाए तथा बीआईएस ने यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं कि संबंधित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने आगे कि उद्योगों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध कायम रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में मानक विकसित किये जा रहे हैं एवं देश के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाये जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आभूषणों और उत्पादों की गुणवत्ता मानकों में कमी होने पर उपभोक्ताओं से शिकायत प्राप्त करने के लिए एक विशेष ऐप्प बनाया गया है।

बीआईएस को उप निदेशक, वैज्ञानिक विवेक वर्धन रेड्डी ने कहा कि, बीआईएस का मुख्य फोकस बुनियादी ढांचे और टिकाऊ औद्योगिक क्षेत्र के लिए बेहतर मानकों में योगदान देना है। इसके चलते इस विश्व मानक दिवस के हिस्से के रूप में, राज्य भर में सभी को बीआईएस की गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा की जाएगी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने भी भाग लिया।

एक शाम माँ भगवती के नाम आयोजित

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंगीचेरला स्थित कुमावत सेवा समिति उप्पल हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में गुरुवार 10 अक्टुबर सायं 5.30 बजे से 8.30 बजे तक डांडिया कार्यक्रम, सायं 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें माणक प्रजापत सबलपुरा ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, भोजन-प्रसादी के लाभार्थी प्रकाश, घनश्याम, ताराचन्द, नाथुराम लारना का पदाधिकारियों द्वारा स्वागत कर कार्यक्रम स्थल पर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गयी।

अवसर पर अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया ने समाज बन्धुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संरक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, पारसमल रेनवाल, अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पीपाड़ा, बाबुलाल गोयल, सचिव नाथुराम लारना, महेन्द्र मोचीवाल, कोषाध्यक्ष आसुराम रेनवाल, मल्लाराम मंडोरा, मंत्री सी.आर. कुमावत, गौतमचन्द भदानिया, प्रचार मंत्री धाराराम रेनवाल, लक्ष्मणराम बावलिया, खेलमंत्री ओमकार दुबलदिया, पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। सचिव नाथुराम लारना के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

आदिलाबाद को मिला सिर्फ 2 यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय

स्थानीय लोगों में आक्रोश, आठ निर्वाचन क्षेत्रों को नहीं मिले विद्यालय

आदिलाबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद (जिसमें 10 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं) को केवल दो यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय प्रदान किए गए, जिससे क्षेत्र के लोग परेशान हैं। राज्य सरकार ने यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित करने के लिए तेलंगाना में 28 विधानसभा क्षेत्रों का चयन किया। मंचेरियल जिले के मंचेरियल और चेन्नूर दोनों विधानसभा क्षेत्र इन निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल थे। हालांकि, आदिलाबाद, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के शेष आठ निर्वाचन क्षेत्रों में से किसी में भी विद्यालय स्वीकृत नहीं हुआ।

संयोग से, कुमराम भीम आसिफाबाद जिला नीति आयोग द्वारा चुने गए 100 पिछड़े जिलों में से एक था। आदिलाबाद जिला भी तेलंगाना का एक पिछड़ा जिला है, क्योंकि इसकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी और परिवहन सुविधाएं खराब हैं। इन दोनों जिलों में दसवीं कक्षा के परिणामों में पास होने का प्रतिशत बहुत कम है, जो इस क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता को दर्शाता है।

पिछड़े आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद को नजरअंदाज करने के सरकार के फैसले पर लोगों ने नाराजगी जताई। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के एक डिग्री कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल संपत ने कहा कि 10 में से दो विधानसभा क्षेत्रों का चयन करना तर्कहीन है और इससे इस क्षेत्र के साथ अन्याय हो रहा है। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के प्रत्येक जिले में कम से कम एक खंड को स्कूलों की स्थापना के लिए चुना जाना चाहिए था।

आदिलाबाद जिले के शिक्षक श्रीनिवास कहते हैं कि खानापुर, आसिफाबाद, बोथ, आदिलाबाद और सिरपुर (टी) विधानसभा क्षेत्रों में आवासीय विद्यालयों के निर्माण से आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। विद्यालय स्थापित करके और समाज में बदलाव लाकर इन क्षेत्रों की साक्षरता में सुधार किया जा सकता है।

लोगों को आश्चर्य हुआ कि तीनों जिलों के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से किसी को भी परियोजना में शामिल क्यों नहीं किया गया। उन्हें लगा कि मंचेरियल के बजाय इन जिलों को विकास की सख्त जरूरत है, जहां औद्योगिक विकास काफी हुआ है। उन्होंने चुनावों में पार्टी की सफलता के आधार पर जिले को चुनने के लिए सरकार की आलोचना की। कांग्रेस के प्रत्याशियों ने मंचेरियल, चेन्नूर और बेलमपल्ली विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की। खानापुर क्षेत्र को छोड़कर, पार्टी के उम्मीदवार सात विधानसभा क्षेत्रों में हार गए।

केसीआर विधानसभा क्यों नहीं आ रहे हैं? : कोमटिरेड्डी

नलगोंडा, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सवाल उठाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव विधानसभा क्यों नहीं आ रहे हैं। कोमटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शुक्रवार को नलगोंडा में एकीकृत आवासीय विद्यालय के निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान केसीआर ने वादा किया था कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी, लेकिन उन्होंने वादा पूरा नहीं किया। कोमटीरेड्डी ने कहा, बीआरएस सरकार ने केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के अपने वादों को पूरा नहीं किया, लेकिन हमारी कांग्रेस सरकार एकीकृत आवासीय विद्यालयों का निर्माण करके अपने वादे को लागू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय परिसर बनाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और सभी आवासीय विद्यालयों को एक छत के नीचे लाना है। राज्य सरकार 20-25 एकड़ के क्षेत्र में प्रशासनिक ब्लॉक, कक्षा कक्ष, छात्रावास, मेस, पुस्तकालय, स्टेडियम, ओपन एयर थिएटर, स्विमिंग पूल और अन्य सभी सुविधाओं के साथ एकीकृत आवासीय विद्यालय बनाने जा रही है। इन विद्यालयों में लगभग 2,000 से 2,500 छात्र रहेंगे और प्रत्येक विद्यालय में लगभग 150 शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। हम इन विद्यालयों के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विचार से कदम उठा रहे हैं।

एसएलजे अलंकार प्रदर्शनी में खरीदारी के लिए अंतिम 2 दिन मौका

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स शोरूम में जारी 'स्वर्णाभूषणों एवं अलंकार प्रदर्शनी' में ग्राहकों की खरीदारी जोरों पर है। इस संदर्भ में, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) के प्रबंधन ने बताया कि विगत 7 दिनों से 'स्वर्णाभूषणों एवं अलंकार प्रदर्शनी' में ग्राहक की भीड उमडी है। निरंतर ग्राहकों की बढती मांग को देखते हुए एसएलजे के प्रबंधन ने आकर्षक रत्न एवं हीराजडित तथा विविध प्रकार के स्वर्ण अलंकार उपलब्ध कराए हैं। जिसमें लाइट वेट ज्वैलरी को बहुत पसंद किया जा रहा है। इसलिए सुदूर क्षेत्रों के साथ ही स्थानीय ग्राहक वर्ग शीघ्रता से उस प्रदर्शनी का लाभ उठाएं।

विवाह के लिए आभूषण खरीदारों या क्रेताओं के लिए शोरूम में 200 ग्राम एवं ऊपरी खरीद पर होलसेट रेट देने की प्रक्रिया जारी है।

सोमाजीगुडा स्थित एसएलजे बहुमूल्य आभूषण व अलंकार प्रदर्शनी में अंतिम 2 दिन शेष हैं। अतः सभी ग्राहकबंधु जल्द से जल्द इस सुनहरे मौके का लाभ उठाएं।

भाजपा नगरसेवक राकेश जयसवाल जामबाग मंडल ने श्री दत्तगिरि आश्रम बरदीपुर के पीठाधिपथुलु श्रीश्रीश्री 108 वैराघ्य शिकमणी अवधूतगिरि महराज और श्रीश्री सिद्धेश्वर आनंद गिरि महराज का श्री दत्तात्रेय पहाड़, श्री दत्तगिरि महराज आश्रम हैदराबाद में नवरात्रि के शुभ अवसर पर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर गोपाल सिंह ठाकुर, श्री बद्रीनाथ सिंह पट्टेदार, संदीप सिंह, इंद्रपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, विशाल सिंह, सोमराज सिंह भी मौजूद थे।

एनईसीसी, आईपीईएमए ने हैदराबाद में मनाया विश्व अंडा दिवस

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अंडा समन्वय समिति (एनईसीसी) ने भारतीय पोल्ट्री उपकरण निर्माता संघ (आईपीईएमए) के सहयोग से शुक्रवार को यहां विश्व अंडा दिवस मनाया। समारोह का उद्देश्य अंडों के पोषण संबंधी लाभों पर ध्यान आकर्षित करना और स्वस्थ जीवनशैली के लिए अधिक से अधिक अंडों के सेवन को प्रोत्साहित करना था। एनईसीसी, आईपीईएमए ने संतुलित आहार में अंडों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला, उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन स्रोत के रूप में उनके महत्व पर जोर दिया।

समारोह के हिस्से के रूप में, देश भर के पोल्ट्री पेशेवर पोल्ट्री इंडिया एक्सपो-2024 के 16वें संस्करण में भाग लेंगे, जो 27 से 29 नवंबर तक माधापुर के हाईटेक्स में आयोजित होने वाला है। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी पोल्ट्री प्रदर्शनी के रूप में माना जाने वाला यह कार्यक्रम उद्योग के पेशेवरों को नवाचारों का पता लगाने, विचारकों से जुड़ने और नए व्यावसायिक अवसरों को खोजने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पोल्ट्री नॉलेज डे 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, जो उद्योग के रुझानों और उन्नति के बारे में गहन जानकारी प्रदान करेगा।

शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए प्रवेश शुरू

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कौशल आधारित संस्थान सेंचुरियन विश्वविद्यालय ने ओडिशा और आंध्र प्रदेश स्थित अपने परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने सेंचुरियन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम (सीयूईई) 2025 की घोषणा की है, जिसमें देश भर के छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जो अनुभवात्मक और उद्योग-उन्मुख शिक्षा चाहते हैं। यह परीक्षा 16 विभिन्न स्कूलों में डिप्लोमा, यूजी और पीजी में 80 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों की स्क्रीनिंग करेगी।

विभिन्न स्कूलों में प्रस्तुत कार्यक्रमों में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, प्रबंधन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, फोरेंसिक विज्ञान, नर्सिंग, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, एनीमेशन और मल्टीमीडिया, कानून, समुद्री, फार्मेसी और जीवन विज्ञान, पशु चिकित्सा और पशुपालन आदि शामिल हैं। सेंचुरियन विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष प्रोफेसर डीएन राव ने कहा कि अशोक लीलैंड, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एडब्ल्यूएस, यामाहा, वोल्वो, आयशर, डसॉल्ट इत्यादि जैसे उद्योग जगत के अग्रणी लोगों के साथ हमारी साझेदारी ने कैंपस में विनिर्माण इकाइयां और बाजार कनेक्टिविटी के साथ एक्शन लर्निंग लैब्स स्थापित करने के लिए रोजगार के साथ-साथ उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

जल निकासी के मुद्दे को सुलझाए सरकार : किशन रेड्डी

मुसी में बहाया जाता है नाले का पानी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि मुसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के प्रति मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का दृष्टिकोण गरीबों के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को उन लोगों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए जिनके घर मुसी जलग्रहण क्षेत्रों में तोड़े जा रहे हैं।

शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि मुसी जलग्रहण क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग 40 साल से रह रहे हैं और सरकार उन्हें किसी तरह का पुनर्वास दिए बिना उनके घरों को ध्वस्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि नाले का पानी मुसी में बहाया जाता है। किसी भी सौंदर्यीकरण प्रयास से पहले जल निकासी के मुद्दों को हल करना

आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना की घोषणा की है, लेकिन उसने यह खुलासा नहीं किया है कि वह इस परियोजना को लागू करने के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये कैसे जुटाएगी?

उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार किसी न किसी बहाने गरीबों के घरों को ध्वस्त करती रहेगी तो उनकी पार्टी चुप नहीं बैठेगी। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) पर कड़ा प्रहार करते हुए राज्य भाजपा प्रमुख ने कहा कि हाइड्रा को जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेना चाहिए तथा गरीबों के मकान के मामले में संयम बरतना चाहिए।

इस दशहरा पर पालापिट्टा के साथ क्रूरता न करें : एचएसआई

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल, इंडिया (एचएसआई/इंडिया) ने शुक्रवार को श्रद्धालुओं से दशहरा उत्सव के दौरान पालापिट्टा या इंडियन रोलर (जो तेलंगाना का राजकीय पक्षी है) के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार से बचने का आग्रह किया। पलापिट्टा को इंडियन ब्लू जे के नाम से भी जाना जाता है, इसे शुभ माना जाता है और लोग दशहरा के दौरान इस पक्षी की एक झलक पाने की कोशिश करते हैं।

इस विश्वास को भुनाने के लिए कई व्यापारी जंगली पालापिट्टा को पकड़ते हैं, उन्हें भूखा रखते हैं और त्यौहार के दौरान उन्हें प्रदर्शित करते हैं। एचएसआई, इंडिया ने कहा कि इनमें से ज़्यादातर पक्षी तनाव, थकावट या भूख से मर जाते हैं और अगर उन्हें

वापस जंगल में छोड़ भी दिया जाए, तो उनके बचने की कोई संभावना नहीं होती।

वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची II के अंतर्गत संरक्षित होने के बावजूद, पलापिट्टा को अक्सर पकड़ लिया जाता है, भूखा रखा जाता है, तथा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उनके पंखों को गोंद से चिपकाने और काटने जैसी क्रूर प्रथाओं का शिकार बनाया जाता है।

ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया की क्रूरता प्रतिक्रिया विशेषज्ञ मिशी अग्रवाल ने कहा कि इस दशहरा पर हम लोगों से क्रूरता के बजाय दयालुता को चुनने और पलापिट्टा की स्वतंत्रता और सुरक्षा की वकालत करके त्योहार मनाने का आग्रह करते हैं। हम नागरिकों से यह भी अपील करते हैं कि वे मूक दर्शक बनकर शिकारियों का समर्थन न करें। यदि आप किसी के साथ दुर्व्यवहार होते देखते हैं, तो तुरंत वन विभाग को रिपोर्ट करें। हेल्पलाइन: किसी भी अवैध गतिविधि की रिपोर्ट 18004255364 पर या 9803338666 पर व्हाट्सएप करें।

माँ भगवती का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित आर.के.एम. फंक्शन हॉल में कुमावत समाज द्वारा गुरुवार 10 अक्टुबर सायं 7.15 बजे से महाप्रसादी एवं रात्रि 9.15 बजे से माँ भगवती के जागरण आयोजित किया गया।

जिसमें कन्हैयालाल कुमावत, भैराराम सैंणचा ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का समाज के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत कर कार्यक्रम स्थल पर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गयी।

अवसर पर संरक्षक अमरचन्द अडाणीया ने पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी एवं तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़, उपाध्यक्ष भींयाराम मंगलोड़ा, सचिव लिख्माराम मनावत, सहसचिव रमेश अडाणीया, कोषाध्यक्ष नवरत्नमल एकलिया व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

रियल एस्टेट सेक्टर पर दोहरी मार

लेआउट के लिए मंजूरी देने में होती है अत्यधिक देरी

क्रेडाई के सदस्यों ने जताई चिंता, नहीं मिल रही सरकारी मदद

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में रियल एस्टेट सेक्टर दोहरी मार झेल रहा है। पहले से ही, उपभोक्ताओं में खरीदारी के प्रति रुझान उतना मजबूत नहीं है और सरकार बिल्डरों और डेवलपर्स की समस्याओं को दूर करने के लिए कोई कदम उठाने को लेकर उत्सुक नहीं है। बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा सरकार के समक्ष अपनी समस्याओं को सूचीबद्ध करने और अपील करने के बाद भी यह स्थिति बनी हुई है। नतीजतन, रियल एस्टेट सेक्टर, जो पिछले साल तक अच्छी स्थिति में था, अब बुरे दौर से गुजर रहा है।

कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) तेलंगाना ने सरकार द्वारा हल किए जाने वाले कई मुद्दों को सूचीबद्ध किया था और अगस्त में कुछ सुझाव भी दिए थे, लेकिन फिर भी कोई प्रगति नहीं हुई, क्रेडाई के एक सदस्य ने दुख जताया। सबसे पहले, रियल एस्टेट निकाय ने जिलों में लेआउट के लिए मंजूरी देने में अत्यधिक देरी पर अपनी अत्यधिक चिंता व्यक्त की थी। यह मुद्दा एक कार्यक्रम के दौरान उठाया गया जिसमें सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी भी उपस्थित थे।

सदस्यों का कहना है कि जिलों में अनुमति देने में देरी हो रही है, हालांकि कलेक्टरों को लेआउट के लिए अनुमति देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन उनके व्यस्त कार्यक्रम के कारण इस कार्य को कम महत्व दिया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टेस्ट में पहली बार 500 रन बनाकर पारी से हार

> पाकिस्तान ने 556 रन बनाए थे > इंग्लैंड ने 823 बनाए > पाक 220 पर ऑलआउट

मुल्तान, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार कोई टीम 500 से ज्यादा रन बनाने के बाद भी मैच हार गई। यह रिकॉर्ड बना पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में खेले गए टेस्ट मैच में। इस टेस्ट में पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड की पारी शुरू हुई। हैरी ब्रुक के तिहरे और जो रूट के दोहरे शतक की बदौलत इंग्लैंड ने 823 रन बनाए। पाकिस्तान पर इंग्लैंड ने 267 रन की बढ़त ले ली।

पाकिस्तान दूसरी पारी में 220 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड ने यह मैच पारी और 47 रनों से जीत लिया। 1877 में पहली बार पहला आधिकारिक टेस्ट खेला गया था। उसके बाद पहली बार कोई टीम इस तरह से हारी है। पाकिस्तान की टीम होम ग्राउंड में पिछले 44 महीनों से कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। मुल्तान टेस्ट जीतकर इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

पहली पारी में 3 शतक, पाकिस्तान का पलड़ा भारी

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने पहली पारी में 556 रन का स्कोर खड़ा किया। अब्दुल्लाह शफीक (102 रन), कप्तान शान मसूद (151 रन) और सलमान आगा (104 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं। सउद शकील (82 रन) ने अर्धशतक जमाया। इंग्लैंड की ओर से जैक लीच ने 3 विकेट झटके। गॉस एक्लिस्टन और ब्रायडन कार्स को 2-2 विकेट मिले।

इंग्लैंड ने रिकॉर्ड 823 रन बनाए, तिहरा और दोहरा शतक लगा

556 रन के स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी 823/7 के रिकॉर्ड स्कोर पर डिक्लेयर की। 24 साल में कोई टीम पहली पारी में ऐसा स्कोर नहीं बना पाई है। इस पारी की बदौलत इंग्लैंड की टीम को 267 रन की बढ़त मिली। इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने 262 और हैरी ब्रूक ने 317 रन की पारियां खेलीं। यहां टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता नजर आ रहा था।

चौथे दिन 37 ओवर में पाकिस्तान ने 6 विकेट गंवाए

दूसरी पारी में पाकिस्तान की बैटिंग चौथे दिन 37 ओवर में बिखर गई। इंग्लैंड ने चौथे दिन के दूसरे सेशन में पारी घोषित की। उसके बाद पाकिस्तान ने 152 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए। ओपनर अब्दुल्लाह शफीक 0, साइम अयूब 25, कप्तान शान मसूद 11, बाबर आजम 5 और सउद शकील 29 रन बनाकर आउट हुए। सलमान और जमाल ने उम्मीदें जगाईं, लेकिन हार नहीं टाल सके

मुकाबले के आखिरी दिन पाकिस्तान ने 152/6 के स्कोर से खेलना शुरू किया। यहां से दो नतीजे ही दिख रहे थे। या तो पाकिस्तान पूरा दिन खेलकर मैच ड्रॉ करा ले, या फिर इंग्लैंड आखिरी 4 विकेट गिरा दे और मुकाबला जीत ले। ऐसे में आगा सलमान और आमिर जमाल ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर पाकिस्तानी फैंस की उम्मीदें जगा दीं, लेकिन पारी की हार को टाल नहीं सके। पहले आगा सलमान 63 और फिर आमिर जमाल 55 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों के आउट होने के बाद पूरी टीम 6 ओवर में ऑलआउट हो गई।

27 साल बाद टेस्ट में 800+रन बने

मुल्तान, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेला गया मुल्तान टेस्ट रिकॉर्ड ब्रेकर रहा। इस मुकाबले में पाकिस्तान पहली पारी में 556 रन बनाने के बाद भी पारी से हार गया। 147 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। 7 अक्टूबर को जब पहला टेस्ट शुरू हुआ तो मामला बराबरी का था। पाकिस्तान ने करीब 150 ओवर बैटिंग कर 556 रन बनाए, तब लगा कि फ्लैट पिच पर मैच ड्रॉ हो जाएगा। फिर इंग्लैंड ने भी 150 ओवर ही बैटिंग की, लेकिन 823 रन बना डाले।

इंग्लैंड से जो रूट ने 262 और हैरी ब्रूक ने 317 रन बना दिए। 147 साल के क्रिकेट इतिहास में इंग्लैंड से पहली बार ही 2 बैटर्स ने एक ही पारी में 250 प्लस के स्कोर बनाए हैं। पहली पारी में 267 रन की बढ़त के बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान के 152 रन पर ही 6 विकेट गिरा दिए।पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाकर मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी, लेकिन दूसरी पारी में टीम की बैटिंग फेल रही। पाकिस्तान से पहले न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और इंग्लैंड पहली पारी में 550 से ज्यादा रन बनाने के बाद एक-एक मैच हार चुकी हैं।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल से एक जीत दूर भारत

6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला, पिछले 2 नॉकआउट इनसे ही हारे

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 भारत के नतीजे

खिलाफ	कब	नतीजा
न्यूजीलैंड	4 अक्टूबर	58 रन से हारे
पाकिस्तान	6 अक्टूबर	6 विकेट से जीते
श्रीलंका	9 अक्टूबर	82 रन से जीते

स्पोर्ट्स डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल स्पॉट कन्फर्म करने के लिए भारत के पास अब एक ही मैच बचा है। यह मुकाबला 6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 अक्टूबर को शारजाह में होना है। जीतने पर टीम इंडिया टॉप-4 में पहुंच जाएगी। अगर भारतीय आखिरी मैच नहीं जीत सकी तो टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कम हो जाएंगी। फिर टीम को न्यूजीलैंड के आखिरी मैच में हारने की दुआ करनी होगी। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 8 मैच ही हारे हैं। इनमें से 2 मैच भारत ने हराए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनों दफा ग्रुप स्टेज में हराया, लेकिन विमेंस टीम इंडिया ने पिछले दोनों नॉकआउट मैच ऑस्ट्रेलिया से हारे हैं।

ग्रुप-ए में दूसरे नंबर पर मौजूद भारत

टीम इंडिया ग्रुप-ए में है और उन्हें ग्रुप स्टेज के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड ने 58 रन से हरा दिया। बड़ी हार के बाद भारत का रन रेट खराब हुआ, लेकिन टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट और श्रीलंका को 82 रन से हराकर अपना रन रेट पॉजिटिव कर लिया। अब भारत 3 मैचों में 2 जीत से 4 पॉइंट्स लेकर दूसरे नंबर पर है। टीम का रन रेट भी ऑस्ट्रेलिया के बाद बेस्ट है। अब भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर 6 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल में जगह बना लेगा। हालांकि, टीम को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड अपने आखिरी 2 मैच ज्यादा बड़े अंतर से न जीते। हालांकि, इस कंडीशन में टीम को पाकिस्तान से बेहतर रन रेट भी रखना होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने एक भी मैच नहीं गंवाया, टॉप पर

8 में से 6 बार की टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टीम ने ग्रुप स्टेज में 2 मैच खेले और दोनों जीते। टीम ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड को हराया, आज उनका मैच पाकिस्तान से है। जिसके बाद 13 अक्टूबर को टीम भारत से भिड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 अंक के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम अपने शेष 2 में से एक मैच जीतकर भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

ग्रुप-बी में भी 3 टीमों के बीच टक्कर

ग्रुप-बी में स्कॉटलैंड बाहर हो चुकी है, वहीं बांग्लादेश भी लगभग बाहर ही है। ग्रुप में साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज 2-2 मैच जीतकर टॉप-3 पोजिशन पर हैं। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका ने 1-1 मैच गंवाया भी है, जबकि इंग्लैंड को अब तक हार का मुंह नहीं देखना पड़ा।

राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप

महाराष्ट्र के समर्थ, ऐश्वर्या फेनेस्टा ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली । तीसरी वरीयता प्राप्त महाराष्ट्र के समर्थ साहिता और ऐश्वर्या जाधव गुरुवार को यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रहे 29वें फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप के जूनियर सप्ताह के टूर्नामेंट में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

महाराष्ट्र के समर्थ ने लड़कों के अंडर-16 एकल वर्ग में अपना अजेय क्रम जारी रखा और दिल्ली के ओजस महलावत के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में ओजस को हराया और फिर दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। लड़कियों के अंडर-16 एकल वर्ग में, आठवीं वरीयता प्राप्त ऐश्वर्या ने तमिलनाडु की दीपशिखा विनयागमूर्ति के सपनों के सफर को रोक दिया क्योंकि उन्होंने सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से मुकाबला जीतकर टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया।

नितीश रेड्डी ने नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने पर कहा

'यह अच्छा काम कर रहा है, लेकिन मैं कहीं भी बल्लेबाजी कर सकता हूं'

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने अरुण जेटली स्टेडियम में 34 गेंदों पर 74 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को बांग्लादेश पर 86 रनों की जीत और 2-0 की अजेय बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपनी बल्लेबाजी के अलावा, रेड्डी ने अपनी सीम-बॉलिंग स्किल्स भी दिखाई और 2-23 विकेट लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। "हमने निडर क्रिकेट खेलने की योजना बनाई थी और इसी से मुझे मदद मिली। मैंने अपना समय लिया और जब मैंने देखा कि मुझे किस ओवर में आक्रमण करना है, तो सब कुछ बदल गया।

मैं इस पल में बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।" रेड्डी ने जियोसिनेमा से बातचीत में कहा, यह काफी अच्छा काम कर रहा है, लेकिन मैं कहीं भी बल्लेबाजी कर सकता हूं। आप मुझे ओपनिंग, मध्यक्रम या निचले क्रम में भेज सकते हैं। मैंने पिछले आयु समूहों में भी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं हर चीज के लिए तैयार था। लेकिन यह नंबर 4 की स्थिति मेरे लिए भी काम कर रही है।

रेड्डी एक समय 13 गेंदों पर 13 रन बना रहे थे, इससे पहले महमुदुल्लाह की नो-बॉल पर छक्का लगाकर उन्होंने बांग्लादेश के गेंदबाजों पर खास तौर पर लेग-साइड पर जोरदार शॉट लगाए। मैंने उस बल्ले से अभ्यास किया और मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा है, लेकिन मुझे दूसरे बल्ले पर भरोसा था, इसलिए मैं थोड़ा उलझन में था। फिर मैंने अपना बल्ला बदला और उस पर भरोसा किया। उस नो-बॉल ने मुझे दबाव से थोड़ी राहत दी और वहीं से मैंने खेल को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, यह मेरी व्यक्तिगत योजना है। उस समय, बांग्लादेश की टीम बहुत अच्छी गति से खेल रही थी, इसलिए हमने कुछ समय लेने के बारे में सोचा। मुझे लगा कि जब मैंने नो-बॉल पर छक्का मारा तो सब कुछ बदल गया और फिर हम पूरी तरह से तैयार हो गए और सब कुछ सही दिशा में चला गया।

पीकेएल सीजन 11 : जयपुर पिंक पैंथर्स के कप्तान बने अर्जुन देशवाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर पिंक पैंथर्स ने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आगामी सीजन 11 के लिए कप्तान नियुक्त किया है। सीजन 8 में पिंक पैंथर्स में शामिल होने के बाद, देशवाल जल्द ही प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हो गए। उन्होंने फ्रेंचाइजी के साथ अपने पहले सीजन में 268 अंक हासिल किए और अगले सीजन में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 296 और 278 अंक हासिल किए।

उनके प्रदर्शन से टीम को सीजन 9 में ट्रॉफी जीतने और सीजन 10 में सेमी फाइनलिस्ट बनने में मदद मिली। कप्तान के रूप में अपनी प्रमोशन के बारे में बात करते हुए, देशवाल ने कहा, मैं पीकेएल में एक और रोमांचक सीजन का इंतजार कर रहा हूं। टीम कड़ी मेहनत कर रही है और मैं इस टीम को आगे ले जाने के लिए उत्सुक हूं। उम्मीद है कि इस बार मैं जयपुर पिंक पैंथर्स को उनकी तीसरी ट्रॉफी तक ले जाने में मदद कर सकूंगा। पिंक पैंथर्स 20 अक्टूबर को हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ एक्शन में नजर आएगी। पीकेएल सीजन 11 शेड्यूल के मुताबिक विश्व की शीर्ष कबड्डी लीग के लीग मैचों का आयोजन तीन शहरों हैदराबाद, नोएडा और पुणे में 18 अक्टूबर से 24 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 की शुरुआत 18 अक्टूबर को हैदराबाद में तेलुगु टाइटंस और बेंगलुरु बुल्स के बीच मुकाबले के साथ होगी।

ऑस्ट्रेलिया में 1 टेस्ट मिस कर सकते हैं रोहित

> निजी कारणों से शुरुआती 2 में से एक मैच खेलना मुश्किल > सीरीज 22 नवंबर से

स्पोर्ट्स डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने बीसीसीआई को इन्फॉर्म किया है कि निजी कारणों के चलते उनका शुरुआती 2 में से किसी एक टेस्ट में खेलना मुश्किल है। अगर सीरीज शुरू होने से पहले निजी मामला सुलझ गया तो वह सभी मुकाबले खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 5 टेस्ट की बॉर्डर गावस्कर सीरीज 22 नवंबर से शुरू होनी है। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाना है। भारत ने विराट कोहली और अंजिक्य रहाणे की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में पिछली 2 टेस्ट सीरीज जीती थीं।

बीसीसीआई को पहले ही इन्फॉर्म कर दिया

न्यूज एजेंसी के अनुसार, बीसीसीआई सूत्रों ने बताया कि रोहित ने निजी समस्या के बारे में पहले ही बोर्ड को इन्फॉर्म कर दिया है। रोहित ने कहा है कि वह शुरुआती 2 में से एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। अगर समस्या का समाधान हो गया तो वह पूरी सीरीज खेलेंगे।

6 दिसंबर से दूसरा टेस्ट

टीम इंडिया 3 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 22 नवंबर से पर्थ में पहला मैच और 6 दिसंबर से एडिलेड में दूसरा मैच खेला जाएगा। टीम इससे पहले 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में ही 3 टेस्ट की सीरीज भी खेलेगी। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014 के बाद से कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। टीम ने इस दौरान विराट कोहली की कप्तानी में 2 सीरीज जीतीं।

कप्तानी कौन करेगा?

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर ने कहा था, 'टीम में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल के रूप में कुछ IPL कप्तान मौजूद हैं। सभी उम्र में युवा जरूर हैं, लेकिन जितने मैच सभी ने खेल लिए हैं, उन्हें युवा कहना बेवकूफी होगी। सभी में लीडरशिप क्वालिटी है, इसलिए फिलहाल टीम के उपकप्तान के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है।'

रोहित की जगह ओपनिंग कौन करेगा?

रोहित अगर शुरुआती मैच नहीं खेल सके तो टीम में शुभमन गिल और केएल राहुल के रूप में 2 बैकअप ओपनर्स मौजूद हैं। इनके अलावा घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यू ईश्वरन भी उस दौरान इंडिया-ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे। तीनों में से कोई भी रोहित की जगह ओपनिंग पोजिशन संभाल सकता है। इनके अलावा भारत ने देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार को भी इस साल टेस्ट डेब्यू का मौका दिया था। ये दोनों प्लेयर्स भी ओपनिंग पोजिशन संभाल सकते हैं।

हिमा दास डोपिंग के आरोप से बरी, नाडा के अपील पैनल ने लिया अंतिम फैसला

स्पोर्ट्स डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला एथलीट हिमा दास डोपिंग के आरोपों से मुक्त हो चुकी हैं। बीते साल हिमा दास को 12 महीनों में तीन बार अपनी लोकेशन की जानकारी नहीं देने के कारण निलंबन झेलना पड़ा था। हालांकि, डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल ने उन्हें बरी कर दिया था। अब अपील पैनल ने भी अंतिम रूप से सभी आरोपों से बरी कर दिया है। गौरतलब है कि नियमों के कथित उल्लंघन के आरोप में राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी ने 2023 में हिमा को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला लिया था। निलंबन रद्द होने के बाद हिमा इसी साल 30 अप्रैल को बेंगलुरू में इंडियन ग्रां प्री 1 में

200 मीटर दौड़ में लौटीं। अब नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने भी हिमा को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

डोपिंग के आरोपों से मुक्त

4 सितंबर के निर्णय में, एंटी-डोपिंग अपील पैनल ने अनुशासनात्मक पैनल के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें उन्हें डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया गया था। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नाडा की वेबसाइट पर एडीएपी के फैसले से जुड़ा नवीनतम अपडेट जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि एडीडीपी आदेश बरकरार रखा गया है। एथलीट हिमा दास को डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एलएलसी की शीर्ष परिषद के फैसले पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ ने ए एंड सी अधिनियम की धारा 9 के तहत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए लीजेंड्स लीग क्रिकेट की शीर्ष परिषद और इवेंट तकनीकी समिति (ईटीसी) फैसले पर रोक लगा दी है। यह जानकारी अपनी खबर में दी है। हाई कोर्ट से स्टे मिलने पर याचिकाकर्ता कोणार्क सूर्या ओडिशा को अंतरिम राहत मिली है। लीजेड्स लीग क्रिकेट की शीर्ष परिषद और ईटीसी ने कोणार्क सूर्या ओडिशा और मणिपाल टाइगर्स के बीच मैच का नतीजा घोषित होने के बाद उसको बदलने की मंजूरी दी थी। याचिकाकर्ता कोणार्क सूर्या ओडिशा एक फ्रेंचाइजी है और लीजेंड्स लीग क्रिकेट का हिस्सा है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट में 20 सितंबर 2024 को इरफान पठान की अगुआई वाली कोणार्क सूर्या ओडिशा और प्रतिवादी नंबर 2 (हरभजन सिंह की अगुआई वाली मणिपाल टाइगर्स) के बीच मैच खेला गया। कोणार्क सूर्या ओडिशा को विजेता घोषित किया गया। आधिकारिक स्कोरकार्ड में मणिपाल टाइगर्स (102/8) के मुकाबले उसका स्कोर 104/9 दर्शाया गया।

युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय छात्रों को बेहतर भविष्य प्रदान करेंगे : रेवंत रेड्डी

सीएम ने कोंडुर्ग गांव में विद्यालय की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को शादनगर विधानसभा क्षेत्र में कोंडुर्ग गांव में युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय की आधारशिला रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उम्मीद है कि युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय राज्य के छात्रों को बेहतर भविष्य प्रदान करेंगे। हमने तेलंगाना में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के अलावा गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चिकित्सा सेवा प्रदान करने का वादा किया था। पिछली सरकार ने गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित रखा। राज्य में 5000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मेरी सरकार ने गरीबों को उच्च मानक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी शिक्षा प्रणाली में सुधार कर रही है। यही कारण है कि सरकार में विश्वास पैदा करने के लिए शिक्षकों की पदोन्नति और स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई है। केसीआर ने 22 लाख करोड़ रुपये का बजट खर्च किया और 7 लाख करोड़ रुपये उधार लिए। पिछली सरकार ने सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कम से कम 10,000 करोड़ रुपये खर्च नहीं किए। उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने गरीबों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश के तहत 5000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए। मेरी सरकार गरीबों तक शिक्षा की सुविधा पहुंचाने के लिए यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजीडेंशियल स्कूल स्थापित कर रही हैपीवी नरसिम्हा राव ने 1972 में आवासीय विद्यालयों की नीति शुरू की थी। पीवी की दूरदर्शी सोच से बुर्रा वेंकटेशम जैसे लोग आईएएस के पद तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने गरीबों को शिक्षा देने और स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाया। विपक्ष गरीबों को शिक्षा देने की सरकार की प्रतिबद्धता की आलोचना कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएस प्रवीण कुमार का सम्मान करता हूं। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किस राजनीतिक दल से हैं। वह करोड़ों रुपये खर्च करके 25 एकड़ में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल स्थापित करने पर आपत्ति क्यों कर रहे हैं? रईसों ने गरीबों को शिक्षा और चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा। इन नेताओं ने रईसों से हाथ मिला लिया और कमजोर वर्गों की भलाई के लिए सरकार के प्रयासों की आलोचना की। जैसा कि केसीआर ने कहा, क्या एससी, एसटी और बीसी को भेड़-बकरी चराकर जीना चाहिए? सत्ता में आने के 90 दिनों के भीतर 30,000 नियुक्ति पत्र सौंपे। कल 11,000 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। उन्होंने कहा कि हमारी नीति जाति और धर्म के बीच के भेद को मिटाने की है। केसीआर

की नीति है कि उनके परिवार के सदस्य राज्य पर राज करें। क्यों केवल गरीब बच्चे भेड़ चराने का काम करें और केसीआर परिवार राज्य पर राज करे। कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जिसने कमजोर वर्गों को अवसर प्रदान किए। कांग्रेस गरीबों की पार्टी है। बीआरएस नेताओं को अभी तक लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन का एहसास नहीं हुआ है जिसमें पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। आश्चर्य है कि आरएस प्रवीण कुमार भी उसी लाइन पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के शासन के दौरान 1023 आवासीय विद्यालयों में न्यूनतम बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराया गया था। केसीआर ने 33 जिलों में सरकारी जमीनों पर बीआरएस पार्टी भवन बनाए। केसीआर के पास पार्टी कार्यालय बनाने और जमीन खरीदने के लिए पैसा है, लेकिन स्कूलों में बुनियादी ढांचा विकसित करने का कोई विचार नहीं है। एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यकों को अलग करना उनके दिमाग में जहर घोल देगा। यही कारण है कि सरकार जाति और धर्म की परवाह किए बिना सभी वर्गों के गरीब छात्रों को एक साथ अध्ययन कराने के लिए एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित कर रही है।

प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 295 आवेदन आए

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 295 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि आवास विभाग के संबंध में 90, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संबंध में 32, विद्युत विभाग के संबंध में 18, गृह विभाग के संबंध में 10 तथा अन्य विभागों के संबंध में 145 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.